सुविचार

सत्य,जिसे हम सब इतनी आसानी से अपनी-अपनी तरफ मान लेते हैं, सदैव विद्रोही सा रहा है।

-कुंवर नारायण

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12

Madhuri Dixit And Karan Johar...

Ranchi ● Sunday, 21 September 2025 ● Year : 03 ● Issue : 246 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

नौकरशाही

डॉ. ब्रजेश मिश्र

झारखंड की नौकरशाही की कार्यप्रणाली एक बार फिर अपना पुराना इतिहास दोहरा रही है। एक-दूसरे को नीचा दिखाने के खेल में एक नया खिलाड़ी रंग भरा गया है। मामला करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति की लूट से जुड़ा है। लिहाजा बड़ी जांच एजेंसियों का शिकंजा कब कस जाए, कोई कह नहीं सकता। क्या कुछ चल रहा है अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज़ के एजीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

चाची ने काटी 'चांदी'

गुरु अपनी मंडली को कहानी सुना रहे थे। कथा कुछ ऐसी थी- प्राचीन काल की बात है...। एक नगर में दो पड़ोसी रहते थे। पहला पड़ोसी लोहे का काम करता था, जबकि दूसरा आभूषण बनाने के कारोबार से जुड़ा था। पड़ोसी होने के नाते दोनों का एक-दूसरे की दुकान पर आना-जाना था। यानी, सोनार अक्सर लोहार की दुकान पर जाता था। इस दौरान वह बगैर मूल्य चुकाए कोई न कोई लोहे का सामान उठा लाता था। पहले वह महीने में एक-दो बार ऐसा करता था। पड़ोसी के लिहाज में लोहार कुछ नहीं बोलता। धीरे-धीरे सोनार हर हफ्ते सामान उठाकर ले जाने लगा। कुछ समय बाद लोहार को बात समझ में आ गई कि सोनार उसे मूर्ख समझ रहा था। एक दिन लोहार सोनार की दुकान पर गया। पहले दोनों ने लंबी बातचीत की। लोहार ने सोनार से कहा- तुम्हारी दुकान में तो बहुत महंगे आभूषण होंगे। सोनार ने समझा कि पड़ोसी पर अमीरी का रौब दिखाने का अच्छा मौका है। सोनार ने एक आभूषण का डिब्बा लोहार की तरफ बढ़ाया। कहा- यह देखो मेरी दुकान का सबसे कीमती आभूषण। इसका मूल्य लाखों में है। लोहार ने आभूषण को डिब्बे से बाहर निकाला। कुछ देर उसे हाथ में रखकर ऊपर-नीचे देखा। फिर आभूषण अपनी जेब में रखकर निकल लिया। सोनार देखता रह गया। वह पड़ोसी को मना नहीं कर सका, लेकिन इससे उसे काफी नुकसान हुआ। वह सदमे में आ गया। गुरु ने कहा- इस कहानी का संदेश इस प्रचलित मुहावरे में छिपा है- 'सौ सोनार की, एक लोहार की।' कहानी सुनकर सभा मंडली जोर से हंसी। सभा में देर से पहुंचने के कारण कहानी का संदर्भ और प्रसंग समझना था। लिहाजा अपनी तरफ से गुरु को छेड़ा। पूछा- गुरु आखिर इस लोकोक्ति का वर्तमान समय से क्या लेना-देना? गुरु बोले- देर से आने का यही नुकसान है। हर कहानी 'कटियारी की भागवत' हो जाती है। जो आता है, वही कहता है, फिर से बताइए। उनकी बात में जायज थी। मामला समझने के लिए उनके कटाक्ष को बर्दाश्त करना ही था। उनकी ओर हाथ जोड़कर मुस्कान बनाए रखी। गुरु बोले- कहानी का प्रसंग और संदर्भ 'चाची' से जुड़ा है। चाची की एक गलती चाची पर ही भारी पड़ गई है। चाची इस खेल में सोनार बन रही थीं। दूसरी तरफ से लोहार वाला दांव पड़ गया। बात समझ में नहीं आई। गुरु से फिर सवाल किया-चाची? अरे हां वही, जिनकी विजयी मुस्कान पर कभी टाटा में बड़े-बड़े अखबारों के पन्ने कुर्बान कर दिए जाते थे। अपनी इन्हीं हरकतों के कारण चाची सर्किट हाउस में झारखंड के नक्शे वाले केक कटिंग की मुराद मन में ही रखकर लौहनगरी से विदा हो गई थीं। एक बार फिर वही गलती दोहरा दी। टाटा से आने के बाद चाची ने कुछ दिनों तक राजधानी में योजना बनाने का काम किया। दिन बहुरे। आलाकमान के निर्देश पर चाची का दूसरा ठिकाना इस्पात नगरी बना। चाची ने लौहनगरी के अनुभव का पूरा इस्तेमाल किया। सामाजिक दायित्व की प्रयोगशाला स्थापित की। बगैर विलंब के स्टील से हाथाधीड़ बनाने की विधि विकसित की। समय का पहिया घूमता रहा। इसी बीच विदाई का फरमान फिर आ गया। चाची को यह बात बड़ी नागवार गुजरी। इसके लिए अपनी जगह आए नए प्रभारी को जिम्मेदार माना। लिहाजा अपने कुछ करीबी लोगों को एक टिप दी। उनकी दी गई यह टिप मार्केट में फैल गई। दावा किया गया कि नए प्रभारी का नया गुर्गा 'चांदी' वसूली के लिए काली गाड़ी में आ गया है। नए हाकिम के कुछ शुभचिंतकों ने उन्हें मार्केट की सूचना और सूचना का स्रोत समझा दिया। अब नए प्रभारी को कहानी वाले पड़ोसी की तर्ज पर सोनार-लोहार के फार्मूले से हिसाब-किताब बराबर करना था। काम सामाजिक दायित्व की प्रयोगशाला के निरीक्षण से शुरू हुआ। पता चला कि प्रयोगशाला में रखा 'चांदी' का एक बड़ा भंडार हवा हो गया है। घेरे में सीधे चाची आ गईं। सो, बगैर देर किए मामले को सियासी सूरमाओं के हाथ सौंप दिया गया। नए प्रभारी फिलहाल इस खेल में अजेय होकर निकले। अब चुपचाप किनारे बैठकर मैदान में चल रहे खेल को ऐसे देख रहे हैं मानो, इससे इनका कोई लेना-देना न हो। फिलहाल चाची गहरे अवसाद में हैं। पता नहीं कब कहां से पूछताछ के लिए नोटिस आ जाए। गुरु ने कहानी का सार बता दिया था। अब बाकी कसरत दिमाग को करनी थी। लिहाजा, नतमस्तक होकर हमने फिर एक बार गुरु का लोहा मान लिया और अपने रास्ते निकल लिए।

सोर्स : इंटरनेट

अब एच-1बी वीजा के लिए हर साल 88 लाख रुपये वसूलेगा अमेरिका

NEW DELHI @ PTI : अमेरिका अब एच-1बी वीजा के लिए हर साल एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये एप्लिकेशन फीस के रूप में वसूलेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस ऑर्डर पर दस्तखत कर दिए। आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा कि एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ एक लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा। नए चार्ज 21 सितंबर से ही लागू होंगे। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा के लिए पहले औसतन पांच लाख रुपये लगते थे। यह 3 साल के लिए मान्य होता था। इसे 3 साल के लिए रिन्यू किया जा सकता था। अब अमेरिका में एच-1बी वीजा के लिए 6 साल में 5.28 करोड़ लगेंगे यानी खर्च करीब 50 गुना से ज्यादा बढ़ जाएगा। बता दें कि अमेरिकी सरकार हर साल लॉटरी से 85 हजार एच-1बी वीजा जारी करती है, जिनका इस्तेमाल ज्यादातर तकनीकी नौकरियों में होता है। सबसे ज्यादा भारतीय (72%) इसका इस्तेमाल करते हैं। अब वीजा फीस बढ़ने से तीन लाख से ज्यादा भारतीयों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

- आज से ही लागू हो जाएगा नया चार्ज, छह वर्षों का 50 गुना बढ़ जाएगा खर्च
- पहले लगते थे औसतन पांच लाख रुपये, तीन लाख भारतीयों पर पड़ेगा असर
- हर साल लॉटरी से 85 हजार एच-1बी वीजा जारी करती है अमेरिकी सरकार

ट्रंप ने लॉन्च किए तीन नए वीजा कार्ड

ट्रंप ने एच-1बी में बदलाव के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड भी लॉन्च किए हैं। ट्रंप गोल्ड कार्ड, ट्रंप प्लेटिनम कार्ड और कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड जैसी सुविधाएं भी शुरू की गई हैं। ट्रंप गोल्ड कार्ड (8.8 करोड़ कीमत) व्यक्ति को अमेरिका में अनलिमिटेड रेसीडेंसी (हमेशा रहने) का अधिकार देगा। आंकड़ों के अनुसार, केवल अमेजन को ही इस साल 10 हजार से ज्यादा वीजा मिले हैं, जबकि माइक्रोसॉफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों को पांच हजार से अधिक वीजा स्वीकृत हुए हैं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल एच-1बी वीजा का सबसे ज्यादा फायदा भारत को मिला। हालांकि इस वीजा कार्यक्रम की आलोचना भी होती है। कई अमेरिकी तकनीकी कर्मचारियों का कहना है कि कंपनियां एच-1बी वीजा का इस्तेमाल वेतन घटाने और अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीनने के लिए करती हैं। साल 2023 में एच-1बी वीजा लेने वालों में 1,91,000 लोग भारतीय थे। ये आंकड़ा 2024 में बढ़कर 2,07,000 हो गईं। अब इतनी ऊंची फीस पर लोगों को अमेरिका भेजना कंपनियों के लिए कम फायदेमंद होगा। 71 प्रतिशत भारतीय एच-1बी वीजा धारक हैं और यह नई फीस उनके लिए बड़ा आर्थिक बोझ बन सकती है।

SARAFA

सोना	:	10,445
चांदी	:	145.00

(नोट : सोना 22 कैरट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

यूरोप के तीन बड़े एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक

NEW DELHI : यूरोप के तीन बड़े एयरपोर्ट्स साइबर अटैक हुआ। इनमें लंदन का हीथ्रो एयरपोर्ट, जर्मनी का बर्लिन एयरपोर्ट और बेल्जियम का ब्रसेल्स एयरपोर्ट शामिल है। साइबर अटैक के चलते शनिवार को इन एयरपोर्ट्स पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम ठप हो गए। इसकी वजह से कई उड़ानों में देरी हुई है। साथ ही कुछ फ्लाइट्स को कैंसिल भी करना पड़ा है। चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम ठप होने से यात्रियों को मैन्युअल तरीके से चेक-इन करना पड़ रहा है। इसकी वजह से फ्लाइट शेड्यूल पर असर पड़ा है। शनिवार दोपहर तक हीथ्रो एयरपोर्ट से आने-जाने वाली 140 से ज्यादा उड़ानें लेट हुईं। ब्रसेल्स में 100 से ज्यादा और बर्लिन में 60 से ज्यादा फ्लाइट्स पर इसका असर पड़ा है। ब्रसेल्स के एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार रात को एयरपोर्ट के चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम से जुड़ी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी पर साइबर अटैक हुआ।

झारखंड में 22-23 को हो सकती है बारिश

RANCHI : झारखंड के कई इलाकों में 22 और 23 सितंबर को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को दी। विभाग के अनुसार इस दौरान विभिन्न इलाकों में गर्जन के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पलामू जिले के डाल्टनगंज में 40.8 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं राज्य में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ जिले में 36.1 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 21.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इधर, शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में शाम में अचानक मौसम का मिजाज बदला और झमाझम बारिश होने लगी।

अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने की उठाई गई आवाज

कुड़मी आंदोलन : 40 रेलवे स्टेशनों पर थमे ट्रेनों के पहिए

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार से कुड़मी समाज ने खुद को अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में शामिल करने की अपनी पुरानी मांग को लेकर रेल रोको आंदोलन शुरू कर दिया। आदिवासी कुड़मी समाज मंच के आह्वान पर सुबह से ही राज्य के कई जिलों में लोग रेलवे ट्रैक पर उतर आए और रेल परिचालन को पूरी तरह ठप कर दिया। लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया। राज्य के 40 रेलवे स्टेशनों पर आंदोलन के कारण ट्रेनों को रोक देना पड़ा।

प्रदर्शनकारी सुबह से ही पारंपरिक परिधान में ढोल-मांदर के साथ रेलवे ट्रैक पर उतरे। गिरिडीह, चक्रधरपुर, जामताड़ा, बोकारो में प्रदर्शनकारी रेलवे ट्रैक पर बैठ गए और ट्रेनों को रोका। प्रदर्शन को देखते हुए रांची के 4 रेलवे स्टेशन पर धारा 144 लगाई है। आंदोलन के दौरान पैसेंजर्स और एग्जाम देने वाले छात्र परेशान रहे। दरअसल कुड़मी समाज झारखंड-बंगाल और ओडिशा में 100 स्टेशनों पर ट्रेन रोकने की योजना है। इनमें झारखंड के 40 रेलवे स्टेशन हैं। झारखंड में राजधानी रांची से सटे मुरी, टाटीसिल्वे, मेसरा जैसे स्टेशन पर भी प्रदर्शनकारी ट्रैक पर उतरे। आंदोलन को देखते हुए मुरी स्टेशन पर 500 आरपीएफ जवानों की तैनाती की गई थी। इस आंदोलन को आजसू सहित कई पार्टियों ने समर्थन किया है। आंदोलन की वजह से पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे की कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। कुछ ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है यानी दूसरे रूट से चलाया जा रहा है। कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है। पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ-साथ पूर्व मध्य रेलवे की ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं। 22 ट्रेनों को रद्द किया गया है। 13 ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है और 17 ट्रेनों का आंशिक समापन और आंशिक प्रारंभ किया गया है। 17 ट्रेनें अन्य स्टेशनों से चलाई जा रही हैं।

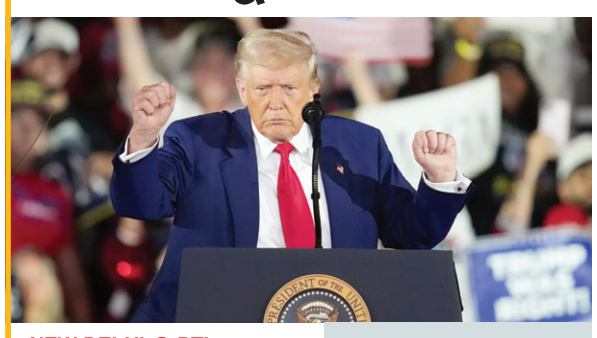

सुबह से ही कई जिलों में रेलवे ट्रैक पर उतर आए कुड़मी समाज के लोग

- गिरिडीह, चक्रधरपुर, जामताड़ा और बोकारो में प्रदर्शनकारी रेलवे ट्रैक पर बैठ गए
- रांची से सटे मुरी, टाटीसिल्वे और मेसरा स्टेशन पर भी ट्रैक पर उतरे प्रदर्शनकारी
- पूरी तरह ठप कर दिया रेल परिचालन, जमकर किया प्रदर्शन
- पैसेंजर्स और परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों ने झेली भारी परेशानी
- झारखंड, बंगाल और ओडिशा में 100 स्टेशनों पर ट्रेन रोकने की थी योजना
- मुरी स्टेशन पर 500 आरपीएफ जवानों की तैनाती

69 ट्रेनें की गई कैंसिल डायवर्ट व शॉर्ट टर्मिनेट

बैरिकेडिंग तोड़कर पटरी पर बैठे प्रदर्शनकारी

रामगढ़ जिले के बरकाकाना स्टेशन पर शनिवार सुबह 8 बजे से आंदोलनकारियों का जत्था प्लेटफॉर्म नंबर दो पर धरने पर बैठ गया। इस दौरान कुर्मी समुदाय के लोग बैरिकेडिंग तोड़कर स्टेशन परिसर में दाखिल हो गए और अपनी मांगों के समर्थन में पटरी पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। इस कदम से स्टेशन पर यात्री परेशान नजर आए और रेल संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

पूर्व रेलवे की 22 व दक्षिण पूर्व रेलवे की 47 ट्रेनें हुईं प्रभावित

पूर्व रेलवे ने बताया है कि उसने 5 ट्रेनों को रद्द किया है, 7 ट्रेनों के मार्ग बदले हैं और 10 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट या शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है। शॉर्ट टर्मिनेशन का मतलब है, ट्रेन को गंतव्य से पहले रोक देना और शॉर्ट ओरिजिनेट का मतलब है, जहां से ट्रेन को खुलना था, वहां की बजाय किसी और स्टेशन से ट्रेन खुलेगी। दक्षिण पूर्व रेलवे में भी 47 ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। आदिवासी कुड़मी समाज के लोग खड़गपुर डिविजन के भानीपुर में सुबह 5:02 बजे से 5:35 बजे तक रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन किया। चक्रधरपुर डिविजन के सीनी-गम्हरिया रेल सेक्शन, खड़गपुर डिविजन के राखामाइंस-गालूडीह सेक्शन पर ट्रेन को रोक दिया गया।

आदिवासी होने के ऐतिहासिक प्रमाण का कर रहे दावा

कुर्मी समाज के नेता शीतल ओहदार ने कहा कि आजादी से पहले तक कुड़मी जाति एसटी सूची में शामिल थी। लेकिन, 1951 के जनगणना में एक साजिश के तहत इसे एसटी सूची से बाहर कर दिया गया। हमलोग आदिवासी थे, इसके ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र का अभाव नहीं है। आदिवासी नेताओं ने 1872 से 2024 तक के दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि कुर्मी समाज परंपरागत खेती-किसानी करता है। कुड़मी समाज का दावा है कि इस क्षेत्र में फैक्ट्रियां और खदानें खुलने के बावजूद समुदाय को उनके हक का लाभ नहीं मिला।

अज्ञात नंबर व टेलीग्राम के माध्यम से आए धमकी भरे कॉल

पीएलएफआई के नाम पर रांची के कारोबारी से रंगदारी की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के नाम पर रांची के बरियातू के एक व्यवसायी मोहसिन खान से रंगदारी मांगी गई। जानकारी के अनुसार, मोहसिन खान को एक अज्ञात नंबर 9308951151 और टेलीग्राम के माध्यम से धमकी भरे कॉल आए। कॉल करने वाले ने खुद को पीएलएफआई का सदस्य बताया और उससे बड़ी रकम की मांग की। धमकी देने वाले ने रंगदारी नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। वह पहली बार नहीं था, जब उसे इस तरह के कॉल आए थे। पिछले कुछ समय से उन्हें इस तरह के कॉल आ रहे हैं। लेकिन इस बार पीएलएफआई के नाम पर उनसे रंगदारी मांगी गई। इस घटना के बाद मोहसिन खान ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और कॉल करने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

बेखौफ निर्णय चीन की आपत्तियां खारिज, फिलीपींस को तीसरी खेप देने का रास्ता साफ

अब तेजी से आगे बढ़ रही ब्रह्मोस मिसाइलों के निर्यात की गति

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : आज दुनिया में भारत रक्षा के क्षेत्र में सिर्फ आयात ही नहीं करता, बल्कि एक निर्यातक के रूप में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। फिलीपींस के साथ हुए रक्षा सौदे के अनुसार, भारत ने अपनी ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की तीसरी खेप भेजने का बेखौफ निर्णय लिया है। यह महत्वपूर्ण है कि चीन की आपत्तियों के बावजूद भारत ने इस सौदे का निर्णय किया है। बता दें कि दक्षिण चीन सागर में चीन की पीएलए-नेवी की बढ़ती चौधराहट के बीच भारत उसके मुखर प्रतिद्वंद्वी फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की तीसरी खेप देने जा रहा है। फिलीपींस को ब्रह्मोस दिए जाने पर चीन आपत्ति जता चुका है, लेकिन भारत ने इसे दरकिनार कर दिया है। फिलीपींस ने ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए भारत से करीब 3310 करोड़ रुपये का सौदा किया था। पिछले साल ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप और इस साल अप्रैल में दूसरी खेप फिलीपींस को दी गई थी, जिसे उसने नौसेना में शामिल भी कर लिया है। अब तीसरी और आखिरी खेप इस साल के अंत तक भेजे दी जाएगी। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रह्मोस एक भारत-रूस संयुक्त उद्यम द्वारा विकसित, लंबी दूरी की, सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की पीएलए-नेवी की बढ़ती चौधराहट की नहीं की परवाह

पाक के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया में बढ़ी इन मिसाइलों की डिमांड

- चीन फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतरी हिस्सों तक करता है अपना दावा
- अब 290 किलोमीटर रेंज के साथ अपने क्षेत्र की रक्षा में सक्षम हो जाएगा फिलीपींस
- फिलीपींस ने इन मिसाइलों के लिए भारत से करीब 3310 करोड़ रुपये का किया है सौदा

सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इस साल के अंत तक फिलीपींस को फिर मिलेंगी मिसाइलें

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अत्यंत अहम

यह महत्वपूर्ण बात है कि करीब 35 लाख वर्ग किमी वाला दक्षिण चीन सागर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अहम है। यहां प्राकृतिक गैस व तेल का विशाल भंडार भी है। चीन सैकड़ों किमी दूर स्थित कई द्वीपों और रेतीले टीलों पर दावा करता है। जबकि वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और ताइवान भी अपने दावे रखते हैं।

वियतनाम-इंडोनेशिया भी खरीदने को तैयार

चीन फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतरी हिस्सों तक अपना दावा करता है। ऐसे में 290 किलोमीटर रेंज के साथ ब्रह्मोस मिसाइल फिलीपींस को अपने क्षेत्र की रक्षा में सक्षम बनाएगी। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में चीन मामलों के विशेषज्ञ अतुल कुमार ने बताया, ब्रह्मोस मिसाइल चीन के नौसैनिक ठिकानों, जहाजों व तटरक्षक पोतों के लिए विशेष तौर पर खतरा हैं। चीनी विमानवाहक युद्धपोतों को ब्रह्मोस काफी नुकसान पहुंचा सकती है। ये मिसाइलें स्कारबोरो शोल, द्वितीय थॉमस शोल और ताइवान जलडमरूमध्य से सटेली द्वीप समूह तक फैले क्षेत्र को कवर कर सकती हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता के बाद ब्रह्मोस मिसाइलों की डिमांड में तेजी आई है। भारत कई देशों के साथ इस मिसाइल का सौदा कर सकता है। चीन के एक और प्रतिद्वंद्वी वियतनाम के साथ भी ब्रह्मोस का करीब 6 हजार करोड़ रुपये का सौदा जल्द ही अंतिम रूप ले सकता है।

दुबई में बैठकर व्यापारियों से मांग रहा था करोड़ों रुपये की रंगदारी

प्रिंस खान गिरोह पर एक्शन, 40 लाख का सोना जब्त, कोलकाता से 3 धराए

PHOTON NEWS RANCHI : पुलिस ने गैंगस्टर प्रिंस खान गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रिंस खान के 40 लाख रुपये के करीब 400 ग्राम सोना जब्त किया है। साथ ही गिरोह से जुड़े मो. मुर्शीद, नेयाज अली और रोजी परवीन को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। प्रिंस खान दुबई में बैठकर रांची सहित कई अन्य जिलों के व्यापारियों से करोड़ों रुपये की रंगदारी मांग रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और इस गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि हैदर अली उर्फ प्रिंस खान दुबई से फोन कर व्यापारियों को धमका रहा था और उनसे करोड़ों रुपये की मांग कर रहा था। इस संबंध में लालपुर थाना में रंगदारी का मामला दर्ज किया गया था।

लालपुर थाना में दर्ज किया गया था रंगदारी का मामला

रंगदारी के पैसे से खरीदा गया था 400 ग्राम सोना

जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि प्रिंस खान ने रंगदारी के पैसे से 400 ग्राम सोना खरीदा था। इस सोने को रोजी परवीन ने मुकुट पहनने के बहाने में गिरवी रखकर दो लाख का लोन लिया था। बाद में, रोजी परवीन ने हवाला के जरिए यह पूरा पैसा दुबई में प्रिंस खान को भेज दिया। पुलिस को यह भी पता चला कि दुबई में प्रिंस खान ने इसी पैसे से लॉन्ड्री का व्यवसाय शुरू किया है, जिसकी देखरेख रोजी परवीन का पति मोहम्मद सोहराब कर रहा है।

कविता

दिव्येंदु त्रिपाठी
जमशेदपुर

ना दिखी, वो ना दिखी, फिर ना दिखी

वो पहाड़ी शांत और सपाट थी
पर रही थी मगन अपने मौन में,
रुचि नहीं थी परतदार बने कभी
शिष्ट ही रहना उसे मंजूर था।

सूरजी किरणें हमेशा खेलतीं
सतह पर उसकी हवाएं गा रहीं,
मौन का संगीत वातावरण था
धूप सोने सी सहज मुसका
रही।

सतह पर उसकी समंदर सी
लहर
ज्वार भाटे दृश्यहीन, रिकॉर्ड थे,
धूप तपती थी कभी थी ऊष्मदा
सरसराती साँझ की झेलम
नदी।

उस पहाड़ी पर अजब सी शांति
थी
ग्राम कन्याओं के किंचित
आगमन,
पर कमी कुछ गंध और गुलाब
की
वह स्वयं ही एक वनिता
अप्रतिम।

उस पहाड़ी पर गुफाएं थीं नहीं
मूषकों के खोह भी कुछ अल्प
थे,
नव्य युगलों की नहीं
अठखेलियां
पर प्रणय के शब्द दृश्य कहीं
कहीं।

कोई मुरली था बजा सकता
वहां
बच्चे बोरे डालकर थे फिसलते,
बारिशों में छिप सकें आश्रय
नहीं
मगर भैंसें बैठकर पगुरा सकीं।

हवाओं से बांटकर मन की
व्यथा
त्यक्त दुखिया बात कर सकती
वहां,
आंसुओं को पवन पी लेता सहज
सांत्वना देकर उसे कुछ
थपथपा।

उस पहाड़ी के किनारे खेत थे
वो करोड़ों साल की जो मिट्टियाँ,
क्षय अपरदन के दुखों को
झेलकर
हरितपुर की बन गईं थीं
मातृका।

कुछ कभी बैठे लड़ाते गप्प थे
कभी बौद्धिकता प्रसू वे
डिस्कशन,
मगर वह तो बेखबर स्वानंद में
संभवन के भाव की साक्षी बनी।

बन सके टिकटॉक, युग वो था
नहीं
फेसबुक वाट्सएप तो निष्कल्प
थे,
तब नहीं संभव कि सेल्फी ले
सकें
लौटकर कॉलेज से जो
लड़कियां।

अग्नियुग में जन्म उसका था
हुआ
सहज साक्षी वो जुरासिक कल्प
की,
उसने देखा था जगत का
उद्भवन
मानवों का विकसना मदहोश
हो।

कभी उसके शिखर थे, उत्तुंग
भी
जहां माधव ने थी छेड़ी रागिनी,

वहां यतियों का बसेरा था कभी
पत्थरों से शस्त्र निर्मित उस
जगह।

रात को वो प्रेक्षती नक्षत्र पथ
कभी स्वाती, कभी चित्रा, पुष्य
को,
मृगशिरा के तीन तारे प्रिय उसे
ग्रह गणित में वो प्रवीणा,
साक्षिणी।

उसके परितः वनस्पतियां विपुल
थीं
कर्षकों से स्वेद पा जो पल
बढ़ीं,
उसके ऊपर चिड़चिड़ा,
भटकटैया,
पुनर्नव सी औषधि बिखरी पड़ी।

बारिशों में काइयों से ढंक सजी
यथा सावन की मनाती तीज वो,
कभी सरिसृप थे छिपे उसमें
मिले
मगर वह तो अमृता जीवन
जड़ी।

वो मगन सुन रोपनी के गीत
स्वर
यथा निज परिणय का संदेशा
सुनी,
वो पुरनियां अबुर्दों वर्षों की थी
पर अभी युवती यथा देवी उषा।

लहलहाते फसल गाते गीत थे
भासती दुल्हन सरीखी वो तभी,
और कटनी हो चुकी होती जभी
योगिनी सी बन लगाती ध्यान
थी।

उसके पगतल खाइयाँ विज्ञान
की
करतबी तकनीकियां बेतार सी,
जहां टूटे हरितपुर के पांव थे
रोबर्टों का वास था भीतर वहीं।

खाइयों से निकलकर रोबोटगण
किया करते थे सभाएं शोक
की,
हरितपुर के पतन पर आंसू बहा
शांति अनुसंधान करते थे वहीं।

यार उनके बन गए कुछ ऐलियन
खाइयों में उतर रहते थे कभी,
मित्रता दोनों दलों की प्रबल थी
उत्थान के आह्लाद में नीचाइयां।

दशक क्या? बहुदशकगत मैं था
गया
ना वहां कोई पहाड़ी रह गई,
भूगोल उस अक्षांश से था
लापता
छा गईं तकनीकियां तरकीबियां।

सूरजी किरणें नहीं अब गुनगुनी
ना हवाओं में कोई संगीत अब,
ना समंदर सी लहर के भाव
अब
ना हरितपुर का कहीं कुछ चिह्न
ही।

अब वहां थी रोबर्टो की बस्तियां
एलियन जिनके सदा मेहमान थे,
पूर्व जो करते सभाएं शोक की
शांति अनुसंधान उनका पूर्ण
अब।

वो पहाड़ी शून्य में थी जा छिपी
नजर किस तकनीक की थी
लग गई,
क्रशर कृत उत्थान के आगोश
में...
ना दिखी, वो ना दिखी, फिर ना
दिखी।

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

देव मिलन की खोज में मेरी हिमाचल यात्रा

घुमक्कड़ की पाती

कहा जाता है कि सर्दियाँ आते ही ऊँचे बर्फीले धामों से देवता अपने शीतकालीन प्रवास पर निकलते हैं। वे गाँव-गाँव जाकर अपने भक्तों से मिलते, उनकी व्यथा और सुख-दुख सुनते हैं। यह विचार ही मेरे लिए अद्भुत था, देवता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि अपने लोगों के बीच, उनके घरों तक आते हैं।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

कुछ यात्राएँ मन में ऐसे जन्म लेती हैं, जैसे कोई बीज बरसों से भीतर छुपा हो और अचानक किसी ऋतु की नमी पाकर अंकुरित हो जाए। मेरी हिमाचल यात्रा भी ऐसी ही एक आकांक्षा का परिणाम थी। बहुत पहले मैंने पढ़ा था कि हिमाचल प्रदेश को देवभूमि इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की हर घाटी, हर गाँव और हर पहाड़ किसी न किसी लोकदेवता का घर है। लेकिन इस सबके बीच एक परंपरा थी, जिसने मुझे भीतर तक खींचा, देव मिलन परंपरा। यह परंपरा सुनने में सरल लगती है, पर असल में उतनी ही रहस्यमय है। कहा जाता है कि सर्दियाँ आते ही ऊँचे बर्फीले धामों से देवता अपने शीतकालीन प्रवास पर निकलते हैं। वे गाँव-गाँव जाकर अपने भक्तों से मिलते, उनकी व्यथा और सुख-दुख सुनते हैं। यह विचार ही मेरे लिए अद्भुत था, देवता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि अपने लोगों के बीच, उनके घरों तक आते हैं। शायद इसी आकर्षण ने मुझे कुल्लू घाटी की ओर खींच लिया। जब मेरी बस, घाटी में उतरी तो बर्फ़ से ढके देवदार-पाइन, नमी से भरी ठंडी हवा और दूर बहती ब्यास की गूंज ने स्वागत किया। पर मेरे मन की धड़कनें किसी और कारण से तेज थीं। मैं उस देव मिलन का साक्षी बनने आया था, जिसके बारे में अब तक केवल सुना था।

कुल्लू के पास के एक गाँव में उस दिन देव मिलन का आयोजन था। सुबह-सुबह वहाँ पहुँचा, तो लगा जैसे पूरा गाँव किसी पर्व में डूबा है। औरतें रंगीन पट्टुओं में सजी थीं, पुरुष सफेद धोती और ऊनी टोपी पहने थे और बच्चे उत्साह से इधर-उधर दौड़ रहे थे। ढोल-नगाड़ों और रणसिंघे की आवाजें वातावरण को भर रही थीं। मैंने एक बुजुर्ग से पूछा, 'क्या सचमुच देवता पालकी में आते हैं'? वे मुस्कराए और बोले, 'हाँ बेटा, आज तुम देखोगे, कैसे देवता अपने भक्तों के बीच उतरते हैं'। कुछ ही देर में पालकी दिखाई दी। सुनहरी और लाल कपड़ों से सजी, फूलों से लदी हुई पालकी, जिसमें गाँव का लोकदेवता विराजमान था। भक्त पालकी के आगे-पीछे नाचते-गाते चल रहे थे। औरतें अपने आँगन से आरती उतार रही थीं, बच्चे फूल बरसा रहे थे। वह दृश्य ऐसा था, जैसे पूरा गाँव एक साँस में, एक लय में बंध गया हो। किसी ने मुझे बताया कि कुल्लू घाटी के जमलू देवता जब पहली बार शीतकालीन यात्रा पर निकले थे तो वे बिना पादुका के चल पड़े। भक्तों ने पत्तों से उनके लिए चप्पलें बनाई थीं। तभी से आज भी उनकी पालकी बिना पादुका के चलती है और मार्ग में लोग फूल, घी और चावल बिछाते हैं। यह कथा सुनकर मेरे भीतर श्रद्धा का एक अजीब-सा भाव उमड़ आया। मुझे लगा यह केवल पूजा नहीं है, यह मनुष्य और देवता के बीच आत्मीयता का रिश्ता है। दिन ढलते-ढलते देवता की यात्रा गाँव-गाँव घूमती रही। हर जगह उनका स्वागत नाटी नृत्य, पूजा-अर्चना और ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ। नाटी नृत्य ने मुझे सबसे अधिक आकर्षित किया। लोग गोल घेरे में बंधकर धीरे-धीरे कदम रखते, हाथों से ताल मिलाते और गाते। उस नृत्य में आनंद भी था और गहरी श्रद्धा भी, मानो हर कदम देवता को अर्पित हो। शाम को पालकी, गाँव के चौक में ठहराई गई। अब भीड़ और घनी हो गई थी। तभी गाँव के गुर यानी देवता के मुख से संवाद बोलने वाले ने लोगों से बातचीत शुरू की। लोग अपनी समस्याएँ और प्रश्न रखते और गुर देवता के संकेतों को शब्दों में बदलते। यह देखना मेरे लिए चमत्कार जैसा था, जहाँ आधुनिक युग तर्क और विज्ञान पर खड़ा है, वहाँ एक पूरा समाज देवता के संकेतों के आधार पर निर्णय ले रहा था।

मैंने देखा, कोई अपनी खेती को लेकर पूछ रहा था, कोई आने वाले मौसम के बारे में, तो कोई पारिवारिक विवादों का हल चाहता था। गुर ने देवता की ओर से कहीं अच्छी वर्षा का आशीर्वाद दिया, तो कहीं आपसी मतभेद सुलझाने की सलाह। मुझे समझ आया कि देव मिलन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह समाज को जोड़ने और मार्ग दिखाने का माध्यम भी है। कुल्लू घाटी में ठहरने के लिए होमस्टे सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। यहाँ गाँव-गाँव में स्थानीय लोग अपने घरों के हिस्से यात्रियों के लिए खोलते हैं। ये होमस्टे न सिर्फ़ आरामदायक कमरे और साफ-सुथरा वातावरण देते हैं, बल्कि पहाड़ी जीवन और संस्कृति को नजदीक से देखने का अवसर भी प्रदान करते हैं। लकड़ी और पत्थर से बने पारंपरिक घर, बालकनी से दिखती ब्यास नदी और देवदारों से घिरी घाटियाँ यात्री के अनुभव को और भी जीवंत बना देती हैं।

राजमा-चावल और लिंगड़ी की सब्जी

खाने-पीने की सुविधा भी होमस्टे का बड़ा आकर्षण है। ज्यादातर होमस्टे में परिवार स्वयं ताजा और घर का बना हुआ भोजन परोसते हैं। राजमा-चावल, सिड्डू, लिंगड़ी की सब्जी और दही से बनी खास कढ़ी जैसे स्थानीय व्यंजन यहाँ की पहचान हैं। कई होमस्टे में सुबह नाश्ते में आलू पराठे, मक्खन, चाय या ताजा फलों का स्वाद मिलता है। खाने में जैविक सब्ज़ियों और स्थानीय मसालों की सुगंध अलग ही स्वाद देती है। यात्रियों के लिए यह अनुभव होटल की औपचारिकता से अलग होता है। होमस्टे वाले मेहमानों को परिवार का हिस्सा मानकर रखते हैं। यात्रा की जानकारी साझा करते हैं, स्थानीय त्योहार या देव मिलन जैसे आयोजनों में शामिल होने का अवसर देते हैं। कुल मिलाकर, कुल्लू में होमस्टे न केवल आराम और स्वादिष्ट भोजन का भरोसा देते हैं, बल्कि घाटी की आत्मा से जुड़ने का माध्यम भी बनते हैं। रात को जब अपने कमरे लौटा तो बाहर नगाड़ों की धीमी गूँज अब भी हवा में तैर रही थी। खिड़की से झाँककर देखा, देवदार के वृक्ष चाँदनी में खड़े थे और घाटी से बहती नदी मानो देवता की यात्रा का गीत गा रही थी।

मेरे भीतर प्रश्न उठ रहा था, क्या सचमुच देवता हमारे बीच आते हैं? या यह हमारी आस्था है जो उन्हें जीवित रखती है? शायद सच इन दोनों के बीच कहीं है। देव मिलन ने मुझे यह सिखाया कि देवता केवल मंदिर की मूर्तियाँ नहीं हैं, वे हमारी संस्कृति, हमारी एकजुटता और हमारे विश्वास के रूप हैं। जब पूरा गाँव मिलकर उनका स्वागत करता है, नाचता-गाता है और उनके सामने अपने मतभेद भूल जाता है तभी देवता जीवित हो उठते हैं। मेरे लिए यह यात्रा केवल किसी स्थान को देखने की यात्रा नहीं रही, यह अपने भीतर झाँकने की यात्रा थी। मैंने जाना कि आस्था केवल पूजा का विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका भी है। हिमाचल की घाटियों में देवताओं का यह मिलन मनुष्य और प्रकृति, देवता और समाज के रिश्ते का जीवंत प्रतीक है। आज भी जब उस यात्रा को याद करता हूँ, आँखों में वही दृश्य तैर उठता है। फूलों से सजी पालकी, ढोल की थाप पर झूमते लोग और हवा में गूँजता एक ही भाव, भक्ति और एकता का। शायद यही हिमाचल की असली आत्मा है और यही मेरी यात्रा की सबसे बड़ी प्राप्ति।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'जेन-जी'

दिलीप कुमार

'दुनिया हिला दूंगा, सब कुछ जला दूंगा' टाइप का एटीट्यूड रखने वाले जेन-जी का एक तबका नेपाल में सरकार पलट देने से बहुत उत्साहित है। उसी टाइप के एक जेन-जी के पास एक हिंदी के अखबार का रिपोर्टर पहुंचा। रिपोर्टर हेडफोन लगाए हुए कोरियन पॉप पर झूमते हुए जेन-जी को देखकर बुदबुदाया-

'जलते घर को देखने वालों,
फूस का छप्पर आपका है,
आपके पीछे तेज हवा है
आगे मुकद्दर आपका है'।

एक उस्ताद शायर ने जब ये शेर कहा था, तब इस दुनिया में जेन-जी जेनेरेशन तो थी, पर उनको लोग युवा या नौजवान कहा करते थे। रिपोर्टर ने हाथ हिलाया तो जेन-जी ने हेडफोन कान से निकाल लिया।

रिपोर्टर ने जेन-जी से पूछा : 'आपका खाना पीना कैसे चलता है?'

जेन-जी : 'खाना, घर पर रहता हूँ तो जोमैटो या स्विगी से आता है। पर, मोस्टली मैं आउटिंग पर ही होता हूँ तो वहीं कुछ नूडल्स वगैरह खा लेता हूँ। रहा सवाल पीने का, तो जब घर पे होता हूँ तो रात को कोल्डड्रिंक ले लेता हूँ। अगर कहीं बाहर कोई इवेंट है और सिर्फ ब्वॉयज हैं तो चिल्ड बियर लेते हैं। और अगर गर्ल्स भी हमारी सर्किल में हैं तो वाइन शेयर कर लेते हैं। बट जब कोई बिग एंड स्पेशल ओकेजन होता है तो व्हिस्की, रम कुछ भी चलता है, ये तो बजट के ऊपर है।'

रिपोर्टर : 'मेरा मतलब यह नहीं है था कि आप क्या खाते पीते हैं? बल्कि मेरा मतलब यह था कि आप के खाने-पीने का खर्चा कहाँ से आता है?'

जेन-जी : 'मेरे पास डेबिट कार्ड/ क्रेडिट कार्ड है ना। ई-वॉलेट भी है, उसमें पैसा रखता हूँ। मेरे पास दो फोन हैं। एक में फोन-पे चलाता हूँ दूसरे में गूगल-पे।'

रिपोर्टर : 'मेरा मतलब है कि इन वॉलेट्स और एकाउंट्स में पैसा कहाँ से आता है?'

जेन-जी : 'डैडी देते हैं तो आता है। क्यों आपके डैडी नहीं हैं क्या, वो आपको स्पॉन्सर नहीं करते क्या?'

रिपोर्टर : 'नहीं भाई, हमें कोई स्पॉन्सर नहीं करता। हमें बस पढ़ाया- लिखाया गया। हमने पढ़-लिख कर पहले खूब बेरोजगारी झेली। फिर बड़ी मुश्किल से यह एक छोटी से नौकरी मिली। अब इसी में महीना भर घिसते हैं तब जाकर सैलरी मिलती है, जिससे बड़ी मुश्किल से गुजारा होता है।'

जेन-जी : 'कम आन मैन। थोड़ा हिम्मत करो। तुम अपना स्टार्टअप क्यों नहीं कर लेते।'

रिपोर्टर : 'हमें कौन फंडिंग करेगा। जितनी सैलरी है उस पर तो बैंक घर बनाने के लिये होम लोन या घरेलू खर्चों के लिए पर्सनल लोन तो देता ही नहीं है। अलबत्ता कार लोन जरूर देता है, जिसकी मुझे जरूरत नहीं है। अब आप ही बताओ कि मैं स्टार्टअप कैसे शुरू कर सकता हूँ। वैसे आपको अपने से बड़ों को आप कहना चाहिये, तुम नहीं।'

जेन-जी हंसते हुए : 'यही आप और तुम के एटीट्यूड में तो आप लोगों की जेनेरेशन फंस कर रह गई। क्या तुम-क्या आप मैन? वी आल आर इक्वल। वेल,आपकी खुशी के लिए मैं तुमको आप बोल देता हूँ। आप यह बताओ कि आपको स्पॉन्सर नहीं मिलता तो आप क्राउड फंडिंग क्यों नहीं करवा लेते?'

रिपोर्टर : 'यानी एक-एक आदमी से जाकर पैसे मांगू कि मुझे अपना जीवन चलाने के लिये स्टार्टअप करना है और उसके लिए आप जितना चंदा दे सकते हैं उतना दे दें।'

जेन-जी : 'यही तो आप ओल्ड थॉट पीपुल की प्रॉब्लम है। इसे भीख या चंदा क्यों समझते हो। किसी से डायरेक्ट थोड़ी ना मांग रहे हो। बस एक वीडियो बनाकर नीचे अपना क्यूआर कोड या मोबाइल नंबर डाल दो। इस वीडियो को इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब पर डाल दो। फिर देखो कितनी टॉप की क्राउड फंडिंग हो जाती है। और हाँ, ये पैसे वापस भी नहीं करने हैं किसी को। देखा ना आइडिया। एन आइडिया कैन चेंज योर दुनिया।'

रिपोर्टर : 'अच्छा चलिए, मेरी छोड़िए। आप कुछ अपनी बताइए। आपके जिगरी दोस्त कौन-कौन से हैं? क्या आप उनसे रोज मिलते हैं और कहाँ आप लोगों का उठना-बैठना होता है?'

जेन-जी : 'व्हाट जिगरी दोस्त मैन। कोई इवेंट होता है तो मिल लेते हैं, ऑनलाइन-इंस्टाग्राम पर। नहीं तो सब अपने ऑनलाइन गेम्स, बिटकॉइन, माइनिंग, ब्रांडिंग जैसी एक्टिविटीज में एंगेंज रहते हैं। सबको बिलेनियर बनना है आप लोगों की तरह यूजलेस सोशल इशुज में उलझकर अपनी लाइफ वेस्ट नहीं करनी है हम जेन-जी लोगों को।'

रिपोर्टर : 'अच्छा आज आपके इलाके में कर्फ्यू लगने वाला है शायद, शाम को। सुबह जब आप निकले तो कुछ प्रशासन का एनाउंसमेंट सुना था आपने'?

जेन-जी : 'व्हाट इज कर्फ्यू मैन। ये क्या होता है। कोई रॉकस्टार या सेलेब्रिटी आता है तब ये लगाया जाता है क्या, क्राउड कंट्रोल के लिए होता है क्या? बट जिसके पास रॉक इवेंट का पास या टिकट होगा उसे तो कोई प्रॉब्लम नहीं होती होगी। यू टेल मी मैन कर्फ्यू में क्या क्या होता है? मुझे सच में नहीं पता क्योंकि सुबह जब मैं घर से निकला था तो मैंने कान पे हेडफोन लगा रखा था। कर्फ्यू भी रॉक शोज की तरह एडवेंचरस एंड एंटरटेनिंग होता है क्या?'

रिपोर्टर : 'अच्छा ये बताइए कि आप लोग हर बनी हुई चीज को तहस -नहस क्यों कर देना चाहते हैं? आपके डेमोक्रेसी में यकीन नहीं है क्या? पहले श्रीलंका में फिर बांग्लादेश में और उसके बाद आप जेन-जी लोगों ने डेमोक्रेटिक तरीके से चुनी हुई सरकार गिरा दी। आखिर आप लोग इस डेमोक्रेटिक व्यवस्था से सन्तुष्ट नहीं हैं क्या। प्रॉब्लम क्या है आप लोगों को?'

जेन-जी ने कुछ देर सोचा-विचारा और फिर कहा : 'लुक मैन, आप जिन कंट्रीज की बात कर रहे हैं। उन कंट्रीज में परफेक्ट डेमोक्रेसी नहीं थी। डेमोक्रेसी देखना हो तो हमारी ऑनलाइन बीटीएस फैमिली में देखो। ऑनलाइन जेन-जी फैमिली जो कोरियन और पॉप सांग्स की दीवानी है उसका एक पीएम किम नमजून जैसा होना चाहिए। दूसरी बात जिन कंट्रीज में डेमोक्रेटिक गवर्नमेंट का डीबेकल हुआ, वहाँ पर आप लोगों ने जो वोटिंग कराई थी, वो ऑनलाइन नहीं थी। हमारी तरह इंस्टाग्राम पर ऑनलाइन वोटिंग कराओ तो हम मानेंगे कि आपकी वोटिंग सही थी। सबको ऑनलाइन इंस्टास्क्रीन पर दिखना चाहिए कि किसको कितना वोट मिला। जिस यूट्यूबर या इंस्टाग्राम वाले को जितना ज्यादा वोट मिले, उसे ही उस कंट्री के इलेक्शंस में पीएम या प्रेसीडेंट बना दो, फिर वो चाहे कोरिया में रहता हो या सिंगापुर में। वहीं से आनलाइन सरकार चलाएगा।सो सिंपल। व्हाई ए कंट्री ओनली। होल वर्ड इज आवर फैमिली। दैट्स वी जेन जी आल एबाउट।'

रिपोर्टर : 'अच्छा ये बताइए नेपाल में आप लोगों ने हिल्टन होटल जला दिया। एक होटल से आपके किस अधिकार का नुकसान हो रहा था?'

जेन-जी : 'लुक मैन, एक्जैक्टली तो मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ था? लेकिन अगर कोई जेन-जी किसी होटल के पब, बार या डिस्कोथेक में जाना चाहता है तो उसे रोका नहीं जाना चाहिए। चाहे उसके वॉलेट में उस टाइम पैसा हो या न हो। सरकार अगर गरीब लोगों को फ्री में घर, मेडिकल ट्रीटमेंट और खाना दे सकती है तो क्या जेन-जी के लिए होटलों में पब, बार या डिस्कोथेक को फ्री नहीं कर सकती। उनके बिल्स नहीं भर सकती। इसीलिए जेन-जी लोगों ने वो होटल जलाया होगा।'

रिपोर्टर : 'उसके कत्ल पे मैं भी चुप था मेरा नम्बर अब आया, मेरे कत्ल पे आप भी चुप हैं अगला नम्बर आपका है। जानते हो एक उस्ताद शायर ने यह मानीखेज बात आप जैसे लोगों को आगाह करने के लिए ही लिखी थी। कुछ समझे आप? जेन-जी ने इनकार में सिर हिलाया और हेडफोन में एक कोरियन पॉप म्यूजिक सुनते हुए झूमता-इठलाता हुआ वहां से चला गया।

BRIEF NEWS

झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप 15 नवंबर से रांची को मिली मेजबानी

RANCHI : झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड व इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में दूसरी सिकोकई झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। बिशप स्कूल बहु बाजार में दो दिनों तक चलने वाली इस कराटे प्रतियोगिता में राज्य भर से लगभग 600 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता सब जूनियर कैडेट जूनियर और सीनियर कैटेगरी में होगी। इसमें काता स्पर्धा आयु वर्ग में और कुमिते स्पर्धा वजन वर्ग में होगा। इस प्रतियोगिता का संचालन एशियन कराटे फेडरेशन के जज और रेफरियों के उपस्थिति में कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन के अधिकारिक जज व रेफरियों के द्वारा संचालित किया जाएगा।

सीओ ऑफिस के कर्मी को दी गई विदाई

KANKE : शनिवार को अंचल कार्यालय में पदस्थापित नाजिर नवीन कुमार शाही को विदाई दी गई। वह पिछले 4 वर्षों से अंचल में कार्यरत थे। उन्हें बुके व माला देकर विदाई दी गई। मौके पर प्रखंड उपप्रमुख अंजय बैठा भी थे। उनका पदस्थापन उनके गृह जिला जमशेदपुर स्थित डीसी कार्यालय में हुआ है। विदाई समारोह में बीडीओ विजय कुमार, सीओ अमित भगत, सीआई चितरंजन टुडू, राजस्व उपनीरिक्षक रविंद्र प्रसाद, विजय उरांव, दुर्गेश मुंडा, अभिषेक, सोहेल अख्तर,सोहेल अंसारी, किरण खलखो,जितेंद्र कुमार, रामलाल,माध्वी कुमारी, इफ्तिखार अहमद, सोनू, आसिफ समेत सभी अंचल कर्मी उपस्थित थे।

सीसीएल मुख्यालय में चला तीन दिवसीय स्वास्थ्य अभियान

RANCHI : रांची में सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय के दरभंगा हाऊस डिस्पेंसरी में आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य अभियान का शनिवार को समापन हो गया। इस पहल का उद्देश्य सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सहायता प्रदान करना था। अभियान में गांधीनगर अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लाभार्थियों को व्यक्तिगत परामर्श दिया और उनकी स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन किया। साथ ही सभी लाभार्थियों को निःशुल्क दवाइयां भी दी गईं। इस दौरान हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर और उच्च रक्तचाप (हाईपरटेंशन) स्क्रीनिंग जैसी स्वास्थ्य जांच भी की गईं, जिससे कि कर्मियों की नियमित स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी प्राप्त की जा सके। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य अभियान के पहले दिन 57, दूसरे दिन 61 तथा तीसरे दिन 42 लाभार्थियों ने विशेषज्ञों की चिकित्सीय सलाह ली।

जिला प्रशासन ने जारी किया सख्त निर्देश, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

रांची में बिना लाइसेंस के नहीं कर सकेंगे खाद्य पदार्थों का कारोबार

PHOTON NEWS RANCHI : फेस्टिवल सीजन शुरू हो चुका है। इसे लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। वहीं लोगों की सेहत को लेकर भी जिला प्रशासन गंभीर है। ऐसे में खाद्य पदार्थों का कारोबार करने के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया है। इतना ही नहीं, दुकानों के बाहर लाइसेंस की कॉपी डिसप्ले पर लगानी होगी, ताकि ग्राहकों को ये आसानी से दिख सके। बता दें कि खाने में मिलावट पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने ये कदम उठाया है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने स्पष्ट कहा है कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की खाद्य मिलावट, रसायनों के प्रयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी खाद्य कारोबारियों के लिए एफएसएसएआई से वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन लेना अनिवार्य किया गया है। बिना लाइसेंस संचालन को दंडनीय अपराध माना जाएगा। प्रतिष्ठानों को लाइसेंस की कॉपी साफ तौर पर प्रदर्शित करनी होगी।

» दुकान के बाहर लगानी होगी लाइसेंस की कॉपी

» पर्व-त्योहारों को देखते हुए हर स्तर पर प्रशासन ने कसी कमर

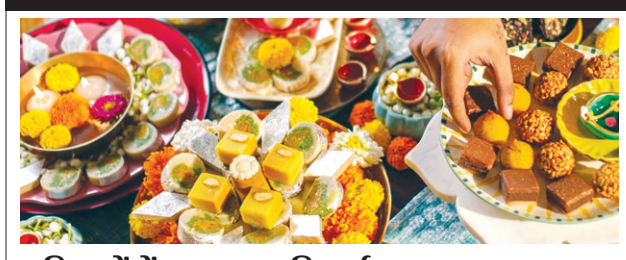

प्रतिष्ठानों में स्वच्छता अनिवार्य

होटल, मिठाई दुकानों, रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड वेंडरों को रसोईघर, बर्तनों और खाद्य सामग्री की साफ-सफाई बनाए रखना जरूरी होगा। गंदगी मिलने पर प्रतिष्ठान को सील किया जा सकता है। उपायुक्त के निर्देश पर सभी खाद्य कारोबारियों को अपने कर्मचारियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा और मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र रखना अनिवार्य होगा।

गिफ्ट पैक पर लिखना होगा डिटेल

मिठाई और ड्राई फ्रूट्स के गिफ्ट पैक पर सामग्री की पूरी जानकारी अंकित करना जरूरी होगा, ताकि ग्राहकों को उसकी खरीदारी के बारे में स्पष्ट जानकारी हो। उन्होंने कहा कि मेले और सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी दुकानें लगाने वाले स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को भी वैध लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। साथ ही खाद्य सामग्री को ढककर रखना होगा। उपायुक्त ने दो टूक कहा कि त्योहारों में बढ़ी हुई मांग को देखते हुए मिलावट करना गंभीर अपराध है और प्रशासन ऐसे किसी भी कृत्य को नजरअंदाज नहीं करेगा। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि यदि उन्हें कहीं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर संदेह हो, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

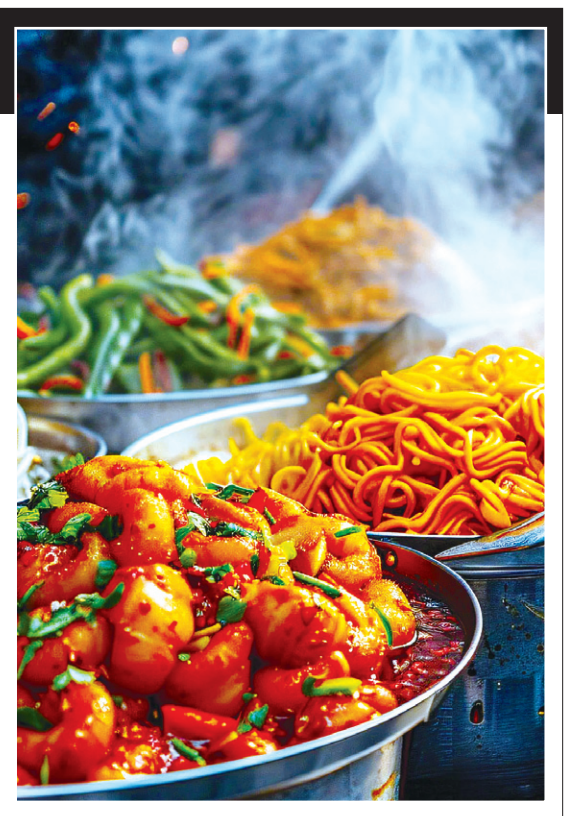

वहीं दूध, मिठाई, घी, तेल, खोवा, पनीर और ड्राई फ्रूट्स जैसे उत्पादों में मिलावट पाए जाने पर नमूने जब्त कर नष्ट किए जाएंगे। साथ ही संबंधित कारोबारी पर मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। औद्योगिक रंग, अखाद्य रंग, डिटर्जेंट, यूरिया जैसे खतरनाक रसायनों का खाद्य उत्पादों में प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। दोषी पाए जाने पर जेल भेजने और आर्थिक दंड दोनों का प्रावधान है।

आदिवासी बनने के नाम पर झारखंड को दो टुकड़ों में बांटने की चल रही साजिश : गीताश्री

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि आदिवासी बनने के नाम पर झारखंड को दो टुकड़ों में बांटने की साजिश रची जा रही है। यही कारण है कि कुछ राजनीतिक दल आज जानबूझकर कुर्मी समुदाय को बढ़ावा देने में लगे हैं। वे शनिवार को मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका में आयोजित विरोध मार्च और सभा को संबोधित कर रही थीं। यह मार्च आदिवासी बचाओ मोर्चा तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से कुड़मी समाज को आदिवासी बनाए जाने की मांग के विरोध में निकाला गया था।

गीताश्री उरांव ने कहा कि किसी भी समाज को आदिवासी श्रेणी में शामिल करने का निर्णय भारत सरकार के गृह मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांत और 18 बिंदु मानदंड पर आधारित होता है। इसके साथ ही टीआरआई (ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट) की रिपोर्ट और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की अनुशंसा अनिवार्य होती है। लेकिन जिस तरह झारखंड में खेल रचा जा रहा वह गलत है। उन्होंने कहा कि कुड़मी समाज इन मानदंडों में कहीं भी फिट नहीं बैठता, इसलिए किसी भी कीमत पर उन्हें आदिवासी सूची में शामिल नहीं किया जा सकता।

मौके पर पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने कहा कि कुड़मी समाज के कुछ नेता आंदोलन के दबाव में प्रधानमंत्री तक को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूरी तरह गैरकानूनी और असंवैधानिक है।

सभा में प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि झारखंड के आदिवासी आज भी पलायन और बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। लेकिन राज्य के आदिवासी मंत्री और विधायक इस दिशा में संपूर्ण क्रांति लाने में नाकाम रहे हैं। वक्ताओं ने जनप्रतिनिधियों से स्पष्ट रुख अपनाने की मांग किया कि वे कुड़मी आंदोलन के साथ हैं या आदिवासी समाज के साथ।

सभा में आंदोलन की आगामी रणनीति भी तय की गई। यह निर्णय लिया गया कि 26 सितंबर को सिरम टोली सरना स्थल में अगली बैठक होगी। साथ ही यह भी तय किया गया कि किसी भी कीमत पर कुड़मी समाज को एसटी सूची में शामिल करने का विरोध जारी रहेगा।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री देव कुमार धान, आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा, आदिवासी भोक्ता समाज के अध्यक्ष दर्शन गझु, बेदिया विकास परिषद के शंकर बेदिया, आदिवासी लोहरा समाज के अभय भूट कुवर, आदिवासी छात्र संघ के सुशील उरांव, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के राहुल उरांव समेत विभिन्न संगठनों के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस के मीडिया पदाधिकारियों को मिली ट्रेनिंग, प्रभारी ने दिया टास्क

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रेस क्लब में मीडिया प्रभारी, प्रवक्ता, सोशल मीडिया संयोजकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू, सांसद सुखदेव भगत, राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने पदाधिकारियों को मार्गदर्शन दिया। के. राजू ने कहा कि मौजूदा समय में जनसंपर्क के लिए संवाद माध्यमों को और सशक्त करने की आवश्यकता है। कांग्रेस पार्टी ने मीडिया और सोशल मीडिया के प्रमुख पदों पर इंटरव्यू के जरिए योग्य लोगों की

नियुक्ति की है और प्रशिक्षण की यह प्रक्रिया सतत जारी रहेगी।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि मीडिया योद्धाओं को कांग्रेस की विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते हुए जनता की अदालत में कांग्रेस का पक्ष मजबूती से रखना होगा। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज और ध्रुवीकरण की राजनीति का डटकर मुकाबला करना है। सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि मीडिया, नकारात्मक विचारधाराओं के प्रतिकार का सशक्त माध्यम है।

एसीबी कार्यालय में की जा रही सबूतों से छेड़छाड़ की साजिश : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एसीबी से जुड़े संवेदनशील मामले में घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एसीबी के कार्यालय में सबूतों को नष्ट करने की साजिश की जा रही है और इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एसीबी के महत्वपूर्ण कमरों में दो-दो ताले लगाने की नौबत आ गई है। इससे पहले, रात के अंधेरे में वहां से फाइलें और कंप्यूटर हार्ड डिस्क

हटाए जाने की खबरें आई हैं। उन्होंने इसे प्रमाणों के नष्ट किए जाने की एक संगठित साजिश बताया। उन्होंने कहा कि चूंकि एसीबी का प्रभार स्वयं मुख्यमंत्री के पास है, इसलिए यह उनका दायित्व बनता है कि मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज करवाएं और जांच शुरू कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस साजिश का उद्देश्य सिर्फ सबूत मिटाना नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री को भी राजनीतिक रूप से घसीटना हो सकता है। बाबूलाल मरांडी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी है कि देर से ही सही, अब मुख्यमंत्री को भी यह समझ में आने लगा है कि उनकी नाक के नीचे किस तरह से लूट और उगाही का गंदा खेल खेला गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले मुख्यमंत्री के खिलाफ फर्जी शिकायतें भेजीं, वही अब इस नए षड्यंत्र के पीछे हो सकते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे सोशल मीडिया पर उनके पुराने संदेशों को देख लें, जिससे उन्हें पूरे षड्यंत्र की परतें समझ में आ जाएंगी।

रांची में आयोजित ईस्ट टेक-2025 के दूसरे दिन झारखंड में रक्षा क्लस्टर व परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने पर बल

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में आयोजित ईस्ट टेक-2025 के दूसरे दिन शनिवार को 'आत्मनिर्भरता से सम्प्रभुता' थीम को आगे बढ़ाते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका को केंद्र में रखा गया। ईस्ट टेक-2025 संगोष्ठी में झारखंड में रक्षा क्लस्टर और परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने पर बल दिया गया है, जिसका उद्देश्य भारतीय सेना के साथ राज्य के उद्योगों के सहयोग को बढ़ाना है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस आयोजन की अध्यक्षता की, जहां सेना के अधिकारियों और उद्यमी व एमएसएमई प्रतिनिधियों ने

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि ● फोटोन न्यूज

पूर्वी कमान के रक्षा क्षेत्र में झारखंड के बढ़ते अवसरों पर चर्चा की। इस अवसर पर मंत्री संजय सेठ ने प्रत्येक स्टॉल का दौरा किया। मुख्यालय पूर्वी कमान (भारतीय सेना), सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और भारतीय उद्योग परिसंघ की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में 'झारखंड के एमएसएमई को दोहरी उपयोगिता नवाचार और रक्षा औद्योगीकरण के उत्प्रेरक के रूप में सशक्त बनाना विषय' पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। सत्र का संचालन एमएसएमई समिति और कार्यकारी परिषद सदस्य, एसआईडीएम के सदस्य अशोक कनोडिया ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में व्यापार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं और नवाचार की जरूरत सबसे अधिक है, जिसकी नींव एमएसएमई की ओर से रखी जाती है। संगोष्ठी के दौरान डीआर (कमांडर) वीके राय (भारतीय नौसेना) ने जहां एमएसएमई के लिए क्रय वरीयता योजनाओं और रक्षा मंत्रालय की पहलों की जानकारी दी, वहीं अतिरिक्त महानिदेशक (तकनीकी अधिग्रहण, सेना) मेजर जनरल तरुण अग्रवाल ने पूंजीगत खरीद में एमएसएमई की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया।

धूमधाम से मना श्री श्याम मंदिर का 171वां श्री श्याम भंडारा

RANCHI : रांची के हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 171वां श्री श्याम भंडारा धूमधाम से आयोजित हुआ। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर आचार्यों द्वारा पूजा-अर्चना से हुई और इसके बाद मंदिर में भोग अर्पित कर महाप्रसाद वितरण किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल ने इस मौके पर यह घोषणा की कि रविवार 21 सितंबर को अश्विन अमावस्या महास्नान अनुष्ठान और शारदीय नवरात्र में मां भगवती की पूजा व दुर्गा पाठ का आयोजन किया जाएगा। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि हर भंडारे की तरह इस बार भी भक्तों को पुरी, आलू-कद्दू की सब्जी, बुंदिया, भुजिया, खीर और चूरमा का प्रसाद वितरित किया गया।

एसटी बनने के लिए आदिवासी परिवार में जन्म लेना जरूरी : जगलाल

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने कहा कि आदिवासी बनने के लिए आदिवासी परिवार में जन्म लेना पड़ता है, न कि किसी आंदोलन के आधार पर आदिवासी बना जा सकता है। आदिवासियों का अपना रूढ़िवादी परंपरा है, जिसमें जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी अनुष्ठान पहान के द्वारा कराए जाते हैं। जबकि कुरमी-कुड़मी समाज जन्म-मृत्यु सहित धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में ब्राह्मण और पंडितों को बुलाकर संस्कार कराते हैं। ऐसे में उन्हें आदिवासी मानना किसी भी रूप में उचित नहीं है। जगलाल पहान शनिवार को आदिवासी बचाओ मोर्चा और विभिन्न संगठनों की ओर से मोरहाबादी मैदान से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाले गए विरोध मार्च के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। मार्च में केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में सैकड़ों

की संख्या में लोग शामिल हुए और आदिवासी एकता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि कई असमानताएं हैं जिससे स्पष्ट पता चलता है कुरमी या कुडमी कभी आदिवासी हो ही नहीं सकते हैं। मौके पर बबलू मुंडा ने कहा कि कुर्मी और कुड़मी समाज केवल झारखंड में आरक्षण और राजनीतिक लाभ लेने के लिए आदिवासी का दर्जा पाना चाहता है। उन्होंने सवाल उठाया कि रेल टेका, डहर छेका जैसे कार्यक्रमों में राज्य और केंद्र सरकार क्यों मौन है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी हाल में कुर्मी-कुड़मी को आदिवासी में शामिल नहीं होने देंगे।

सुधरेगी व्यवस्था नगर प्रशासक सुशांत गौरव ने किया इंस्पेक्शन, वेंडर मार्केट बनाने का निर्देश

रॉक गार्डन में 1.58 एकड़ में वेंडिंग जोन व पार्किंग का होगा निर्माण

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम द्वारा शहर के समग्र विकास और त्योहारों के मद्देनजर विशेष तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शनिवार को प्रशासक सुशांत गौरव के नेतृत्व में निगम की भूमि का निरीक्षण किया गया। वहीं दुर्गा पूजा, स्वच्छता अभियान की समीक्षा के बाद उन्होंने पंडालों का भ्रमण भी किया। इस दौरान उन्होंने राजधानी में एक और वेंडर मार्केट बनाने को लेकर निर्देश दिया। प्रशासक ने एदलहातु और रॉक गार्डन स्थित रांची नगर निगम की जमीनों का निरीक्षण किया। एदलहातु की 4 एकड़ 80 डिसमिल भूमि और रॉक गार्डन की 1 एकड़ 58 डिसमिल भूमि को जनोपयोगी परियोजनाओं के

- एदलहातु की 4 एकड़ 80 डिसमिल को भी किया जाएगा डेवलप
- पूजा समितियों के सदस्यों के साथ मीटिंग कर समस्याओं की ली जानकारी

निरीक्षण करते प्रशासक सुशांत गौरव व अन्य

लिए विकसित करने को कहा। एदलहातु में निगम की जमीन का बाउंड्री वॉल निर्माण, पौधारोपण, अतिक्रमण हटाना और गड्ढों की मरम्मत जैसे निर्देश दिए। रॉक गार्डन में वेंडिंग जोन और पार्किंग की योजना पर काम करने का निर्देश। नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें दुर्गा पूजा से संबंधित कार्यों पर दिशा-निर्देश जारी किए गए। इंजीनियरिंग शाखा को पंडाल मार्गों की स्थिति, जलजमाव से निपटने हेतु क्विक रिस्पांस टीम बनाने का निर्देश दिया गया। बिजली विभाग को पंडालों और विसर्जन स्थलों पर विशेष रोशनी, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया।

पंडालों के निरीक्षण के बाद समितियों से किया संवाद

प्रशासक ने गांधी नगर, कांके रोड स्थित प्रमुख पंडालों का निरीक्षण किया और पूजा समितियों से संवाद किया। इस दौरान स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन का आह्वान किया। समितियों को परिसर में डस्टबिन लगाने, वॉलेंटियर्स को आईडी कार्ड देने और पंडालों में एंट्री व एग्जिट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

कई जगहों पर चला सफाई अभियान

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 2 अक्टूबर तक चल रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत रांची नगर निगम ने शहर भर में कई विशेष सफाई गतिविधियां संचालित की। इस दौरान आईटीआई, बिरसा मुंडा व चांदनी चौक में बस स्टैंड की सफाई कराई गई। इसके अलावा एनएच-33, कांके रोड, मोरहाबादी, कडरु एरिया में भी अभियान चलाया गया। इमाम कोठी गार्डन की सफाई भी कराई गई। वहीं स्कूलों में बच्चों ने सफाई अभियान में भाग लिया और शपथ ली। तालाब और सामुदायिक शौचालयों की भी सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

युवक की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने शव रखकर किया सड़क जाम

PHOTON NEWS RANCHI : सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल उत्तम कुमार (25) की मौत के बाद गुस्साये लोगों ने शनिवार शाम पंडरा थाना के सामने सड़क पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दिया। मौके पर आक्रोशित भीड़ ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध किया और थाने में तोड फोड भी की। उग्र भीड ने थाना परिसर में रखे गये वाहनों के शीशे भी तोड दियो। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए इंसाफ की मांग की। लोगों ने कहा कि 16 सितंबर को उत्तम कुमार संजय गांधी कॉलेज के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे पहले सिटी अस्पताल, फिर राम प्यारी अस्पताल में भर्ती कराया

गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने इस मामले में उदासीनता दिखाई। समय पर उचित इलाज मिलता तो उत्तम बच जाता। सड़क जाम के कारण पंडरा रोड पूरी तरह से जाम हो गया। सड़क पर वाहनों का लंबी कतार लग गयी। खबर लिखे जाने तक पुलिस आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटाने का प्रयास कर रही है।

BRIEF NEWS

पूजा दुकान में लगी भीषण आग, काबू पाने में लगे पांच घंटे

DHANBAD : रंगाटांड़ स्थित शांति टावर में शनिवार को पूजा दुकान में भीषण आग लग गई। आग ऐसी थी कि उसे बुझाने में दमकल की तीन गाड़ियां लगीं। ग्राउंड फ्लोर की दुकान से जब आसपास के लोगों ने धुआं निकलता देखा, तो अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। तब जाकर लोगों ने अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी। पहले एक गाड़ी पहुंची, लेकिन जब देखा कि एक गाड़ी काफी नहीं होगी, तो विभाग को सूचना देकर दमकल की दो अतिरिक्त गाड़ियां मंगाई गईं। इसके बावजूद तीनों गाड़ियों को लगभग पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी, तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुकान मंटू गोस्वामी की है। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। हालांकि आग तेज होने के कारण तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

चाईबासा में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो की मौत, दो हुए घायल

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में शनिवार को अलग-अलग जगहों पर हुई दो दुर्घटनाओं में दो व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पहली घटना तांतनगर थाना क्षेत्र में हुई, जहां एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से चालक की मौत हो गई। दूसरी घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गितिलपी के पास हुई, जहां विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रैक्टर ने बाइक को सामने से धक्का मार दिया। इसमें बाइक सवार फरहान अहमद गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके दोस्त अंकित पुरती बाल-बाल बच गए। फरहान अहमद के परिजनों ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुफस्सिल थाना में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

बारिश के दौरान सड़क पर गिरा पेड़ कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त

JAMSHEDPUR : साकची थाना क्षेत्र स्थित हावड़ा ब्रिज के पास शनिवार को मूसलाधार बारिश के दौरान एक विशाल पेड़ अचानक सड़क पर गिर पड़ा, जिससे कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोग घंटों जाम में फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह से हो रही लगातार बारिश की वजह से पेड़ की जड़ें कमजोर हो गई थीं। अचानक गिरे इस पेड़ की चपेट में आने से कई वाहन चालक बाल-बाल बच गए। पेड़ गिरने से वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ा। सूचना मिलते ही साकची थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात नियंत्रित करने में जुट गई। नगर निगम और दमकल विभाग की टीम भी पहुंची और पेड़ को काटकर सड़क खाली कराया गया।

झारखंड, बिहार, यूपी व राजस्थान में कंपनी के कई ठिकानों पर हुई थी छापेमारी

521 करोड़ के ठगी मामले को ईडी ने किया टेकओवर, करेगी पूछताछ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में चिटफंड के नाम पर ठगी मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। एजेंसी ने 521 करोड़ रुपये की ठगी से जुड़े इस मामले में ईसीआईआर संख्या 9/2025 दर्ज कर ली है। यह मामला मैक्सीजोन टच प्राइवेट लिमिटेड नामक चिटफंड कंपनी से संबंधित है, जिसके निदेशक चंद्रभूषण सिंह उर्फ दीपक सिंह और उसकी पत्नी प्रियंका सिंह पर मुख्य आरोप है। जमशेदपुर के साकची थाने में इनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को ईडी ने टेकओवर कर लिया है। ईडी ने जमशेदपुर के साकची थाने में दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर कर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच तेज कर दी है। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद एजेंसी जेल में बंद दोनों आरोपियों से तीन दिनों तक गहन पूछताछ करेगी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चंद्रभूषण और प्रियंका ने मैक्सीजन कंपनी को जमशेदपुर के पते पर पंजीकृत कराया था। लोगों को कम अवधि में भारी मुनाफे का लालच देकर उन्होंने निवेशकों से कुल 521 करोड़ रुपये की ठगी की। झारखंड के जमशेदपुर में ही इनके खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज हैं, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में भी इसी तरह की शिकायतें मिली हैं।

16 सितंबर को ईडी ने झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में कंपनी के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इन छापों के दौरान ठगी से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। विशेष रूप से चंद्रभूषण सिंह के नाम पर बने फर्जी आधार कार्ड भी जब्त हो गए हैं। एजेंसी के अनुसार, आरोपी तीन साल से पुलिस की तलाश से बचते फिर रहे थे। यह कार्रवाई निवेशकों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो चिटफंड जैसी अवैध योजनाओं पर लगाम लगाने की दिशा में आगे बढ़ेगी। गौरतलब है कि 9 सितंबर को जमशेदपुर की साकची थाना की पुलिस ने कंपनी के निदेशक चंद्रभूषण और उसकी पत्नी प्रियंका को गोमो रेलवे स्टेशन पर तब गिरफ्तार किया था, जब वे दिल्ली से भुवनेश्वर जा रहे थे। इसके बाद से इन्हें जमशेदपुर के घाघीडीह सेंट्रल जेल में रखा गया है।

दीपक सिंह व पत्नी प्रियंका सिंह की गिरफ्तारी की जानकारी देते पुलिस अधिकारी ● फाइल फोटो

कुख्यात अपराधी जेल पहुंचते ही हुआ मेडिकली अनफिट

RAMGARH : शहर में दहशत फैलाने वाला कुख्यात अपराधी अनिल यादव जेल पहुंचते ही मेडिकली अनफिट हो गया। रामगढ़ पुलिस ने जब कोर्ट में रिमांड लेने के लिए अर्जी डाली तो अनिल यादव की तरफ से मेडिकली अनफिट की अर्जी लगा दी गई। पुलिस अब यह सोच रही है कि जो व्यक्ति चार दिनों के अंदर दो बड़े वारदातों में शामिल रहा, वह अचानक बीमार कैसे पड़ गया। पुलिस रिमांड पर लेकर उससे पूछताछ करने वाली थी। पूछताछ के बाद उस घटना की सच्चाई सामने आती, जिसमें तीन लड़कियों और दो लड़कों की कार पर उसने गोली चलाई थी। आखिर क्या वजह रही कि अनिल यादव अपने दोस्त मुकेश महतो के साथ दो सितंबर की पूरी रात सड़क पर था। तडके सुबह तीन बजे कल्याणी ढाबा में उसने शराब पी और फिर उसी ढाबे से खाना खाकर निकले लोगों पर गोली चलाकर धौंस जमाया।

जमीन व फ्लैट के नाम पर ठगी का आरोपी गिरफ्तार, वसूले करोड़ों रुपये

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पुलिस ने जमीन और फ्लैट दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोपी नसीम शेख को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मानगो के आजादनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि नसीम ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी कागजात के आधार पर लोगों से लगभग एक करोड़ रुपये वसूले, लेकिन किसी को भी जमीन या फ्लैट नहीं दिया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब मानगो निवासी आयशा परवीन ने अर्बन लेडर बिल्डर के मालिक नसीम शेख और उसके साथियों पर धोखाधड़ी और धमकी देने का मामला दर्ज कराया। आयशा परवीन का आरोप था कि नसीम ने उनसे 28 लाख 70 हजार रुपये लिए, लेकिन फ्लैट नहीं दिया और रकम भी हड़प ली। पटमदा डीएसपी के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस दल ने शनिवार को छापेमारी कर नसीम को दबोचा। पुलिस ने उसके पास से यस बैंक का वेंचर वीजा इन्फिनिट बिजनेस कार्ड, इंडस्ट्रियल बैंक का टाइटेनियम डेबिट कार्ड, बैंक ऑफ इंडिया का प्लैटिनम रुपे कार्ड, टाटा मोटर्स का टेंपररी कार्ड, परवेज अख्तर के नाम से एमएनएसी की रसीद और एक एंड्रॉयड फोन बरामद किया। पूछताछ में नसीम ने अपना अपराध कबूल किया और आयशा परवीन से लिए गए 28 लाख 70 हजार रुपये की बात भी स्वीकार की। गिरफ्तार नसीम को मेडिकल जांच के बाद कोर्ट में पेश किया गया।

एनकाउंटर के दौरान चतरा में मारा गया कुख्यात अपराधी उत्तम यादव, बाइक बरामद

PHOTON NEWS CHATRA : शनिवार को चतरा और हजारीबाग पुलिस के लिए लंबे समय से सिरदर्द बना कुख्यात अपराधी उत्तम यादव एनकाउंटर में मारा गया। यह घटना चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के बगरा-जबड़ा रोड पर हुई, जहां पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई थी। जानकारी के अनुसार, हजारीबाग एसटीएफ के जवानों को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तम यादव इस इलाके में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम जब बगरा-जबड़ा रोड के पास पहुंची तो उत्तम यादव ने जवानों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए उस पर गोली चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत चतरा सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिछले एक साल से उत्तम यादव चतरा, हजारीबाग और आसपास के कई जिलों में आतंक का पर्याय बना हुआ था। बताते चलें कि, इसी साल जून में उत्तम यादव ने हाथ में एके-47 लेकर सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो जारी किया था। इसमें उत्तम यादव ने चतरा और हजारीबाग जिले के व्यवसायियों को रंगदारी व लेवी देने की धमकी दी थी।

दर्ज थे कई गंभीर आपराधिक मामले : उत्तम के खिलाफ हत्या, लूट और रंगदारी समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। वह लगातार आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहा था और पुलिस को खुली चुनौती दे रहा था। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई थी। इस मुठभेड़ के बाद इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली है। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर दी है और मामले की जांच कर रही है। मौके से एक अपाची बाइक भी बरामद हुई है, जो उत्तम यादव की बताई जा रही है।

डॉक्टर व सांसद प्रतिनिधि के विवाद ने पकड़ा तूल हड़ताल पर चले गए एसएनएमएमसीएच के डॉक्टर

PHOTON NEWS DHANBAD : सांसद प्रतिनिधि रामप्रवेश दास और एक जूनियर महिला डॉक्टर के बीच शुक्रवार शाम को हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। इसकी वजह से शनिवार को सुबह से ही शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल (एसएनएमएमसीएच) में स्वास्थ्य सेवाएं ठप हो गईं हैं। इस घटना के विरोध में नाराज जूनियर डॉक्टरों ने बेमियादी हड़ताल शुरू कर दी है, जिससे ओपीडी से लेकर इमरजेंसी सेवा तक बाधित हो गई है। इलाज के लिए पहुंचने वाले सैकड़ों मरीजों को वापस लौटना पड़ा। अस्पताल के बाहर मरीजों और उनके परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को हुई, जो दूरदराज से आए थे। ओपीडी में रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर डॉक्टरों के चैंबर तक खाली थे। यहां तक कि गंभीर रूप से बीमार या घायल मरीजों को भी आपातकालीन विभाग में समुचित इलाज नहीं मिला। जूनियर डॉक्टरों का आरोप है कि शुक्रवार की शाम को सांसद प्रतिनिधि रामप्रवेश दास अपने कुछ साथियों के साथ नशे की हालत में अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने एक महिला डॉक्टर पर बार-बार बुर्का उतारने का दबाव बनाया और उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। डॉक्टरों ने यह भी आरोप लगाया कि रामप्रवेश दास ने पहले भी उन्हें डराया-धमकाया था, जिसकी लिखित शिकायत सांसद को दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस घटना के बाद जूनियर डॉक्टरों ने देर रात बैठक कर सामूहिक हड़ताल पर जाने का फैसला किया। डॉक्टरों ने कहा कि जब तक दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होती, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और जेडीए ने भी इस हड़ताल को अपना पूरा समर्थन दिया है।

एसएनएमएमसीएच में हड़ताल करते डॉक्टर ● फोटोन न्यूज

खेतों की पगडंडी से होकर आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं डीसी, बच्चों से किया संवाद

PALAMU : जन वितरण प्रणाली की दुकान और आंगनबाड़ी केंद्रों में सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने तथा कहां किस चीज की कमी है। आमजनों या बच्चों को क्या समस्या है, इसका आकलन करने के उद्देश्य से जिले की उपायुक्त समीरा एस एवं जिला स्तरीय टीम के जरिये शनिवार को पलामू के लेस्लीगंज प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में संचालित जन वितरण प्रणाली दुकानों तथा कई आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया गया। टीम में शामिल अपर समाहर्ता, छत्तरपुर एसडीएम, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, डीआरडीए निदेशक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, लेस्लीगंज बीडीओ-सीओ सुबह 11 बजे लेस्लीगंज प्रखंड कार्यालय पहुंचे।

NEWS BOX

दुमका के शिकारीपाड़ा में नानी और नातिन की हत्या

PHOTON NEWS DUMKA : दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात अज्ञात अपराधियों ने 72 वर्ष की महिला सोना बास्की और 19 वर्षीय सोना मुर्मू की धारदार हथियार से हत्या कर दी। यह घटना बिनागढ़िया स्थित आमचुआं गांव में हुई है। रात में ही सूचना पाकर शिकारीपाड़ा थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी। हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। बताया जाता है कि सोना बास्की अपने दामाद राजू सोरेन के साथ रहती थी। शुक्रवार की शाम राजू सोरेन के माता-पिता किसी काम से अपने रिश्तेदार के घर काठीकुंड गए थे, जबकि राजू गांव में ही फुटबॉल मैच देखने चला गया। देर रात को जब राजू वापस आया तो घर के अंदर दोनों की लाश देखी। इनके पास में ही उसकी 6 माह की बेटी भी सोई हुई थी, लेकिन उसे खरोंच तक नहीं आई थी।

ईंट-पत्थर से सिर कूचकर महिला की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के टोकलो थाना क्षेत्र में किमिरदा गांव से सटे जंगल में एक महिला की ईंट-पत्थर से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। महिला का चेहरा इस कदर वीभत्स हो गया है कि उसकी पहचान नहीं हो पा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। मृतक के शरीर पर साड़ी, ब्लाउज, चूड़ी आदि मिले हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि वह विवाहित थी। महिला की उम्र लगभग 40 वर्ष है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को सुबह में कुछ ग्रामीण जंगल से लकड़ी लाने गए थे, तभी उन्होंने महिला का शव को देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना टोकलो थाना को दी। वहीं सूचना मिलने पर टोकलो थाना प्रभारी परमेश्वर उरांव ने कहा कि संभवतः एक या दो दिन पहले महिला की हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। उन्होंने कहा कि शव की पहचान को लेकर पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

केयू की वीसी डॉ. अंजिला गुप्ता ने किया कॉलेजों का निरीक्षण

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजिला गुप्ता ने शैक्षणिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की पहल में शनिवार को जमशेदपुर के कई कॉलेजों का औचक निरीक्षण किया। वे सबसे पहले साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज गई, जहां स्नातक परीक्षा के मूल्यांकन केंद्र का जायजा लिया। कुलपति ने मूल्यांकन केंद्र में परीक्षकों (शिक्षकों) की उपस्थिति और मूल्यांकन कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली। इसके बाद, कुलपति ने साकची स्थित विश्वविद्यालय के ब्रांच ऑफिस का भी निरीक्षण किया। इसी क्रम में वह जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज भी पहुंचीं। यहां उन्होंने कक्षाओं, छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था और पुस्तकालय का भी मुआयना किया। इस दौरान परीक्षा विभाग के विशेष कार्य प्राधिकारी डॉ. प्रभात सिंह भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. एके झा ने बताया कि कुलपति ने यह दौरा छात्रों और शैक्षणिक कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए किया।

रिमांड पर आया मुकेश महतो घटना में प्रयुक्त बाइक हुई बरामद

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ शहर के राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर मुर्गमकला गांव के पास चली गोली के मामले का उद्वेदन करने में रामगढ़ पुलिस लगी हुई है। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि तीन सितंबर को हुई घटना में (कांड संख्या 244/25) दर्ज कर आरोपित अनिल यादव और मुकेश महतो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश बना रही थी। इस दौरान दोनों अपराधियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कांड के अभियुक्त मुकेश महतो को रामगढ़ कोर्ट से 24 घंटे के रिमांड पर लिया गया। इसके बाद उस पूरी घटनाक्रम का सीन रीक्रिएट किया गया। मुकेश महतो से पुलिस ने पूछताछ की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। रामगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि कुख्यात अपराधी अनिल यादव ने अपने साथी मुकेश महतो के साथ मिलकर एक कार पर गोली चलाई थी उसे पर सवार तीन लड़कियां और दो लड़के बाल बाल बचे थे। इसके बाद अनिल और मुकेश अपनी बाइक से फरार हो गए थे। बाद में उन दोनों ने कोर्ट में तो सरेंडर कर दिया लेकिन घटना में प्रयुक्त बाइक छुपा दिया। मुकेश महतो ने पुलिस को बताया कि उसने बाइक (जेएच 24 एन 6030) अपने एक दोस्त के घर छुपा दिया है। पुलिस ने बाजार समिति के पीछे रहने वाले सुतनी उर्फ गौरव कुमार के घर से घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है।

डॉ. मौसमी पॉल बनीं वीमेंस यूनिवर्सिटी की सिंडिकेट मेंबर, राज्यपाल ने किया मनोनयन

PHOTON NEWS RAMGARH : करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. मौसमी पॉल को जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी का सिंडिकेट मेंबर बनाया गया है। इनका मनोनयन राज्यपाल सह कुलाधिपति ने किया है। एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एके झा ने इसे पूरे शिक्षा जगत के लिए गर्व का विषय बताया है।

लापरवाही सीएचसी की लिपिक अनू कुमारी पर टिकी शक की सुई, स्वास्थ्य विभाग करा रहा जांच

कबाड़ में मिले पहाड़िया परिवारों के सैकड़ों आयुष्मान कार्ड

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : बरहेट में शनिवार को कबाड़ में सैकड़ों आयुष्मान कार्ड मिले हैं। सभी कार्ड पहाड़िया परिवारों के हैं। आशंका जताई जा रही है कि सभी कार्ड पहाड़िया परिवारों को देने के लिए ही लाए गए थे, लेकिन उसे कबाड़ में फेंक दिया गया। बताया जा रहा है कि बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लिपिक पद पर कार्यरत अनू कुमारी का स्थानांतरण एक वर्ष पूर्व सरायकेला कर दिया गया था। वह सीएचसी के सरकारी आवास में रहती थी। उसने अपना आवास अब तक खाली नहीं किया था। शनिवार को वह अपनी कार से पहुंची और बरहेटके कबाड़ी इम्तियाज अंसारी को अपने आवास पर बुलाया और काफी सामान बेच दिया। इसमें सरकारी दस्तावेजों के साथ ये आयुष्मान कार्ड भी बेच दिए गए। किसी ने इसकी सूचना प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चौधरी चंद्रशेखर प्रसाद चंद्र को दे दी। उन्होंने इसकी सूचना बरहेट थाना की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बरहेट थाना के सहायक अवर निरीक्षक हरिश्चंद्र मंडल पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस को देखकर अनू कुमारी घर बंद कर अपनी कार से निकल गई। कबाड़ी वाले इम्तियाज अंसारी ने बताया कि अनू कुमारी ने इससे पूर्व उसके पास तीन बार सामान बेचा है।

तीन वर्ष पहले भी आया था ऐसा मामला

प्लस-2 उच्च विद्यालय, कोटालपोखर के प्रभारी प्रधानाध्यापक को सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई किताबें कबाड़ी वाले के पास बेचते समय स्कूल के ही छात्रों ने रंगेहाथ पकड़ा था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मामले को लेकर आंदोलन भी किया था। इसके बाद तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी दुर्गानंद झा ने 4 नवंबर 2022 को मामले की जांच कर दोषी प्रभारी प्रधानाध्यापक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की थी। इसके बाद भी क्षेत्र में इस तरह की घटना नहीं रुकी।

सरकारी स्कूल की किताबें भी मिली थीं कबाड़ से

कुछ दिनों पहले ही सरकारी स्कूलों में मुफ्त मिलने वाली किताबें भी कबाड़ में मिली थीं। कोटालपोखर थाना क्षेत्र के बड़ा सोनाकड़ गांव में 2 सितंबर को कई किताबें जब्त की गई थीं। कोटालपोखर थाना क्षेत्र के बड़ा सोनाकड़ गांव के मस्जिद के पास दो सितंबर की शाम को एक कबाड़ी वाले की बाइक पंक्चर हो गई थी। वह पंक्चर बनाने के लिए मिस्त्री खोज रहा था कि ग्रामीणों की नजर उसकी बाइक पर पड़ गई। ग्रामीणों ने पूछताछ शुरू की तो वह बाइक छोड़कर भाग निकला। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बाइक और उस पर लदे सामान जब्त कर लिए। जब्त पुस्तकों में कक्षा एक से पांच तक की हिंदी, गणित और पर्यावरण अध्ययन की किताबें थीं। एक बोरा तो पूरी तरह पैक था। उस पर नोटबुक कक्षा-8 लिखा था। आशंका जताई जा रही है कि किसी स्कूल के हेडमास्टर ने उन पुस्तकों को कबाड़ी वाले के पास बेचा था। झारखंड शिक्षा परियोजना विभाग की ओर से सभी सरकारी विद्यालयों में बच्चों को पढ़ने के लिए निःशुल्क पाठ्यपुस्तक दी जाती है। कई बार यह भी बात सामने आ चुकी है कि स्कूलों में फर्जी नामांकन किया जाता है। ऐसे में बच्चों के नाम पर आने वाली पुस्तकें कबाड़ी वाले के हाथ बेच दी गई होंगी।

इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप, अस्पताल में किया हंगामा

PHOTON NEWS GHATSHILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला स्थित अनुमंडल अस्पताल में शनिवार को दोपहर लगभग 3 बजे एक नवजात की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर खूब हंगामा किया। मामला बढ़ता देख चिकित्सक की सूचना पर घाटशिला थाना की पुलिस पहुंची और हंगामे को शांत कराया। इस संबंध में काशीदा गांव? के निवासी राजन दास ने बताया कि उनके बच्चे का जन्म 21 अगस्त को एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर में हुआ था। इसके बाद अचानक शुक्रवार की शाम नवजात की तबीयत बिगड़ने पर अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. भोगान हेम्ब्रम ने नवजात को देखकर कहा कि स्थिति ठीक है और कुछ दवा देकर घर भेज दिया। शनिवार की सुबह लगभग 11 बजे बच्चे की स्थिति काफी गंभीर हुई तो दोबारा अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचा। इस बार चिकित्सक डॉ. आरएन टुडू ने जांच के बाद बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया। एमजीएम अस्पताल में जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया।

बर्खास्त अनुसेवक उपेंद्र की हार्ट अटैक से मौत प्रशासन पर फूटा गुस्सा

PALAMU : सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पलामू में बर्खास्त किए गए 251 अनुसेवकों में से एक उपेंद्र पासवान की हार्ट अटैक से मौत हो गई। नौकरी जाने के बाद से उपेंद्र लगातार तनाव में रह रहा था। अचानक उसके सीने में तेज दर्द हुआ और इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में बर्खास्त अनुसेवक शनिवार को उपेंद्र पासवान के सिंगरा स्थित घर पहुंचे। मामले की जानकारी ली। परिजन दहाड़ मारकर रो रहे थे। उन्होंने झारखंड सरकार और जिला प्रशासन पर उपेंद्र की हत्या करने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गयाजी में पूर्वजों का किया पिंडदान

AGENCY PATNA : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मोक्ष की भूमि बिहार के गयाजी में शनिवार को विष्णुपद मंदिर में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति व मोक्ष की कामना को लेकर पिंडदान किया। उन्होंने विश्वविख्यात गयाधाम स्थित विष्णुपद मंदिर परिसर की तीन प्रमुख पिंडवेदियों पर पिंडदान किया। राष्ट्रपति अपने तय समयानुसार सुबह करीब 09 बजे गयाजी अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर विशेष विमान से पहुंचीं। इसके बाद सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंचीं। इस दौरान बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी उनके साथ रहे। राष्ट्रपति की ओर से किए जाने वाले पिंडदान के लिए जिला प्रशासन ने विष्णुपद मंदिर परिसर में ही विशेष व्यवस्था की थी।

■ राष्ट्रपति की ओर से किए जाने वाले पिंडदान के लिए जिला प्रशासन ने विष्णुपद मंदिर परिसर में ही विशेष व्यवस्था

गयाधाम स्थित विष्णुपद मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एल्यूमिनियम फैब्रिकेटेड हॉल में तीन कक्ष बनाए गए थे। एक कक्ष में राष्ट्रपति ने अपने परिजनों के साथ पिंडदान किया। गयापाल पुरोहित राजेश लाल कटरियार के नेतृत्व में वैदिक क्रियाओं के साथ धार्मिक अनुष्ठान और कर्मकांड करवाया गया। राष्ट्रपति पहली बार अपने पूर्वजों का पिंडदान करने गया पहुंची थीं। वो दो घंटे गयाजी में रुकीं और संपूर्ण विधि-विधान के साथ पिंडदान किया।

इस दौरान विष्णुपद मंदिर और आस-पास का इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। इस दौरान कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर आम लोगों के लिए कुछ देर तक आवागमन को बंद कर दिया गया था। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया था। निर्धारित मार्ग पर आम वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला अपने 15वें दिन में है। 21 सितंबर तक पितृपक्ष मेला आयोजित है। इस दिन वैतरणी सरोवर पर तर्पण और गौ-दान का विशेष विधान है। मान्यता है कि इस दिन वैतरणी वेदी पर स्नान और तर्पण करने से पिंडदानी के 21 कुलों का उद्धार होता है।

NEWS BOX

एक तस्कर सहित तीन अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

AGENCY NAVADA : नवादा जिले के राजौली थाना क्षेत्र के जगजीवन नगर व बभनटोली से पुलिस बलों ने शनिवार को दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही झारखंड के चास से एक फरार चल रहे शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है।

थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि न्यायालय से निर्गत वारंट के आलोक में पुलिस बलों के सहयोग से तीनो अपराधी को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार वारंटियों में जगजीवन नगर निवासी दिनेश रविदास के पुत्र कारू रविदास एवं बभनटोली निवासी सुरेश सिंह के पुत्र मुन्ना सिंह उर्फ रंजीत कुमार सिंह शामिल है। दूसरी ओर शराब मामले में थाना कांड संख्या 205/16 के एक नामजद अभियुक्त विगत कई वर्षों से फरार चल रहा था, जिसे गुप्त सूचना के आलोक में गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार तस्कर की पहचान बोकारो के चास निवासी श्रवण सिंह के पुत्र अंकित कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार तीनों लोगों का स्वास्थ्य जांच शनिवार को अस्पताल में करवाकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सहरसा अनुमंडलीय अस्पताल में बनेगी चारदीवारी : जफर आलम

AGENCY SAHARSA : जिले के सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडलीय अस्पताल में लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान की दिशा में अब ठोस कदम उठाया जा रहा है। अस्पताल में चारदीवारी नहीं रहने के कारण आए दिन आवारा पशु और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था। इससे मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी और स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही थी। पूर्व विधायक मो० जफर आलम के निरंतर प्रयास और पहल पर इस गंभीर समस्या को लेकर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के समक्ष मांग रखी गई। मंत्री जी ने इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पत्रांक-51/25, दिनांक-14 .08 .2025 के संदर्भ में अग्रेतर कार्रवाई हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया है।अब जल्द ही अस्पताल परिसर में चहारदीवारी का निर्माण, साफ-सफाई की सुदृढ़ व्यवस्था और असामाजिक तत्वों पर रोक सुनिश्चित की जाएगी। इससे न केवल मरीजों को बेहतर माहौल मिलेगा, बल्कि उनके परिजनों को भी सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेगी। इस फैसले से सिमरी बख्तियारपुर सहित पूरे इलाके की जनता में खुशी की लहर है। लोग मानते हैं कि यह कदम आम जनता को स्वास्थ्य सेवा के प्रति आश्वस्त करेगा और अस्पताल के वातावरण को पूर्णतः सुरक्षित बनाएगा।

तेजस्वी यादव के विचारों को गांव-गांव पहुंचाने की जरूरत : चक्रपाणि

AGENCY BHAGALPUR : जिले के पीरपैंती विधानसभा के कहलगांव प्रखंड में शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल की एक बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष भरत यादव एवं संचालन मोहम्मद मकबूल ने किया। मुख्य अतिथि बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु एवं पूर्व विधायक पीरपैंती रामविलास पासवान थे।

मौके पर डॉ चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि राज्य में महंगाई, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। अपराध का ग्राफ बड़ा है। जिले एवं प्रखंड में लूट मची है। बाढ़ग्रस्त लोगों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की जा रही है। बाढ़ प्रभावितों को जीआर राशि 7000 रुपए नहीं मिल रहा है। फसल क्षतिपूर्ति का पैसा नहीं मिल रहा है। कटाव रोकने का काम सही से नहीं हो रहा है। कटाव रोकने में लूट मची है। कहलगांव जाम एवं धूल से तबाह है। प्रशासन अवैध वसूली में मशगूल है। जिससे जनता के बीच काफी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के विकास योजनाएं की घोषणा को गांव-गांव पहुंचाने की जरूरत है। तेजस्वी यादव को बिहार कि जनता मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते है। वहीं पूर्व विधायक रामविलास पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने मित्र गौतम अडानी को पीरपैंती पावर प्लांट के लिए जमीन एग्रीमेंट कर दिए हैं। इसके लिए लाखों पेड़ काटे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद तेजस्वी यादव के वादे के अनुसार माई - बहन योजना के तहत 2500 रुपया, बिजली 200 यूनिट फ्री, गैस सिलेंडर 500 में, सामाजिक सुरक्षा पैंशन 1500 और छात्र - छात्राओं के लिए विशेष व्यवस्था लागू किया जाएगा।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत हुई छात्राओं की स्वास्थ्य जांच

AGENCY BHAGALPUR : स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर द्वारा शनिवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जगदीशपुर में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं का रक्त जांच समेत विभिन्न स्वास्थ्य जांच किए गए। जांच दल में डॉ. विजय कुमार, नवीन कुमार, मुकेश कुमार सिंह, पूजा कुमारी सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। इसी क्रम में मध्य विद्यालय, जगदीशपुर में मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के तहत 9 से 14 वर्ष की आयु की छात्राओं को टीका लगाया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक आशुतोष चन्द्र मिश्र ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है, जिससे वे नियमित विद्यालय आकर शिक्षा प्राप्त कर पाते हैं। वार्डेन सपना कुमारी ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा समय-समय पर शिविर आयोजित किए जाने से छात्राओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच संभव हो पाती है। इस अवसर पर शिक्षक शारिका निगार, फूल कुमारी, शाहिना खातून, वीणा कुमारी, प्रतिमा मिश्रा एवं अभिनाश सरोज ने जांच एवं टीकाकरण टीम को सहयोग प्रदान किया।

BRIEF NEWS

पीएचसी सौर बाजार में सात सूत्री मांगों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन

SAHARSA : बिहार राज्य आशा एवं आशा फेसीलिटेटर्स फेडरेशन ममता कुरियर संघ सीटू के बैनर तले सौर बाजार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सौर बाजार में राज्य व्यापी आवाहन पर सात सूत्री मांगों को लेकर शनिवार को एक दिवसीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र केम्पस में धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते सीपीएम नेता कुलानन्द कुमार ने कहा बिहार के डबल इंजन सरकार हर मोर्चा पर फेल हैं आन्दोलन कारी लोगों के उपर दमन के जरिए आन्दोलन को कमजोर करने की हर संभव प्रयास आशा ममता कुरियर को अस्थाई किया जाय मृतक आशा ममता कुरियर के आश्रित को 10 लाख रू मुआवजा और एक सरकारी नौकरी दिया जाय आशा ममता कुरियर की मांगों को पूरा किया जाय।

भाजपा ने जन-जन तक योजनाओं को पहुंचाने का चलाया अभियान

KATIHAR : भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज राय की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 18 से 25 सितंबर तक चल रहे हर घर संपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य एनडीए सरकार की विकास की रफ्तार और जन-कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आज जनता का उत्साह बता रहा है कि यह संदेश सही दिशा में जा रहा है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि मंडल स्तर पर पत्रक, स्टीकर, झंडा, टोपी को बूथ स्तर पर कार्यकताओं की टोली बनाकर घर-घर वितरण करने का कार्य किया जाएगा। हर बूथ पर कार्यकर्ता बड़ी संख्या में अपने घर पर झंडा लगाने का कार्य करेंगे और इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न योजनाओं का किया उद्घाटन

विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को तारामंडल में आयोजित एक कार्यक्रम में विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर राज्य में भ्रमणशील विज्ञान प्रदर्श बस सेवा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन भी किया।

कार्यक्रम के दौरान तारामंडल, पटना में एस्ट्रा पार्क के निर्माण कार्य का शुभारंभ एवं स्मारिका बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया गया। साथ ही बिहार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी), पटना एवं बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय, पटना के संयुक्त तत्वाधान में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत एमटेक (जियो इंफॉर्मेटिक्स) पाठ्यक्रम का बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर, पटना में शुभारंभ किया गया।

आज के कार्यक्रम में तारामंडल, पटना में टेलीस्कोप सहित ऑब्जर्वेटरी डोम के निर्माण के लिए बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिसर के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ। साथ ही तारामंडला में इंटर्नशिप पोर्टल का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने वर्चुअल रियलिटी थियेटर का उद्घाटन किया। तारामंडल के मुख्य भवन में 5.6 करोड़ रुपए की लागत से वर्चुअल रियलिटी थियेटर की स्थापना की गयी है।

उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने वर्चुअल रियलिटी थियेटर के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और वहां बैठकर इसका अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह थियेटर अच्छा बना है। यहां आनेवाले विद्यार्थियों एवं लोगों को विज्ञान के साथ-साथ अन्य नयी जानकारियों का अनुभव होगा।

मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग पास आउट छात्र-छात्राओं को डिग्री भी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने समग्र रूप से विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करनेवाले छात्र सुमन कुमार (मैकनिकल इंजीनियर, मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग) को 50 हजार एक रुपये का चेक, स्वर्ण पदक, लैपटॉप, प्रशस्ति पत्र एवं बीटेक की उपाधि से सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने आज जिस भ्रमणशील विज्ञान प्रदर्श बस सेवा का शुभारंभ किया है, उसके अंतर्गत बस में तैनात कर्मी राज्य भर में जाकर छात्र-छात्राओं को विज्ञान के बारे में जानकारी उपलब्ध करायेंगे।

योजनाओं का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाते सीएम व अन्य

दुर्गा पूजा के पंडाल में बजेंगे सिर्फ भक्ति गीत डीजे पर लगा प्रतिबंध

ARARIA : दुर्गा पूजा को लेकर फारबिसगंज अनुमंडल कार्यालय सभागार में शनिवार को शांति समिति की बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी रंजीत कुमार रंजन ने की। इस मौके पर डीसीएलआर अमित कुमार, नगर परिषद की मुख्य पार्षद वीणा देवी सहित अनुमंडल के सभी थानों के थानाध्यक्ष, नगर परिषद एवं प्रखंड प्रशासन के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी दुर्गा पूजा समितियों के लाइसेंसधारी प्रतिनिधि और शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में लोगों ने प्रशासन को शहर की साफ-सफाई, जाम की समस्या, रोशनी, एवं प्रतिमा विसर्जन के दौरान विशेष व्यवस्था की आवश्यकता से अवगत कराया। साथ ही शहर में हो रही शराब की अवैध बिक्री और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। एसडीओ रंजीत कुमार रंजन ने कहा कि गृह विभाग के निदेर्शानुसार सार्वजनिक स्थलों पर बिना किसी रोक-टोक के पूजा-अर्चना की जाएगी। उन्होंने साफ किया कि डीजे पर पूर्णरूप से प्रतिबंध रहेगा तथा पंडालों में केवल भक्ति संगीत ही बजाया जाएगा। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों को चेतावनी दी और कहा कि पकड़े जाने पर उन पर कठोर कार्रवाई होगी। नगर परिषद को विशेष सफाई और विसर्जन की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

फर्नीचर दुकान में आग लगने से 35 लाख की संपत्ति का नुकसान

AGENCY NALANDA : नालंदा जिले के लहेरी थाना अंतर्गत बड़ी पहाड़ी मोहल्ला में शुक्रवार की रात असम फर्नीचर नामक दुकान में भीषण आग लग गई। घटना में करीब 35 लाख की संपत्ति खाक हो गई। अंदेशा जताया जा रहा है कि हवन की चिंगारी से घटना हुई। अगलगी के दौरान दुकान से ऊंची लपटें व धुआं का गुब्बार निकलने लगा जो समीप में खड़ी एक कार व एसबीआई का सीएसपी ब्रांच भी चपेट में आ गया। अग्निशमन दस्ते की टीम ने चार वाहनों से पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। दुकान संचालक संतोष कुमार ने बताया कि पड़ोसियों ने देर रात कॉल कर घटना की जानकारी दी। जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे। दुकान में भीषण आग लगी थी। आग की ऊंची लपटों के कारण लोग उस पर काबू करने का साहस नहीं कर पा रहे थे तो फिर अग्निशमन दस्ते ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में 35 लाख से अधिक की संपत्ति की नुकसान बताई गई है। रात में दुकान में पूजा के बाद जली हुई आरती छोड़ दी गई था। अंदेशा है कि इसी के चिंगारी से घटना हुई है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन टीम के साथ मिलकर आग पर काबू पाया गया है।

प्रशांत किशोर ने राजग के चार बड़े नेताओं के खिलाफ लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

AGENCY PATNA : जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चार बड़े नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के नए खुलासे किए हैं। उन्होंने एक-एक करके उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री मंगल पांडेय, मंत्री अशोक चौधरी और भाजपा सांसद संजय जायसवाल को भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में शामिल होने का तथ्यों के साथ खुलासा किया।

प्रशांत किशोर ने सबसे पहले मंत्री मंगल पांडेय के बारे में बताया कि उनकी पत्नी उर्मिला पांडेय के पंजाब नेशनल बैंक के अकाउंट नंबर 1499000141819 में साल 2019 और 2020 में दो करोड़ 12 लाख रुपया जमा हुआ है। इसका कोई प्रमाण नहीं है कि यह रुपया कहां से आया? मंगल पांडेय ने कहा था कि उन्होंने दिल्ली में फ्लैट खरीदने के लिए अपने पिताजी से 25 लाख का कर्ज लिया था। हमारा सवाल है कि फिर आपकी पत्नी के अकाउंट में यह रकम कैसे आ गई? कहीं से आई भी तो आपने इसे घोषित क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि मंगल पांडे अगर इसका जवाब नहीं देते हैं तो हम बतायेंगे कि किस किस अकाउंट से यह रुपये ट्रांसफर किए गए हैं।

प्रशांत किशोर ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को घेरते हुए उन्हें नाम बदलने का विशेषज्ञ बताया। कहा कि इनका नाम राकेश कुमार था जो बाद में राकेश कुमार उर्फ सम्राट चौधरी है लेकिन इनका पहला नाम सम्राट कुमार मौर्य है। साल 1998 में कांग्रेस नेता सदानंद सिंह की बम मारकर हत्या करने का आरोप है। इनको नाबालिग बताकर छह महीना में जेल से निकाला गया।

विधानसभा चुनाव सारण जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

कर्मियों की ट्रेनिंग के लिए गठित किए गए 22 कोषांग

AGENCY PATNA : बिहार में सारण जिला के निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभागार में सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों एवं नोडल पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव से संबंधित आवश्यक सुझाव और निर्देश दिए गए।

निर्वाचन कार्य को व्यवस्थित एवं सुगम तरीके से कराने के लिए जिला स्तर पर कुल 22 कोषांग गठित किए गए हैं। बैठक में कार्मिक, प्रशिक्षण, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (इवीएम), बज्रगृह, सामग्री, विधि-व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, मतपत्र, डाक मतपत्र, नाम निर्देशन, प्रेक्षक, मीडिया, कंप्यूटरीकरण, साइबर सुरक्षा, शिकायत निवारण, संचार, सिंगल विंडो, स्वीप, निर्वाचन कोषांग आदि की पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से कार्य योजना की समीक्षा की गयी और आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि कार्मिक कोषांग की ओर से कार्मिकों का डेटाबेस तैयार कर इसका पुनःसत्यापन कर लिया गया है। कार्मिकों के प्रथम नियुक्ति पत्र निकालने के लिये सभी तैयारी समय सीमा के अनुरूप सुनिश्चित करने को कहा गया। चिकित्सीय आधार पर चुनाव कर्तव्य से मुक्ति के लिये प्राप्त आवेदनों पर निर्णय लेने के लिये आवेदक का स्वास्थ्य परीक्षण मेडिकल बोर्ड द्वारा किया जायेगा। अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में चिकित्सा मण्डल गठित किया जायेगा। प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिए 10 प्रशिक्षण स्थल चिन्हित किये गये हैं। प्रथम प्रशिक्षण 5 से 11 अक्टूबर के बीच संभावित है। सभी पीठासीन पदाधिकारी एवं पी-वन को ईवीएम का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके लिये सभी प्रशिक्षण स्थल पर अलग से व्यवस्था रहेगी। सभी प्रशिक्षण स्थल पर चिकित्सा दल भी तैनात रहेगा। ईवीएम कोषांग को सभी तैयारी रखने को कहा गया। ईवीएम का पहला यादृच्छिकीकरण (रेण्डमाइजेशन) मतदान की तिथि से 21 दिन पूर्व किया जायेगा। इसके बाद ईवीएम को विधानसभावार निर्धारित डिस्पैच स्थल पर वज्रगृह में सुरक्षित भेजा जायेगा। ईवीएम के परिवहन लिए कंटेनर की व्यवस्था एवं विधानसभा वार स्पष्ट मूवमेंट प्लान बनाने का निर्देश दिया गया।

अधिकारियों के साथ की बैठक करते निर्वाचन पदाधिकारी अमन समीर

'सुरक्षित शनिवार' के तहत स्कूली बच्चों को आपदा से बचाव की दी गई जानकारी

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में शनिवार को बिहार सरकार की पहल मुख्यमंत्री सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों को आपदा से बचाव को लेकर जानकारी दी गई। विद्यालय के फोकल संजीत कुमार निगम ने बच्चों को भूकंप के समय बचाव को लेकर जानकारी दी।बच्चों से भूकंप से बेचने के लिए मॉकड्रिल भी कराया गया।मॉकड्रिल में बच्चों को बताएं कि यदि आप घर के अंदर हैं और अचानक भूकंप आ जाए तो सुरक्षित स्थान ले और झुको, ढको और पकड़ो वाला फामूर्ला अपनाए अर्थात झुककर पलंग के नीचे चल जाए और उसे पकड़ कर सर को ढक लें। यदि आप घर से बाहर हैं तो ऊंची इमारत खंभे आदि से दूर खुले में चल जाएं। अगर कोई भूकंप में घायल हो गया है तो तुरंत उसे प्राथमिक उपचार करें या सहायतता के लिए 1070 या 1077 पर कॉल कर सकते हैं। पूर्व प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने विश्व सफाई दिवस पर विद्यालय परिसर और विद्यालय के बगल में स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया। उपस्थित शिक्षक, ग्रामीण व सभी बच्चों ने मिलकर देश को स्वच्छ और साफ बनाए रखने के लिए संकल्प लिया।

भाजपा नगर निकाय प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय प्रभारी बने अमित कुमार चौधरी

SAHARSA : नगर-निगम, बनगांव नगर पंचायत, वार्ड संख्या 17 के सम्मानित पार्षद प्रतिनिधि अमित कुमार चौधरी को नगर निकाय के क्षेत्रीय प्रभारी मनोनीत किए जाने पर पर भाजपा कार्यकताओं नें हर्ष व्यक्त व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री भीखु भाई दिलसानिया के निर्देश पर प्रदेश संयोजक संजय कुमार द्वारा नगर निकाय प्रकोष्ठ काट क्षेत्रीय प्रभारी बनाया गया। अमित कुमार चौधरी बेहद हीसामाजिक व्यक्तित्व के व्यक्ति हैं। ऐसे व्यक्ति को भाजपा नगर निकाय प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा प्रदेश महामंत्री लाजवंती झा, राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश कुमार झा सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं व्यक्त किया।

अफगानिस्तान में आधी आबादी पर जीवन का संकट

अफगानिस्तान के संदर्भ में ये 21वीं सदी की आधी आबादी के साथ भयंकर त्रासदी है, जो दुनिया में पुरुष को लेकर आने का कारण है, वह जीवनदायिनी मां आज संकट में है। क्योंकि शरिया स्त्री पुरुष को स्किन टू स्किन संपर्क के लिए मना करता है। फिर यह प्रश्न स्वभाविक है कि मानवीयता से ऊपर क्या कोई रिलीजन हो सकता है। फिर स्त्री तो उन पुरुषों की भी मां है, जिन्होंने यहां आधी आबादी को दबाने के लिए अपने ही नियम बनाए हैं। ऐसे में उन अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर भी प्रश्न उठते हैं कि उनके होने का आखिर अर्थ क्या है, जब वे मानवीय पीड़ा के वक्त भी अनुचित करने वाले देश एवं वहां के शासन-प्रशासन को समझा तक नहीं पा रहे। अफगानिस्तान में 31 अगस्त 2025 को आए 6.0 तीव्रता वाले भूकंप ने केवल घर और गांव नहीं गिराए, उसने मानवीय संवेदनाओं और नैतिकताओं की नींव को भी हिला दिया है। इस आपदा ने जो सबसे भयावह तस्वीर दुनिया के सामने रखी, वह यह थी कि मलबे के नीचे दबे पुरुष और बच्चे तो किसी तरह बाहर निकाल लिए गए, लेकिन महिलाओं को उनके ही खून से लथपथ शरीर के साथ तड़पने के लिए छोड़ दिया गया। कारण केवल इतना कि तालिबान ने अपने नियमों में यह तय किया है कि कोई असंबंधित पुरुष किसी महिला को हाथ तक नहीं लगा सकता। ऐसे में यहां इसका भयंकर त्रासदीपूर्ण परिणाम यह हुआ कि राहत कार्य के शुरूआती छत्तीस घंटों में किसी भी पुरुष बचावकर्मी ने महिलाओं को छूने तक की हिम्मत नहीं की। देखने में आया कि कई महिलाएं मदद के लिए पुकारती रहीं, लेकिन उनके पास कोई नहीं पहुंचा। जब उनकी लाशें निकाली गईं तो सीधे हाथ लगाने से बचने के लिए उन्हें उनके कपड़ों से बहुत बुरी तरह से खींचकर बाहर निकाला गया। यह दृश्य इस्लामिक तालिबान के शासन में महिलाओं के जीवन से जुड़ी उस चीत्कार का उदाहरण है, जिसमें मानवीय संवेदनाएं तार-तार हो गईं, यह बताता है कि पुरुषों को जन्म देनेवाली मां यहां सिर्फ एक स्त्री होने के कारण किस हद तक तुच्छ और गौण है। इतिहास में जाएं तो यही समझ आता है कि अफगान महिलाओं की स्थिति हमेशा उतार-चढ़ाव के बीच ही बीती है। सत्तर के दशक में शहरी इलाकों में महिलाएं शिक्षा और रोजगार में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थीं। सोवियत हस्तक्षेप के दौरान और उसके बाद भी कम से कम बड़े शहरों में महिलाओं की मौजूदगी दिखती थी, लेकिन 1996 में जब तालिबान पहली बार सत्ता में आया तो उसने महिलाओं को पूरी तरह घर की चारदीवारी में कैद कर दिया। स्कूल और कॉलेज बंद, रोजगार पर रोक, यहां तक कि अस्पताल में भी बिना पुरुष अभिभावक के जाना नामुमकिन बना दिया। 2001 में अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद स्थिति कुछ बदली। लड़कियां फिर से स्कूल जाने लगीं, संसद और विश्वविद्यालय में उनकी मौजूदगी बढ़ी, मीडिया और स्वास्थ्य क्षेत्र में उन्होंने भूमिका निभाई, लेकिन 2021 में जैसे ही तालिबान लौटा, सब कुछ एक झटके में छिन गया। एक पीड़िता आयशा ने बताया कि उन्हें एक तरफ इकट्ठा कर दिया गया और भुला दिया गया। इस उपेक्षा ने महिलाओं के भीतर मानसिक आघात को और बढ़ा दिया। बचावकर्मियों ने यह स्वीकार किया कि वे महिलाओं की मदद करने से डर रहे थे, क्योंकि नियमों का उल्लंघन करने का भय था। यह केवल भय का मामला नहीं, बल्कि एक ऐसी शासन व्यवस्था का परिणाम है, जिसने महिलाओं को मानव के स्तर से नीचे गिरा दिया है। ये भी कहें कि उसे मानव भी नहीं समझा जा रहा है, तो कुछ गलत नहीं होगा। दूसरी ओर इस पूरी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्र महिला और अन्य एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि महिलाओं को आपदा राहत और पुनर्वास से बाहर रखना मानवीय संकट को और गहरा करेगा, किंतु व्यावहारिक स्तर पर इस संस्था का यहां कोई दबाव देखने को नहीं मिला। इस्लामी देशों का संगठन और बड़े मुस्लिम राष्ट्र भी चुप्पी साधे बैठे हैं। वे स्पष्ट तालिबान की नीतियों की आलोचना तक करने की हिम्मत नहीं दिखा रहे। हां, प्रवासी अफगान महिलाएं अवश्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय हैं, किंतु उनके पास संसाधनों और राजनीतिक समर्थन की कमी है। यहां यह भी ध्यान में आता है कि महिलाओं को आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों से बाहर रखने का मतलब केवल आज की मौतें नहीं हैं। तालिबान भविष्य को भी अंधकारमय बना रहा है। जब महिला डॉक्टर और नर्स नहीं होंगी तो अगली महामारी में कौन इलाज करेगा जब लड़कियां शिक्षा से वंचित रहेंगी, तो भविष्य में महिला नेतृत्व कहां से आएगा, जब महिलाओं को बार-बार अदृश्य कर दिया जाएगा, तो समाज की आधी आबादी का योगदान कैसे मिलेगा। समाजशास्त्रियों की भाषा में कहें तो यह सांस्कृतिक हिंसा है, जहां समाज की संरचना और संस्कृति ही हिंसा को वैध बना देती है। अफगानिस्तान में महिलाओं के साथ आज यही हो रहा है। उन्हें अदृश्य बना देना, उनकी जान को कमतर मान लेना और उनकी आवाज को दबा देना एक तरह की सांस्कृतिक हिंसा है, जो किसी गोली या बम से कम घातक नहीं है। दुखद है कि यहां ये सब इस्लाम और शरिया के नाम पर हो रहा है। आज 21वीं सदी में अफगानिस्तानी महिलाओं को देखकर यही समझ आता है कि ये तालिबान की नीतियों की शिकार नहीं हैं, बल्कि वैश्विक उदासीनता की भी पीड़िता हैं। मलबे के नीचे दबे उनके शव दुनिया को यह बताने के लिए काफी हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब वह अपनी मातृशक्ति का सम्मान और संरक्षण करता है।

पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य ही श्राद्ध

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधी कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि-विधान से पितर संबंधी कार्य करने से पितरों का आशार्वाद प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकांड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोड़कर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं, परंतु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है, क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हें यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्मांड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुंदर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य, जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है, जिसकी शुरूआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार, सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधी कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि-विधान से पितर संबंधी कार्य करने से पितरों का आशार्वाद प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकांड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोड़कर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं, परंतु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है, क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हें यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए

जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्मांड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुंदर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार, पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है, उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिंड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को प्राप्त होता है। श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं, जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं, उनका हम पर न चुकाए जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है, उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परंपरा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है, मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकांड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाए, वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्रसम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मंत्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाए, वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। इसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिंदू धर्म में सर्वमान्य श्रीरामचरित में भी श्रीराम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है। भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार, मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिंदू लोग मन, कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार, दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिनभर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिए हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन, गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गयाजी में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गयाजी में श्राद्ध करने जाता है, उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गयाजी में पिंडदान करने से सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। गयाजी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गयाजी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण

भारतीय लोकतंत्र का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यहां राष्ट्रीय महत्व की किसी भी योजना पर राजनीतिक बहस इतनी तेज हो जाती है कि असली तथ्य पीछे छूट जाते हैं और जनता के सामने आधे-अधूरे सच पहुंचते हैं। ग्रेट निकोबार की समग्र विकास परियोजना इसका ताजा उदाहरण है। यह परियोजना केवल एक बंदरगाह या हवाई अड्डा नहीं है, इससे बहुत आगे भारत की समुद्री सुरक्षा, वैश्विक व्यापार में भागीदारी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। किंतु, इसे लेकर कांग्रेस बार-बार शंका और भय का वातावरण बनाकर जनता को यह जताने की कोशिश कर रही है कि मानो सरकार देश और समाज को किसी बड़े संकट की ओर धकेल रही है। केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को भारत की सुरक्षा के एक मजबूत किले के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। स्वभाविक है कि इस दिशा में ग्रेट निकोबार परियोजना एक गेमचेंजर साबित हो सकती है। इसके अंतर्गत गैलेथिया खाड़ी में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, तीन से चार लोगों के लिए एक नियोजित टाउनशिप, 450 एमवीए क्षमता वाला गैस और सौर आधारित पॉवर प्लांट और सड़कों-जलगृहों का नेटवर्क तैयार किया जाना है। नीति आयोग के नेतृत्व में और एएनआईआईडीसीओ के माध्यम से चल रही इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 81,000 करोड़ रुपये है। आज रणनीतिक दृष्टि से ग्रेट निकोबार का महत्व किसी से छिपा नहीं है। यह मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी छोर और सिक्स डिग्री चैनल के पास स्थित है। दुनिया के 30 से 40 प्रतिशत समुद्री व्यापार जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं और चीन की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा भी यहीं से आता है। यदि भारत इस क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति दर्ज करता है, तो हिंद महासागर में बीजिंग की विस्तारवादी स्ट्रिंग आफ पर्ल्स रणनीति को सीधी चुनौती मिलेगी। एक ओर चीन ग्वादर, हंबनटोटा और क्याउकप्यू जैसे बंदरगाहों में निवेश करके हिंद महासागर में घेराबंदी कर रहा है, तो दूसरी ओर भारत का यह कदम स्वाभाविक रक्षा प्रतिक्रिया है, जो पूरे हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। नौसैनिक दृष्टि से भी यह योजना दूरगामी है। प्रस्तावित हवाई अड्डा नागरिक और सैन्य, दोनों उपयोग के लिए होगा। यह भारत की एकमात्र त्रि-सेवा कमान अंडमान और निकोबार कमान को तत्काल तैनाती और निगरानी की नई क्षमता देगा। नौसेना के युद्धपोत, एयर फोर्स के विमान और थलसेना की लॉजिस्टिक सप्लाई इस द्वीप से तेजी से संचालित की जा सकेंगी। यह केवल रक्षा और व्यापार नहीं, बल्कि मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन का भी केंद्र बनेगा। वस्तुतः आर्थिक दृष्टि से यह परियोजना भारत के लिए वरदान है। आज भारत के कंटेनर जहाजों को सिंगापुर या कोलंबो होकर गुजरना पड़ता है। इस पर हर साल लगभग 1800 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। ग्रेट निकोबार पर बनने वाला ट्रांसशिपमेंट पोर्ट यह निर्भरता खत्म कर देगा। इसकी क्षमता पहले चरण में 4 मिलियन टीईयू होगी और 2050 तक यह 16 मिलियन टीईयू तक पहुँच सकती है। यह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार का प्रमुख केंद्र बनाएगा, विदेशी मुद्रा की बचत करेगा और हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करेगा। इसके साथ ही इस परियोजना से लगभग ढाई लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, शिक्षा और स्वास्थ्य के नए अवसर खुलेंगे। लेकिन, कांग्रेस इस योजना को दुस्साहस बताकर आदिवासी अधिकारों और पर्यावरणीय खतरे का मुद्दा उठा रही है। सोनिया गांधी ने हाल ही में एक लेख में चेतावनी दी कि यह परियोजना शोम्पेन और निकोबारी जनजातियों के अस्तित्व के लिए संकट है और इससे लाखों पेड़ काटे जाएंगे। जयराम रमेश ने पेड़ों की संख्या 8.5 लाख से बढ़ाकर 32 से 58 लाख तक बताई और इसे पर्यावरणीय विनाश कहा। राहुल गांधी ने जनजातीय मामलों के मंत्री को पत्र लिखकर वन अधिकार अधिनियम के उल्लंघन की बात उठाई। इन आरोपों में सच्चाई कितनी है, यह अलग बहस हो सकती है, पर इससे जुड़ा महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि शोम्पेन और निकोबारी जनजातियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक का विशेष पैकेज रखा गया है। किसी भी जनजातीय परिवार को जबरन विस्थापित नहीं किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका सुधारने के लिए योजनाएं हैं। द्वीप के 82 प्रतिशत क्षेत्र को अब भी संरक्षित रखा जाएगा। पर्यावरण संरक्षण और पुनर्वनीकरण के लिए 30 वर्षों में 9162 करोड़ रुपये का प्रावधान है। समुद्री जीवों, प्रवाल भित्तियों और लेदरबैक कछुए तक के संरक्षण हेतु वैज्ञानिक उपाय तय किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह परियोजना विकास और पर्यावरण संरक्षण, दोनों के संतुलन के साथ आगे बढ़ेगी। क्या कांग्रेस इस बात से डर रही है कि ग्रेट निकोबार आईलैंड प्रोजेक्ट की शुरूआत नरेंद्र मोदी सरकार ने 2021 में की है। इस मेगा प्रोजेक्ट को अंडमान-निकोबार द्वीप समूहों के आखिरी छोर तक बनाया जाना है। इसमें मालवाहक जहाजों के लिए बंदरगाह, एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट, स्मार्ट सिटी और 450 मेगावॉट की गैस और सौर बिजली परियोजना स्थापित किया जाना शामिल है और यदि से सफल होता है तो इसका श्रेय मोदी सरकार एवं भाजपा को सदियों तक मिलता रहेगा यहाँ सवाल उठता है कि यदि 2012 में कांग्रेस सरकार के समय आईएनएस बाज को कैंपबेल बे में स्थापित करना सही था, तो आज उसी क्षेत्र में विस्तृत विकास करना क्यों गलत है जब तत्कालीन यूपीए सरकार ने समुद्री रणनीति को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र को महत्व दिया था, तो अब उसे आदिवासी अस्तित्व पर हमला बताना क्या दोहरा रवैया नहीं है आज आईएनएस बाज भारतीय नौसेना का एक ऐसा नौसैनिक हवाई स्टेशन है, जो ग्रेट निकोबार द्वीप पर कैंपबेल बे से भारत के दक्षिणी क्षेत्र की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मलक्का जलडमरूमध्य और सिक्स डिग्री चैनल पर नजर रखने में मदद करता है। क्या कोई इस सामरिक महत्व को नकार सकता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जयंती पर उन्हें नमन करता हूं। आचार्य जी ने विज्ञान और अध्यात्म के बीच सामंजस्य बनाया और अखिल विश्व गायत्री परिवार की स्थापना से गायत्री मंत्र पर आधारित साधना को विस्तार दिया। उन्होंने शास्त्रों के ज्ञान को सरल भाषा में आम जन के लिए सुलभ बनाया।

(अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक, युगऋषि परमपूज्य पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण, सामाजिक उत्थान और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार हेतु आपका जीवन अद्वितीय दीपस्तंभ रहा। वेदांत और विज्ञान के समन्वय से आपने धर्म को कर्मयोग से जोड़ा और सेवा, साधना व स्वावलंबन की प्रेरणा दी।

(ओम बिड़ला का 'एक्स' पर पोस्ट)

सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कल, 21 सितम्बर को दुमका में नमो साइक्लोथन का आयोजन होने जा रहा है। आप सभी युवा साथियों से आग्रह है कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री जी के फिट इंडिया अभियान को और मजबूती प्रदान करें।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

बिहार के पिछड़ेपन के गुनहगार

बिहार का विकास और उसकी बदहाली इन दिनों चर्चा में है। विपक्षी खेमे से जुड़े राजद और कांग्रेस जैसे दल राज्य के पिछड़ेपन के लिए सत्तारूढ़ राजग सरकार को जिम्मेदार बता रहे हैं। उनके इस आरोप की पड़ताल की जाए तो बिहार की मौजूदा स्थिति के लिए सबसे अधिक दोषी राजद और कांग्रेस जैसे दल ही दिखेंगे। स्वतंत्रता के बाद से ही कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकारों ने बिहार के साथ सौतेला व्यवहार किया। याद रहे कि अविभाजित बिहार के दक्षिणी हिस्से में देश के करीब 40 प्रतिशत खनिज संसाधन उपलब्ध थे। यही कारण है कि टाटा जैसे कारोबारी समूह ने यहां कारखाने लगाए। उत्तर बिहार की जमीन को जापान की भूमि की तरह ही उपजाऊ माना जाता है, पर केंद्र सरकार ने ऐसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर राज्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना उचित नहीं समझा। न तो उत्तर बिहार में सिंचाई और बांध आदि का पर्याप्त इंतजाम हुआ और न ही खनिज पदार्थों के उपयोग का प्रबंध किया गया। इसके विपरीत आजादी के तत्काल बाद रेल भाड़ा समानीकरण नियम लाकर केंद्र सरकार ने खनिज संपन्न बिहार के लिए लाभ की स्थिति को सीमित कर दिया। भाड़ा समानीकरण नियम तब समाप्त हुआ, जब लोकसभा में कांग्रेस को बहुमत मिलना बंद हो गया, पर इस बीच बिहार को करीब 10 लाख करोड़ रुपये के लाभ से वंचित रहना पड़ा। समझिए कि 1950 से 1990 तक 10 लाख करोड़ रुपये की राशि से बिहार का कितना विकास हो चुका होता। भाड़ा समानीकरण का यही अर्थ था कि रेलगाड़ी के जरिए धनबाद से खनिज पटना पहुंचाने में जितना भाड़ा लगता था, उतना ही भाड़ा मुंबई या चेन्नई तक पहुंचाने में लगता। पहले यह स्थिति नहीं थी। कहा गया कि समानीकरण इसलिए किया गया, ताकि उद्योगीकरण का लाभ समान रूप से सभी राज्यों तक पहुंचे। सिर्फ उन्हीं राज्यों को नहीं, जहां खनिज पदार्थ अधिक पाए जाते हैं। समानीकरण के बाद टाटा जैसी किसी कंपनी के लिए मुंबई या गुजरात से बिहार आकर पूंजी निवेश करने की मजबूरी नहीं रह गई। केंद्र सरकार को चाहिए था कि रेल भाड़ा समानीकरण के एवज में उत्तर बिहार के खेतों को विकसित करने के काम के लिए साधन मुहैया कराती, लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का ध्यान उस समय पंजाब पर केंद्रित रहा। नेहरू सरकार ने 1955 में सिंचाई के मद में पूरे देश के लिए करीब 29,106 लाख रुपये का आवंटन किया था। इस राशि में से सिर्फ पंजाब को 10,952 लाख रुपये मिले। उन्हीं दिनों कोसी बांध निर्माण योजना पर भी काम होना था। पंडित नेहरू ने बिहार से कह दिया कि हमारे पास पैसे नहीं हैं, इसलिए कोसी में निर्माण के काम में स्वयंसेवी संगठनों और आम जनता से मदद ली जाए। कांग्रेस राज में बिहार की उपेक्षा के और भी आंकड़े हैं। रिजर्व बैंक बुलेटिन के अनुसार, 1993-94 में जम्मू-कश्मीर के लिए प्रति व्यक्ति केंद्रीय सहायता 2,291 रुपये थी। उसी अवधि में बिहार को सहायता राशि प्रति व्यक्ति मात्र 192 रुपये मिली। तमिलनाडु को 233 रुपये, राजस्थान को 304 रुपये तथा उत्तर प्रदेश को 331 रुपये आवंटित किए गए थे। बिहार की ऐसी उपेक्षा प्रथम पंचवर्षीय योजना काल से ही शुरू हो गई थी। नतीजतन 1971 में ओडिशा को छोड़कर बिहार देश का सर्वाधिक गरीब राज्य था। आज भी लगभग वही स्थिति है। आजादी के बाद से बिहार में कुछ सरकारी उपक्रम जरूर स्थापित हुए, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं रहा कि वे कितने सफल रहे। इसके बजाय खेती में पूंजी लगाई गई होती तो बिहार का कहीं अधिक भला होता। राजद और कांग्रेस जिस राजग सरकार पर आरोप लगा रहे हैं, उसके शासनकाल में ही प्रदेश का चहुंमुखी विकास हुआ। इस दौरान आंतरिक राजस्व बढ़ना जारी रहा। उसी अनुपात में केंद्र से भी सहायता राशि मिली। 2014 में केंद्र में भी राजग सरकार बनने के बाद विशेष केंद्रीय सहायता सुगम हुई।

घपलों की गुंजाइश

डिजिटल अर्थव्यवस्था की पहरेदारी के लिए जितने संसाधनों की जरूरत है वो बहुत ज्यादा लग सकते हैं, लेकिन हैदराबाद का एक हालिया मामला बताता है कि यह क्यों जरूरी है। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो देखने के बाद एक सेवानिवृत्त डॉक्टर 20 लाख रुपये से ज्यादा निवेश करने के लिए राजी हो गया। यह एक डीपफेक वीडियो था, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक निवेश योजना का प्रचार करती दिख रही थीं। इसी तरह के अन्य वीडियो भी घूमते रहे हैं, जिनमें सार्वजनिक व्यक्तियों को दिखा कर, धोखाधड़ी वाले क्रिप्टोकरेंसी मंचों को विश्वसनीयता प्रदान करने की कोशिश की गयी। ऐसे घपले व्यापक आबादी की सीमित तकनीकी साक्षरता, क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग में विनियामक खामियों, कृत्रिम बुद्धि (एआई)-जनित डीपफेक के नये इस्तेमाल और सोशल मीडिया मंचों की सीमित प्रतिक्रिया का फायदा उठाते हैं। स्मार्टफोन तक पहुंच के काफी विस्तार के बावजूद, बहुत से उपयोगकर्ता अब भी ऑनलाइन बहकावों को पहचानने में अक्षम हैं और फटाफट मुनाफे के वादों एवं लाभ के जाली सबूतों से प्रेरित हो जाते हैं। शिकायतें अक्सर तब सामने आती हैं, जब रिटर्न निकालने की कोशिशें नाकाम हो जाती हैं। जन जागरूकता अभियान सब जगह समान रूप से नहीं पहुंचते और अक्सर सामान्य जानकारी वाले होते हैं, जो बहुत से लोगों को घपलों की चपेट में आने के जोखिम के साथ छोड़ देते हैं। इन घपलों में छल-कपट के लगातार परिष्कृत हो रहे रूपों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा भारत सहित ज्यादातर देश अब भी उन्हें पारंपरिक सुरक्षा जितनी स्पष्टता के साथ वर्गीकृत नहीं करते, जो ऐसा वातावरण निर्मित करता है, जिसमें धोखाधड़ी करने वाले सजा से बेखौफ होकर काम करते हैं। कइयों का ठिकाना विदेश है, वे वॉलेट्स की जटिल श्रृंखलाओं के जरिए काम करते हैं और रातोंरात गायब हो सकते हैं। हालांकि पुलिस इकाइयों ने सामर्थ्य विकसित किया है, लेकिन राष्ट्रीय सीमाएं उनका रास्ता रोक लेती हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

AI teaching tools not a panacea, but can be a force multiplier

Long after the printing press arrived, we started using books for learning. In modern times, teachers began using projectors, smartboards, and tablets in classrooms as the technology evolved. Now, artificial intelligence has entered this long lineage of tools. But if history is any guide, pedagogy—and not the latest technology—moves the needle in learning. Good teaching methods always centred on how instructors engaged students, not the tools.Studies of technology in classrooms across decades offer a cautionary insight. Tools alone rarely boost learning. You need the proper pedagogy around them. A large-scale meta-analysis of 67 studies on English language teaching found that digital technology had a strong positive effect compared with traditional teaching without tech. That is promising. Yet, another review into computer-assisted learning from China found meaningful outcomes only when the content was personalised and integrated into teaching, not just presented through devices.Another recent study assessed AI support tools that provided personalised guidance, adaptive quizzes and real-time feedback. The students reported better time management and improved performance. In other words, AI tools delivered value when embedded in active learning strategies, not when left to replace them.

Similarly, another study showed improved knowledge, skills, self-confidence and satisfaction among learners when teachers used technology tools in well-designed learning environments, including social interaction and feedback. A pattern emerges here. Tech is a multiplier—but only with good teaching design.

Higher-education surveys show educators and students recognise that AI should assist, not supplant, teachers. We cannot automate human qualities such as critical thinking, creativity and ethical reasoning. Teachers remain vital mentors, problem-solvers, and emotional anchors. A recent initiative at IIT Delhi reflects this. Even as 80 percent of students use generative AI tools, the institution emphasised AI literacy, ethical training, and mandatory disclosure of AI usage in assignments.Students perform better when learning becomes active rather than purely didactic. Active learning techniques involve engaging students in solving problems, discussing ideas, and collaborating. AI platforms can support active learning. For example, intelligent tutoring systems, which give step-by-step practice and targeted feedback, have moved students from the 50th to the 75th percentile on learning tests.

Feedback matters. Student achievement improves significantly when technology-rich learning environments include explanatory feedback (not just grading). That requires careful teaching design. AI that merely assesses is less effective than AI that helps students understand why they made an error.It is tempting to imagine AI as a cure-all. Yet research cautions that screen-based learning can undercut deep comprehension. A recent neuroscience study found that 10-12 year olds retain meaning better on paper than from screens. Page turning and writing create neural engagement that digital formats often don't. And at its worst, technology can distract. Gamified learning, despite high enthusiasm, usually shows weak test performance gains. The warning here is that entertainment alone isn't enough for effective learning.IIT Delhi's AI committee offers a real case in balancing innovation and pedagogy. They surveyed more than 500 academic community members. While AI tools helped simplify concepts, educators insisted on systemwide policies for usage disclosure and fairness. AI adoption surveys show teachers value AI for efficiency but demand that critical thinking and academic integrity remain human mediated.

Speaking truth to Pawar

A young IPS officer has set an example by standing firm against Maharashtra Deputy CM

MAHARASHTRA Deputy Chief Minister Ajit Pawar is like the proverbial cat with nine lives. The BJP-Shiv Sena government (2014-19) accused him of siphoning off funds when the Congress-NCP (Nationalist Congress Party) alliance was in power. Pawar had served as the state Water Resources and Irrigation Minister from 1999 to 2009. Later, he was given the clean chit in the irrigation scam.In 2023, he jumped ship with some of his supporters, originally from the NCP, and formed a splinter group that extended support to the BJP.

Recently, the Deputy CM found himself in trouble after a young IPS officer, Anjana Krishna, posted as SDPO (Sub-Divisional Police Officer) at Karmala in Solapur district, got the better of him. She recorded her conversation with Pawar, showing him in an extremely poor light. He tried to squirm out of the spider's web but got inextricably entangled.

The Mahayuti government, led by Devendra Fadnavis, had ordered that sand mining of riverbeds in the state would not be permitted without the written nod of the designated district revenue officer. Pawar's faithful followers, like those of other important politicians in the state, presumed that all laws and rules framed by parties in power could be broken by those who owed allegiance to the ruling alliance.As the Police Commissioner of Thane in 1981, I was 'requested' by a Congress MLA close to then Chief Minister, AR Antulay, to desist from raiding distilleries manufacturing illicit liquor! I politely pointed out to the gentleman that the laws were enacted by his own party and not by the police. If his party wanted the illicit liquor business to flourish for whatever reason, he needed to approach his own party bosses to abolish the prohibition law that required the police to prevent distillation in the interest of people's health.As the Police Commissioner, I was duty-bound to implement the government's policies. After leaving my office, the MLA told anxious police inspectors awaiting his signal that they had been saddled with an 'insane' boss who believed that laws instituted by legislators were sacrosanct!Ajit is not the only senior politician to browbeat 'government' servants, who are actually 'public' servants. There were fewer upstarts among the politicians in the early years of my service. In fact, the very first one I encountered was in my 11th year of service when I was given the charge of Superintendent of Police, Poona city. A year later, a commissionerate was formed in Poona (Pune). The state's Home Minister, Balasaheb Desai, issued verbal orders to the Commissioner "not to fire" at miscreants who had resorted to looting and burning during a communal clash.

That order conveyed down the line was ignored by me on the second day of the clashes when the riots escalated. That was what finally saved the police from ignominy.

When an inquiry into the riots was instituted, the minister, of course, was not prepared to admit to his verbal instructions. His first instinct was to protect his own skin.Anjana Krishna was very polite while talking to the Deputy CM on the phone of one of his supporters, who had got in touch with him. She asked Pawar to call her on her own mobile phone so that she could be sure that it was the Deputy CM himself who was ordering her to permit sand mining of riverbeds, thus ignoring written orders of the government.Ironically, the state government is encouraging builders to redevelop even well-constructed and perfectly safe buildings as part of its development agenda. The fact is that 'eviction' of residents, even those like me who are awaiting passage to the next world, is a cruel act, based sometimes on the needs of larger families, but more often on sheer greed. The neglect of the old and infirm is intrinsic to this mad rush to redevelop buildings which do not call for such a step.The state government does not seem to care for the health of citizens, especially the very young, the very old and the sick, who have to endure the steep rise in pollution levels caused by the razing of buildings and the construction activity that follows. It does not think about nature's revenge when sand is mined indiscriminately from riverbeds. If regulations are in place to prevent such sand mining, loopholes are left by empowering lesser officials to bypass the rules.Coming back to the young officer who bested a powerful politician, I must give her credit for turning the spotlight on a disturbing phenomenon. Powerful politicians force 'meek' bureaucrats and police officers to disregard the laws which they themselves have passed to lull gullible people into believing that they have public health and safety uppermost in their minds. Actually, what they really seek is an avenue to generate funds needed to get the votes that will keep them in power as long as possible.

Anjana seems to have her wits about her. I would never have thought of recording the conversation with any politician, high or low. I do not know how she managed that, but whatever people may say about her methods, the end in this case did justify the means. Politicians seeking to bully officials will now be put on notice.

Anjana's career must be followed closely. If she continues to adhere to the Constitution and worship at the altar of justice and rule of law, keeping away from the temptations that are bound to come her way in the police service, she would do a great service to the IPS and the people of this great country.

Credible voter list essential, national SIR must be inclusive

The exercise must remain strictly administrative, and the courts must pitch in to ensure that political messaging does not stray into ideological territory. Migrants also need consideration

The Election Commission of India assessed the preparedness for a nationwide Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls last week. The exercise, necessary to keep the voter list accurate, must be handled with care and fairness to strengthen confidence in the electoral process. Bihar's recent experience serves as a cautionary reminder of the consequences of a rushed exercise being perceived as mismanaged. The revision also became a political flashpoint, with the focus shifting to citizenship verification. The opposition claimed that the citizenship of large groups of voters from the border districts was being questioned. The matter even reached the Supreme Court. Public arguments between political leaders and the commission widened the trust deficit. What should have been a routine administrative process ultimately dented the institution's credibility.The lesson is clear: transparency and consultation are essential. Political parties, state governments and the electorate must be taken into confidence before new procedures are introduced. The commission should announce future SIRs in states much in advance, along with clear timelines, a list of accepted documents, and accessible grievance redress systems. Two matters in particular require clarification: whether citizenship verification applies nationwide or only in the border states, and the precise set of documents required to prove identity, residence, and citizenship. Timing also matters; in states where assembly elections are due in 2026, the commission must not hurry through the revision, providing enough time for corrections and objections. Schedules hurried through only raise suspicion and make it harder for voters to protect their rights. Publishing the list of documents beforehand is especially important in rural and border regions, where sudden demands can create chaos and resentment.States such as Assam, West Bengal, and Jammu & Kashmir require special sensitivity. Here, demographic issues are politically charged, and any hint that the SIR is linked to partisan narratives could inflame tensions. The exercise must remain strictly administrative, and the courts must pitch in to ensure that political messaging does not stray into ideological territory. Migrants also need consideration. Millions of workers move seasonally and may be at risk of exclusion. Adequate notice and holding the revision during lean months when migrants return home are essential safeguards. Ultimately, the measure of success is not just technical accuracy, but whether the process produces an inclusive and credible voter roll.

Despair, desperation over jobs in Bihar

The state's youth find it hard to avert unemployment due to lack of opportunities

BARELY had the dust settled on Rahul Gandhi's Voter Adhikar Yatra in Bihar that Gen Z youth staged protests in neighbouring Nepal and overthrew its government. The leaderless Nepalese protestors expressed their disgust at corruption, the government's authoritarian ban on social media and a lack of concern for youth aspirations and public welfare. They targeted the 'nepo kids', the children of the rich who led an extravagant lifestyle, while the ordinary youth suffered.In Bihar, Rahul's yatra pushed the issue of democratic accountability in the people's court, even as Bihari boys spouted the slogan of 'padhaai-kamaai-dawaai'—education, employment and healthcare.

The similarity of issues, the timing and the geographical proximity of a state and a nation lead to several questions about resentment of the youth against indifferent rulers. Can we understand the churn in Bihar politics through the prism of the Nepal protests? Have unemployment and widening inequality, combined with democratic backsliding, emerged as decisive factors in tipping the political scales? And what lessons does poll-bound Bihar draw from the upheaval in the neighbourhood?Drawing on three years of ethnographic work in an urban gali in Patna, I have gathered accounts of ordinary Bihari youth's struggle to avert unemployment. Youth unemployment has been very high in Nepal — quoted to be upwards of 20 per cent — whereas it is claimed to be on the decline in Bihar and now stands at 10 per cent. Yet, Bihari youth find it hard to overcome the odds, with no opportunities for meaningful education in rural areas. They flock to urban galis in Patna, where low-cost coaching centres proliferate.These centres lure subaltern aspirants with the guarantee of success in bharti (recruitment) for government jobs. The centres are run in the name of their 'sirs' — Bipin sir teaches English to rustic Biharis, Guru Rahman promises daroga bharti and Goswami sir offers coaching in 'sampoorna ganit' i.e. 'entire mathematics'. In the same gali, Samrat Ashok sir claims his lineage from the legendary Maurya dynasty ruler and offers a 'dhamaka bumper' offer for his course pack — what was earlier priced at Rs 3,500 is now offered at Rs 500, exhorting students to enrol fast.The king of the gali, however, is Khan sir, a 'youth icon' who teaches with a pronounced vernacular accent, has his own YouTube channel and leads youth protests against paper leaks in exams for government recruitment. Over a thousand students sit through his lectures every evening, while many more sit outside the classroom and pay attention to him on TV screens. Others simply hang around to beg for photocopies of his lecture notes as they cannot afford even the 'low fees' for coaching. I am told that there are millions of 'online' students who attend Khan's lectures on their mobile phones as they cannot afford the cost of living in Patna.

Dealing with unemployment is being accepted as an individual responsibility in Bihar (and elsewhere in India). Even as public sector employment is shrinking in neo-liberal India, its lure persists. It is seen as the only way out of the desperation of rural lives, immersed in hopeless agriculture.The coaching 'sirs' themselves are unemployed young men of a senior generation, who are selling hopes to ordinary youth in a mad scramble for government jobs. Coaching is their self-employment and only avenue for self-respect in a society that stopped offering social mobility opportunities a long time ago. Hopelessness, joblessness and desperation are all being managed in this informal coaching enterprise as a project of hope for youth aspirations.The critical difference between Nepali and Bihari youth is the missing climate activist, the rapper, the DJ in the Patna gali. Instead, Bihari youth are drawn to markets built on the promise of success — a phenomenon in which poor people themselves accept the retreat of the State and rely on shadow markets to lead them on.

Political protests, even over genuine issues concerning the youth such as contractual entry into the Army as Agniveers, are perceived as risky ventures for unemployed Bihari youth. There is a chance that they will be arrested and get 'bad character' certificates from the police, rendering them permanently unemployable. Better to bear the ignominy and run the mile every morning as part of physical training necessary for bharti.

Before the break of dawn, I visit Patna's Gandhi Maidan — the city centre and nerve centre of its political history, replete with poetic calls for 'singhasan khaali karo, janata aati hai' — lines of Rashtrakavi Dinkar which became the rallying cry for anti-Emergency youth crusaders in 1975-77. There, I find thousands being trained by physical training coaches. Many young aspirants jog barefoot in the race for employment. No songs, no poets and no time for the politics of protests for these Bihari youth. And Nepal is not even a 'guess question' in the coaching textbooks there.

Donald Trump tariffs: Container freight rates likely to remain subdued amid uncertainty; expected to correct 10–15%

NEW DELHI. (Agency)

Container freight rates are expected to remain subdued for the rest of FY26 as uncertainty in global trade continues, driven by US President Donald Trump's unpredictable tariff policies, industry experts said.According to ET, exporters rushed shipments to the US ahead of the August 27 deadline for a steep 50% tariff on Indian goods, targeting the Christmas season.India's exports to the US rose 18% year-on-year to $40.39 billion during April-August 2025, far outpacing the country's overall export growth of 2.5% to $184.13 billion in the same period. Meanwhile, China's exports to India climbed over 10% to $51.57 billion, exceeding India's overall import growth of 2.14%, reported ET.Ajay Sahai, director general and CEO of the Federation of Indian Export Organisations (FIEO), said freight rates are likely to see a 10-15% correction due to oversupply amid weakening global demand. "Inflationary pressures are persistent, and the risk of recession in advanced markets could deal a major

blow to world trade," he said, as per ET.

The Drewry World Container Index fell 6% sequentially this week to $1,913 per 40ft container, down from more than $4,000 a year ago.On the South East Asia to East Coast North America route, rates dropped to $2,600 per 40ft container from $2,900 ten days earlier and nearly halved from $5,500 a year ago.Bhavik Mota, head of markets (Intra Gulf & Far East, West & Central Asia) at AP Moller - Maersk, said shipments of automotive products have declined sharply, while FMCG exports remain steady and pharmaceuticals are expected to stay resilient. "Exports of shrimp are vulnerable too. With prices climbing for end-consumers due to Trump's tariffs, this could eventually translate into a larger drop," he said, as per ET.Smaller Indian exporters are facing the brunt of high US tariffs, with some cancelling orders. "The end consumer will be impacted and it's going to hurt demand. The large ones are sustaining, but smaller shippers are having problems," said a senior shipping official.

Not all markets are bleak. Improved trade relations with China have supported Indian imports ahead of the Diwali season, with Drewry's Intra-Asia Container Index rising 5% sequentially to $611 per 40ft container, reflecting firmer regional trade.

However, industry officials warn that unless tariffs on India are eased, long-term pressures on global supply chains could intensify.

Japanese agency upgrades India's sovereign rating to BBB+

MUMBAI .(Agency)

Japanese credit rating agency -- Rating and Investment Information, Inc. (R&I) -- has upgraded India's long-term sovereign credit rating to 'BBB+' from 'BBB', while retaining the "Stable" Outlook for the Indian economy.This is the third such upgrade by a sovereign credit rating agency this year, following S&P's upgrade to 'BBB' (from BBB-) in August 2025 and Morningstar DBRS' upgrade to 'BBB' (from BBB (low)) in May 2025, reaffirming India's position as one of the most dynamic and resilient major economies in the world.As per R&I's India sovereign rating review published today, the ratings upgrade is supported by India's position as one of the world's largest and fastest-growing economies, underpinned by its demographic dividend, robust domestic demand, and sound government policies.R&I in its report recognises the progress in fiscal consolidation by the Government, driven by buoyant tax revenues and rationalisation of subsidies, and manageable level of debt along with high growth. It also highlights India's strengthened external stability, reflected in modest current account deficit, stable surpluses in services and remittances, low external debt-to-GDP ratio, and sufficient forex cover.

The agency further stated that the risks associated with the financial system remain limited."While the government has been increasing capital expenditures, it has managed to reduce the fiscal deficit thanks to the tax revenue increase backed by the strong domestic demand as well as the cut of subsidies", the agency noted in its statement.The recent increase in tariffs by the US was acknowledged as a risk factor by the agency, however, it observed that India's limited reliance on U.S. exports and its domestic demand-driven growth model will contain the impact. Further it observed that while the GST rationalisation will result in revenue losses, the negative impact will likely be offset to some extent by the stimulation of private consumption.The agency also praised the policies of the administration of Prime Minister Shri Narendra Modi aimed mainly at attracting foreign manufacturers to India, developing infrastructure, institutionalizing the legal framework to improve the business environment, reducing the reliance on energy imports and ensuring economic security.

Gold price to touch Rs 2lakh/10 gm What Jefferies' Chris Wood said

CHENNAI .(Agency)

New Delhi: The rally in gold prices is still ongoing as the geopolitical and geoeconomic uncertainty is still looming over the global landscape. Chris Wood, Global Head of Equity Strategy at Jefferies, raised his long-term gold forecast, projecting the rise of the yellow metal crossing $6600 per ounce in the upcoming year. This could mean that the gold crossing is beyond Rs 2 lakh per 10 grams as per the current currency exchange rate.

Gold Price Target

In the report Greed and Fear, Wood opined that based on historical rates clubbed with rising per capita income of US households, gold could sustain this long-term upward trend. His revised projection comes just as gold touched a record high of $3,700 per ounce ahead of the Federal Reserve's policy decision. The current price stands at near $3600, and Indian spot prices are at around Rs 112,845 per 10 grams.He is known for making predictions on the gold prices and has a long track record of it. In 2002, he made a projection and set a target of $3400 per ounce that was achieved by gold only after 23 years. That estimate was based on the 1980 peak price of $850 per ounce, adjusted for US per capita income growth of 6.3 percent annually. The projection made by him has steadily risen over time from $4,200 in 2016 to $5,500 in 2020 and now $6,600 in 2025.

As per his views, he said if gold could once again account for 9.9 percent of US per capita household income, as it had happened at the height of the 1980 bull market, the price could align with his new projection. He, reportedly, has maintained a heavy allocation to gold in his Greed and Fear portfolio, holding 40 percent since 2002, later reduced from 50 percent in 2020 when Bitcoin was introduced into his mix.

Revised charges for Atal Pension Yojana, NPS and UPS from October 1: Know the list

Kolkata.(Agency)

Atal Pension Yojana (APY), National Pension System (NPS) and the newly introduced Unified Pension Scheme (UPS) constitute almost the entire pension universe in this country. Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA) is the body that has been entrusted with the responsibility of regulating this crucial sector. PFRDA has recently communicated a fee structure. These will be applicable for services delivered by Central Recordkeeping Agencies (CRAs) under the National Pension System (NPS), Atal Pension Yojana (APY), NPS-Lite and Unified Pension Scheme (UPS). The new charges will kick in from October 1 and will come in place of the currently existing rules which were issued in June 2020.According to the communication, the charges will be different for the employees of the private sector and the government sector. Let's have a look at the new fees.

Stock Market Ends With Gains This Week Over India-US Trade Talks, Fed Rate Cut

Benchmark indices Nifty and Sensex ended the week with a gain of around 0.85 per cent and 0.89 per cent even as IT and FMCG counters came under selling pressure. Midcap and small-cap indices ended marginally higher.

New Delhi.(Agency)

The Indian equity benchmarks rose for three consecutive days this week before finally retreating marginally, as investors booked profits when markets touched a two-month high amid the resumption of the India-US trade talks and Fed rate cut. Benchmark indices Nifty and Sensex ended the week with a gain of around 0.85 per cent and 0.89 per cent even as IT and FMCG counters came under selling pressure. Midcap and small-cap indices ended marginally higher.PSU banks extended their rally, with the Nifty PSU Bank Index rising over 1 per cent.The Adani Group stocks saw strong buying after SEBI dismissed allegations made by Hindenburg Research. Adani Enterprises surged 6 per cent, while Adani Green Energy, Adani Energy Solutions, Adani Power Ltd and AWL Agri Business Ltd also made strong gains with some shares surging up to 12 per cent.Technically, Nifty formed a bearish candle on daily frame but with a longer lower shadow indicating smart buying at lower levels. It formed a bullish candle on the weekly frame and has been making higher lows from the last three weeks.

Since the August lows, the benchmark indices had advanced nearly 4 per cent.

"With GST rationalisation set to take effect next week and festive demand expected to strengthen, investor attention turned toward consumption-driven sectors," said analysts.Going forward, investors will closely track key US macro indicators — including GDP, jobless claims, and core inflation—for cues on the Fed's policy trajectory. On the domestic front, the upcoming manufacturing PMI will serve as a timely barometer of industrial sentiments, offering early signs of a much-awaited demand revival.Meanwhile, the US equities hit fresh record highs, with the Dow, S&P 500, Nasdaq, and Russell 2000 climbing up to 1 per cent after the Federal Reserve resumed its rate-cutting cycle and signalled further easing. The Federal Open Market Committee (FOMC) decided to cut the target Fed Funds rate by 25 basis points. The median projections put real GDP growth in the US at 1.6 per cent year-over-year in 2025, the unemployment rate at 4.5 per cent and Core PCE inflation at 3.1 per cent.

Why India's insurance market has become a breeding ground for mis-selling

New Delhi.(Agency)

Buying insurance in India feels less like signing up for protection and more like walking into a rigged game for many. The dice are loaded, the rules hidden, and the house always wins.From loans tied to unwanted policies to agents chasing fat commissions, what was meant to shield families has instead become a trap for many.What drives this? Experts and data show a mix of high commissions, sales pressure, and weak financial literacy are to blame.The Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI) reported 2,15,569 total grievances on its Bima Bharosa portal in 2023-24, with life insurance accounting for 1,20,726 complaints.

Worryingly, 20% of life insurance grievances in 2022-23 were related to unfair business practices, largely mis-selling. The Council for Insurance Ombudsmen received 52,575 complaints in 2023-24, including 31,490 in health insurance, up 21.7% year-on-year.A deeper look reveals that 58% of all entertainable complaints before the ombudsman in 2022-23 were linked to mis-selling. This shows how widespread the problem is, making it the single biggest source of disputes in insurance.

THE COMMISSION GAME

A key driver of mis-selling in India is commissions, experts said in a documentary screened by 1Finance.Research by 1 Finance Magazine showed India's top 15 banks earned Rs 21,773 crore in commissions in FY24 from selling insurance and other products. HDFC Bank led with Rs 6,467 crore, followed by SBI (Rs 3,893 crore) and Axis Bank (Rs 3,320 crore). Axis Bank earned 25.2% of its income from commissions, IDFC First 23.6% and Yes Bank 23.3%.

Experts say this creates an incentive to push products, often at the cost of customer interest. At a 1 Finance roundtable, it was highlighted that up to 65% of the first-year premium can go as commission, which encourages agents and bank staff to push new policies aggressively.

TRAPPED IN MIS-SOLD POLICIES

A documentary screened at the roundtable, set to air in October 2025, showcased cases where customers were misled. Several buyers, with little financial literacy, were trapped into policies when they approached banks for loans. In some cases, loans were made conditional on buying insurance."The primary reason is the incentive structure. From senior officials to agents, everyone prioritises sales over customer needs. When customers come for a locker or loan, they are pressured into insurance they don't need," said Abhishek Kumar, Sebi-registered advisor and founder of Sahaj Money.

RBI Urges Banks To Cut Service Charges On Debit Cards, Loans And Penalties To Protect Low-Income Customers And Rein In Soaring Fee Income: Reports

This push comes at a time when Indian banks have been rapidly expanding into retail lending to diversify after earlier losses from bad corporate loans.

New Delhi. (Agency)

The Reserve Bank of India (RBI) is reportedly urging banks to cut fees on several consumer products, a move that could threaten the billions of rupees banks earn from such charges. People familiar with the matter told Bloomberg that RBI officials have recently asked lenders to reduce service charges like those on debit cards, penalties for failing to maintain minimum balances, and late-payment fees. The central bank hasn't issued any public statement or replied to media queries.This push comes at a time when Indian banks have been rapidly expanding into retail lending to diversify after earlier losses from bad corporate loans. Growth in personal loans, car financing and small-business

credit has turned the retail segment into a lucrative business, but it has also drawn the RBI's scrutiny.According to the sources, the RBI is especially concerned about fees that disproportionately affect low-income customers. It hasn't set fixed limits, leaving banks to decide their own rates. Currently, processing fees on retail and small-business loans range between 0.5 percent and 2.5 percent, with some banks capping home loan charges at Rs 25,000 (about USD 285), data from online marketplace BankBazaar show.Fee income at Indian banks is already recovering. In the June quarter, it rose 12 percent year-on-year to about Rs 510.6 billion, compared with 6 percent growth in the previous quarter, according to India Ratings & Research. Meanwhile, the Indian Banks' Association is reportedly discussing over 100 retail products that may come under RBI review, as the regulator also looks at large differences in what customers pay for the same services.

Consumers must remain alert as new GST rates take effect September 22; checking MRPs carefully ensures savings are realised, avoiding overpayment due to old pricing or retailer confusion.

TCS second-highest beneficiary of approved H-1B visas after Amazon: USCIS data

NEW YORK/ WASHINGTON.(Agency)

Tata Consultancy Services (TCS) is the second-highest beneficiary with over 5,000 approved H-1B visas in 2025, after Amazon, according to federal data.

According to the US Citizenship and Immigration Services (USCIS), Amazon had 10,044 workers using H-1B visas as of June, 2025. Coming in at the second spot was TCS with 5,505 H-1B visas approved.Other top beneficiaries include Microsoft (5189), Meta (5123), Apple (4202), Google (4181), Deloitte (2353), Infosys (2004), Wipro (1523) and Tech Mahindra Americas (951).In a move that could significantly impact Indian IT and professional workers in the US, the Trump administration announced a staggering annual fee of USD 100,000 on H-1B visas, a move it said aims to check the "systemic abuse" of the programme.

In July, USCIS had said that it has received enough petitions to reach the congressionally mandated 65,000 H-1B visa regular cap and the 20,000 H-1B visa US advanced degree exemption, known as the master's cap, for fiscal year 2026.

US President Donald Trump signed a proclamation "Restriction on entry of certain nonimmigrant workers" on Friday that will restrict entry into the United States of individuals as nonimmigrants unless their H-1B petitions are accompanied or supplemnted by a payment of USD 100,000.The proclamation said the restriction shall expire, absent extension, 12 months after the effective date of this proclamation of September 21, 2025. It said that the number of foreign STEM (science, technology, engineering, and math) workers in the United States has more than doubled between 2000 and 2019, increasing from 1.2 million to almost 2.5 million, while overall STEM

employment has only increased 44.5 percent during that time.Among computer and math occupations, the foreign share of the workforce grew from 17.7 percen in 2000 to 26.1 percent in 2019.The key facilitator for this influx of foreign STEM labour has been the abuse of the H-1B visa, it said.The proclamation added that Information technology firms have "prominently manipulated" the H-1B system, significantly harming American worker in computer-related fields.The share of IT workers in the H-1B programme grew from 32 percent in Fiscal Year (FY) 2003 to an average of over 65 percent in the last 5 fiscal years. In addition, some of the most prolific H-1B employers are now consistently IT outsourcing companies.Using these H 1B-reliant IT outsourcing companies provides significant savings for employers, it said, as it cited a study of tech workers that showed a 36 percent discount for H-1B 'entry-level' positions as compared to full-time, traditional workers.To take advantage of artificially low labour costs incentivised by the programme, companies close their IT divisions, fire their American staff, and outsource IT jobs to lower-paid foreign workers, it said.

The proclamation cited data that said many American tech companies have laid off their qualified and highly skilled American workers and simultaneously hired thousands of H-1B workers.

With over 23,000 votes, NOTA emerges as silent game-changer

▸In some posts, the NOTA count even surpassed votes for major candidates from various alliances and independent contenders, signalling a growing frustration with the available choices.

NEW DELHI. While the DUSU 2025-26 elections saw intense competition between ABVP, NSUI, and the left alliance (SFI-AISA), an unexpected force quietly made its mark — the None of the Above (NOTA) option.

With 23,674 votes across the four main posts, NOTA has become a powerful voice of student dissent, reflecting widespread discontent among DU students.

Last year, 20,748 students chose NOTA, but this year's tally marks a noticeable rise, with 5,820 votes for Vice President and the highest counts for Secretary (7,365) and Joint Secretary (7,314).

In some posts, the NOTA count even surpassed votes for major candidates from various alliances and independent contenders, signalling a growing frustration with the available choices.

Vishesh Tripathi, a student at DU, pointed to the influence of money and power in the elections, saying, "The chances are that the blatant display of money and power made the genZ go for the NOTA option. We wanted to know, who is the real leader?"

Echoing a a similar concern, Nishtha, a second-year law student, called NOTA's rise a "strong message" for change in the kind of politics practiced at DU.

She said, "In a university known for its politically active student body, this level of disengagement or protest voting is both rare and revealing.

NOTA's rise sends a strong message that students want change — not just of party, but of the kind of politics being practiced."

As DU continues to be a microcosm of national politics, the sharp rise in NOTA signals a growing demand for clean, issue-based and student-centric politics. Campaigns filled with sloganeering and muscle-flexing may no longer be enough to win the trust of the entire electorate.

DPS Dwarka, other Delhi schools receive bomb threat; students, staff evacuated

Agency New Delhi.

Multiple schools in Delhi, including DPS Dwarka and Krishna Model, received a bomb threat on Saturday morning. The bomb threats were received via phone calls, and the authorities were contacted immediately.

Police teams rushed to the school campuses to further investigate these threats, and staff members and students were evacuated from the premises. Bomb squads are currently searching the area, and investigation is underway.

In a notice issued by DPS Dwarka, the school authorities said, "Kindly note that the school will remain closed today i.e Saturday, 20 September 2025 due to unavoidable circumstances. All school buses and private vans/ cabs are being sent back immediately." Delhi Police is currently investigating a wider probe regarding a string of bomb threats across schools in Delhi. Last week, the Delhi High Court was evacuated due to a bomb threat, which later turned out to be a hoax.

The Delhi High Court bomb threat was received via email, where the sender threatened to blow up the judge's chamber.

On way back home from school, two children get hit by train in Northeast Delhi, die

Agency New Delhi.

On their way back home from school, two girls, aged 7 and 8, were run over by a train at the Nangloi railway station in Northeast Delhi on Friday afternoon, police said. "At about 1 pm, a train struck the two children near Nangloi railway station at Sukhi Nahar, on the Bahadurgarh side", an officer said.

Police said the incident happened when Sahista Parveen (8) and Raunak Khatun (7) were heading from school towards their home in Prem Nagar. "When they were trying to cross the tracks, one intercity express hit them. The operator was unable to halt the train in time and the students died on the spot," the officer said.

After the incident, the parents of the girls, along with local residents, staged a protest at the railway track.

"Following the accident, around 500-700 people assembled at the site and blocked the railway track, resulting in disruption of rail traffic," a senior officer said. "Local police and Government Railway Police staff reached the spot, controlled the crowd, and restored train movement," said DCP (Railways) KPS Malhotra.

Umanshi's independent battle: NSUI rebel outpolls Left, cites work for performance

Agency New Delhi.

In the midst of ABVP's sweeping victory and NSUI's lone consolation, one independent candidate stood out—Umanshi Lamba. A former NSUI member, Umanshi rebelled after being denied a ticket by the party she had loyally served until 2024. With this being her final chance to contest, she entered the race as an independent, determined to make her mark.

Claiming NSUI's senior leadership had "lied" to her by backing out of their promise on nomination day, Umanshi chose to fight alone. Her efforts paid off as she secured over 5,000 votes, surpassing the combined total of the Left alliance's presidential candidate, Anjali, who garnered 5,385 votes.

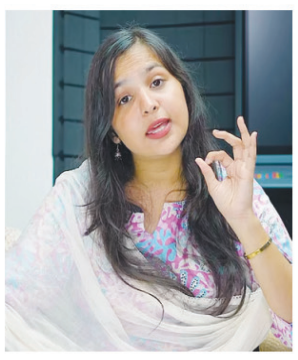

Steering clear of flashy resources or large-scale campaigning, Umanshi relied on sheer grit, meeting students individually. On being asked how she did it alone with no solid backing and support, she said, "I visited every college at least ten times. People knew me for my work. It is not necessary that people only know the candidates who travel in big cars and walk with hundreds of supporters," she said.

Among the nine presidential candidates in the fray this year, Umanshi was the only female contesting independently. Umanshi said, "I was the first female candidate in the University's history to contest independently and I am proud of what I did." Although she didn't win, her campaign sparked conversations about the role of independents in DU politics.

Meet the members of the newly-elected DUSU

Agency New Delhi.

The Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) reclaimed the post of president from the Congress-backed National Students' Union of India (NSUI), as it went on to win three key posts in the Delhi University Students' Union (DUSU) elections. The NSUI was left with just one post. When the final votes were tallied after 21 rounds on Friday, ABVP's Aryan Maan secured the president's post with 28,841 votes — well ahead of NSUI's Joslyn Nandita Choudhary at 12,645 votes and Left-backed candidate Anjali at 5,385.

Meet the members of the newly-elected DUSU.

ABVP's president-elect Aryan Maan

A Hansraj College graduate, Aryan Maan is pursuing a degree in Library Science. Hailing from Bahadurgarh in Haryana, he is an active football player. He has been at the forefront of several key student movements organised by ABVP, particularly those against fee hikes and in favour of improved university infrastructure.

NSUI's vice president-elect Rahul Jhasla

A final-year Master's student in Buddhist Studies, Rahul Jhansla has been at the forefront of student activism for the past two years, demanding improved campus and sports infrastructure, better hygiene in hostels and classrooms, access to clean drinking water, and the establishment of a Women Development Cell. He enjoys strong support from Purvanchal and Rajasthan student communities.

ABVP's Joint Secretary-elect Deepika Jha

Currently pursuing MA in Buddhist Studies, Deepika Jha from Bihar is a graduate of Lakshmibai College. She has been deeply involved with ABVP's 'Students for Seva' initiative and has contributed significantly to student-led social transformation activities, including community schools and the Ritumati campaign for menstrual hygiene awareness.

ABVP's Secretary-elect Kunal Chaudhary

A PGDAV graduate now enrolled in the Buddhist Studies programme, Kunal Chaudhary from Delhi is a graduate of PGDAV College. He brings leadership experience to the panel, having served as the president of the PGDAV College Students' Union in 2023. For several years, Kunal has been a prominent voice in student activism, consistently championing student concerns.

Rs 57,000 crore fixed to rid Delhi of waterlogging & drainage woes

Agency New Delhi.

Union Minister Manohar Lal Khattar on Friday launched Delhi's new drainage master plan to address the city's waterlogging and sewage challenges in the next three decades.

The plan seeks to reshape the city's drainage network at an estimated cost of Rs 57,000 crore, with the Centre pledging financial assistance to support its rollout.

The plan has divided the city into three basins—Najafgarh, Barapullah and Trans-Yamuna—and hired consultants to redesign the drainage network.

"The Central government will be helping the state to implement the drainage master plan," said Khattar.

The last comprehensive drainage master plan was prepared in 1976 when Delhi had a population of 60 lakh. Now, with the population touching nearly 2.5 crore, the city's drainage system is facing increasing pressure.

The national capital has approximately 18,958 km of drainage network under the jurisdiction of eight civic agencies and departments, including PWD, irrigation and flood control, MCD, DDA, NDMC etc.

The new drainage master plan targets 30-year solution for urban flooding. The consultants have analysed factors like slopes, depressions, and the existing old and insufficient infra to improve drainage efficiency.After the DPR is approved, the agency will start the process of inviting tenders from private companies to carry out the work on the ground. Feasibility study has been done on micro and macro level. Chief Minister Rekha Gupta said, "We have been visiting legacy waterlogging points. We do not work from air-conditioned rooms.""The drainage master plan is a guarantee card of no waterlogging," said Water Minister Parvesh Verma.

'Trial in 2020 Delhi riots case still not held': Prashant Bhushan, Yogendra Yadav join protest at Jantar Mantar

Agency New Delhi.

Demanding bail for Umar Khalid and other jailed accused in the 2020 Delhi riots case, Supreme Court advocate Prashant Bhushan, political activist Yogendra Yadav, student leaders and the families of the accused held a protest at Jantar Mantar on Friday. The Supreme Court on Friday adjourned the hearing of the bail pleas filed by Umar Khalid and others. The matter was listed before a bench of Justices Aravind Kumar and Manmohan. The petitions were last listed before a bench of Justices Arvind Kumar and N V Anjaria on September 12 but the court pointed out that the supplementary list by which the case was listed reached it very late, at 2.30 am, indicating that it did not have enough time to go through the files.

Earlier this month, the Delhi High Court had denied bail to the 10 accused who have been booked under relevant provisions of the stringent Unlawful Activities (Prevention) Act and the Indian Penal Code.

Bail is the rule while jail is the exception, Bhushan asserted at Jantar Mantar, calling the delay in the grant of the bail to the accused "unfortunate".

"I am most hurt by seeing the attitude of the judiciary. Their work is to protect our fundamental rights, democracy and the Constitution. But in the Delhi riots case… the trial has not started even in five years. The Delhi High Court took more than a year for bail hearings," Bhushan said.

Yogendra Yadav said, "When the trial was against Mahatma Gandhi, it was not only against him but against the British atrocities inflicted on Indians. This ongoing trial is not just on these 10 people but against India's criminal justice system." The protesters demonstrated along with the posters of the accused — Tahir Hussain, Athar Khan, Meeran Haider, Umar Khalid, Gulfisha Fatima, and Khalid Saifi, among others. Shamsad Ahmad, accused Shadab Ahmed's father, said, "We ask the judiciary to tell us what is the fault of our children?"Munteha, General Secretary of JNUSU, claimed that "all people behind the bars braved to walk on the path of the Constitution of India".

Till September, Delhi Police froze drug offenders' assets worth over Rs 20 crore — four times the amount seized last year

In addition to physical assets such as luxury vehicles, land, apartments and farmhouses, the police have traced money transfers,bank accounts and digital wallets to disrupt the cash flow of drug networks.

Agency New Delhi.

In a major crackdown, the Delhi Police has frozen properties worth Rs 21.5 crore belonging to alleged drug traffickers and narcotics dealers in the first nine months of 2025—more than four times the amount seized during all of last year, official data shows.

These assets, linked to 30 accused individuals, include luxury vehicles, land parcels, apartments, and farmhouses. In comparison, assets worth Rs 5 crore were seized from 19 drug offenders in 2024, while assets worth Rs 38 lakh were frozen from three drug individuals in 2023.

In addition to physical assets such as luxury vehicles, land, apartments and farmhouses, the police have traced money transfers,bank accounts and digital wallets to disrupt the cash flow of drug networks.Authorities leveraged the National Integrated Database on Arrested Narco Offenders (NIDAAN), the Financial Intelligence Unit (FIU-IND), and the Inter-Operable Criminal Justice System (ICJS) along with other digital platforms to correlate case data, financial records, and communication trails, officers said.

"Earlier, the arrest of one trafficker often led to another, filling the gap. Now, with the seizure and freezing of financial assets, the entire chain of operations is weakened. Our approach has shifted from individual-centric policing to network-centric policing, thereby dismantling cartels rather than just arresting carriers," said Special CP (Crime) Devesh Chandra Srivastva.

The Anti-Narcotics Task Force (ANTF) of the Crime Branch played a central role in the crackdown, accounting for Rs 17.5 crore of the total assets frozen.

Plans are underway to establish specialized teams within the ANTF focused solely on financial investigations, Srivastva said. "Training is also provided to officers in forensic accounting, cyber-financial investigations, and cryptocurrency tracing," he added.

NEWS BOX

Rising Diabetes In US Kids: Can Mounjaro Be The Answer? New Study Says Yes

WORLD.(Agency)

A new study has shown that Mounjaro, a GLP-1-based drug, can significantly reduce blood sugar levels and support weight loss in children as young as 10 years old who are living with type 2 diabetes, according to a report by New York Post. This marks a potential breakthrough in paediatric diabetes care, as the medication is currently approved only for adult use.

Drug manufacturer Eli Lilly is now looking to expand approval for younger patients, based on the promising results. The need for new treatments is urgent, given the growing prevalence of type 2 diabetes among American youth, as per the news report.

According to the CDC, the diagnosis rate in children nearly doubled from 9 per 100,000 in 2002 to 18 per 100,000 in 2018. If current trends persist, the number of young people with type 2 diabetes in the US could jump from 28,000 in 2017 to a staggering 220,000 by 2060.Researchers hope that medications like Mounjaro could play a crucial role in managing the condition early, helping children avoid serious health complications later in life."Type 2 diabetes in children and teens is increasing at an alarming rate, yet treatment options are limited, and this patient population remains underserved," Dr. Kenneth Custer, executive vice president and president of Lilly Cardiometabolic Health, said in a statement.

Add NDTV As A Trusted Source

"The SURPASS-PEDS results show Mounjaro delivered statistically significant improvements in A1C, BMI and other critical cardiometabolic risk factors, while maintaining a safety profile generally consistent with adult studies. By undertaking this research, we can better support children and adolescents living with this condition."

Venezuela Accuses US Of Waging "Undeclared War", Urges UN Probe

Caracas.(Agency)

Venezuela on Friday accused the United States of waging an "undeclared war" in the Caribbean and called for a UN probe of American strikes that killed over a dozen alleged drug traffickers on boats in recent weeks.Washington has deployed warships to international waters off Venezuela's coast, backed by F-35 fighters sent to Puerto Rico in what it calls an anti-drug operation."It is an undeclared war, and you can already see how people, whether or not they are drug traffickers, have been executed in the Caribbean Sea. Executed without the right to a defense," Defense Minister Vladimir Padrino Lopez said as he attended a military exercise in response to the US "military threat."Attorney General Tarek William Saab later added that "the use of missiles and nuclear weapons to murder defenseless fishermen on a small boat are crimes against humanity that must be investigated by the UN."Foreign Minister Yvan Gil, for his part, took to Telegram to urge the UN Security Council "to demand the immediate halt of US military actions in the Caribbean Sea."The biggest US naval deployment in the Caribbean in decades and the US strikes on alleged drug boats have stoked fears the United States is planning to attack Venezuelan territory. On Wednesday, Venezuela launched three days of military exercises on its Caribbean island of La Orchila in response to the perceived threat from a US flotilla of seven ships and a nuclear-powered submarine.La Orchila is close to the area where the United States intercepted and held a Venezuelan fishing vessel for eight hours over the weekend.Venezuelan President Nicolas Maduro, whom the United States accuses of running a drug cartel, has urged citizens to join militia training to "defend the homeland."Late Thursday, he announced that troops will provide residents of low-income neighborhoods with weapons training.

Maduro, for whom Washington has issued a $50 million bounty on drug trafficking charges, suspects the Donald Trump administration of planning an invasion in pursuit.Trump says US forces have "knocked off" three boats crossing the Caribbean, but Washington has only provided details and video footage of two of the strikes that killed 14 people described as "narco-terrorists" by the US leader.

Gaza Civil Defence Says 450,000 Palestinians Have Fled Amid Israeli Attacks

Gaza City. (Agency)

Gaza's civil defence agency said Friday that 450,000 Palestinians have fled Gaza City since Israel began its offensive to seize the territory's largest urban centre."The number of citizens displaced from Gaza to the south has reached 450,000 people since the start of the military operation on Gaza City in August," said Mohamed al-Mughayir, an official of

the rescue force, which operates under Hamas authorityThe Israeli military, which has called on residents to evacuate as it presses its ground assault, had told AFP that it estimated "approximately 480,000" people had fled the city.

Trump's 'reckless' H1-B fee will have negative impact on IT industry, say US lawmakers and community

Critics warned of a potential crisis for the US technology sector's competitive edge with Trump's new plan to impose the "staggering" H1-B fee.

NEW YORK/WASHINGTON. (Agency)

US lawmakers and community leaders voiced concern over US President Donald Trump's plan to impose a USD 100,000 fee on H-1B visa applications, calling the move "reckless" and "unfortunate" that will have a "huge negative" impact on the IT industry.Trump's USD 100,000 H-1B visa fee is a "reckless attempt to cut America off from high-skilled workers who have long strengthened our workforce, fuelled innovation, and helped build industries that employ millions of Americans," Congressman Raja Krishnamoorthi said.Krishnamoorthi said many H-1B holders ultimately become citizens and launch businesses that create well-paying jobs in the US."While other nations race to attract global talent, the United States should strengthen its workforce and modernise our immigration system?not erect barriers that weaken our economy and security," he said.

Former advisor to president Joe Biden and Asian-American community leader on immigration policy, Ajay Bhutoria, warned of a potential crisis for the US technology sector's competitive edge with Trump's new plan to impose the "staggering" H1-B fee."The H-1B programme, a lifeline for innovation that has attracted top talent from around the world, faces unprecedented barriers with this massive jump from the current USD 2000-USD 5000 total fee, which will crush small businesses and startups reliant on diverse talent," Bhutoria said.Bhutoria added that the move will drive away skilled professionals who power Silicon Valley and contribute billions to the US economy. He said the move may backfire by pushing talent to competitors like Canada or Europe.He called for a balanced reform like exempting startups or prioritising merit-based selection instead of "this extreme overhaul."

Khanderao Kand of the Foundation for India and Indian Diaspora Studies said the USD 100,000 fee for H1-Bs is a very unfortunate policy with huge negative impact on businesses particularly software and tech industry as well as US-educated STEM talent who are already struggling due to negative impact of AI and tariffs.

'Jaish' No More. Hit By Sanctions, Banned Terror Group Changes Name

WORLD.(Agency)

Banned terrorist group Jaish-e-Mohammed will now be known as Al-Murabitun - which means 'defenders of Islam' in Arabic - within Pakistan, intel sources told NDTV this week. The new name will be used during the 'memorial' next week for Yusuf Azhar, the brother of founder Masood Azhar.

Sources said the group - responsible for the attack on the Indian Parliament in 2001, the 26/11 Mumbai attacks, and on the Army in Jammu and Kashmir's Uri and Pulwama - wants to de-link from the 'Jaish-e-Mohammed' name because sanctions make it difficult to access funding.The name change, however, is only expected for its Pak operations, sources said.A July report by the Financial Action Task Force, a global anti-terror funding watchdog, underlined the funding challenge facing the terrorist group. The FATF said the Jaish is now using digital payments, i.e., e-wallets and UPI transfers, to channel money into rebuilding itself.According to the FATF five such e-wallets have been traced so far, and each has direct links to the terrorist group and members of

founder Masood Azhar's family. The goal, reports indicate, is to raise nearly four billion Pak rupees to set up over 300 'markaz', i.e., hubs or training centres.Routing funding via digital wallets means Pak can say it has 'cut off' funding - via formalised means like bank transfers - and comply with FATF rules, but the Jaish still gets money.NDTV this week accessed a dossier detailing re-building efforts by the Jaish after its base in Pak's Bahawalpur was destroyed by India during Operation Sindoor. India launched missile strikes against nine terrorist camps, including Bahawalpur, on May 7 in response to the Pahalgam terror attack.The dossier indicates the Jaish-e-Mohammed and other targeted terrorist groups, including Hafiz Saeed's Hizbul Mujahideen, have begun re-locating deeper into Pakistan, setting up bases in the Khyber Pakhtunkhwa province that shares an international border with Afghanistan.As part of that rebuilding process the group is also on a recruitment drive; in fact, one such drive was conducted in Garhi Habibullah, a town in Mansehra district, on September 14.The drive - headlined by Jaish commander Masood Ilyas Kashmiri, whose speech included exposing Pak's links with terror groups operating on its soil - was held seven hours before the India-Pakistan cricket match in Dubai, and included Pak Army and police providing protection.

Pakistan Minister On Whether Saudi Arabia Will Get Involved If There Is War With India

World. (Agency)

Saudi Arabia will defend Pakistan in the event of India declaring war on its neighbour, Pak Defence Minister Khawaja Asif told reporters in Islamabad Friday, emphasising the 'strategic mutual assistance' component of the deal two countries signed this week.

"Yes, absolutely. There is no doubt about it..." Mr Asif told Geo TV, a Pak news channel, drawing parallels with Article 5 of the NATO agreement that refers to 'collective defence', which essentially means a military attack against one bloc member is an attack on all.The Pak minister, however, stressed the deal with Saudi Arabia is a 'defensive' rather than 'offensive' arrangement', again drawing parallels with NATO. "If there is aggression, whether against Saudi Arabia or Pakistan, we will jointly defend against it," he told Geo TV."We have no intention of using this pact for any aggression," Mr Asif told Reuters separately. "But if the parties are threatened, then obviously this arrangement will become operative."

He also confirmed Pakistan's nuclear weapons are available for Saudi Arabia's use, although the former's stated doctrine says the warheads are for use only against India.Our capabilities will absolutely be available under this pact," he said, noting also that Pak

had always allowed inspections of its nuclear facilities and never committed violations.A senior Saudi official, asked if the deals means Pak is now obliged to offer a nuclear shield, told Reuters, "This is a comprehensive defensive agreement that encompasses all military means."The 'mutual defence' agreement was signed during Pak Prime Minister Shehbaz Sharif's visit to Riyadh this week. As reported by NDTV earlier, a key clause of this pact states that "any aggression against either country shall be considered an aggression against both".In response, the Indian government said the Pak-Saudi pact "formalises a long-standing arrangement between the two countries" and that the implications are being considered.Military and political analysts told Reuters the deal effectively marries Riyadh's money with Islamabad's nuclear arsenal, and represents a big win for both sides.

For Pakistan, the positive is, of course, formidable financial backing and the prospect of an 'Arab nations alliance'. For Saudi Arabia it means a 'nuclear shield'. It also means that Israel.

Texas University Head Steps Down In 'Gender Ideology' Row

WORLD.(Agency)

The president of a major Texas university is stepping down on Friday after being accused of tolerating "transgender indoctrination" at the public school.The resignation of Mark Welsh as head of Texas A&M University comes amid a conservative crackdown on higher education by the administration of President Donald Trump."President Welsh is a man of honor who has led Texas A&M with selfless dedication," university chancellor Glenn Hegar said in a statement that did not address the reasons for his departure."At the same time, we agree that now is the right moment to make a change and to position Texas A&M for continued excellence in the years ahead," Hegar added.Welsh's resignation comes after a video went viral of a "whistleblower" student confronting a professor over the teaching of "gender ideology" in a children's literature class.In the hidden camera video, the student is heard telling the professor, "I'm not entirely sure this is legal to be teaching because

according to our president there's only two genders.""I don't want to promote something that is against our president's laws as well as against my religious beliefs," the unidentified student adds.

The professor responds that what she is teaching is not illegal and "if you are uncomfortable in this class, you do have the right to leave."

Trump, on his first day in the White House, signed an executive order saying "It is the policy of the United States to recognize two sexes, male and female."The video went viral after it was posted online by a Texas state lawmaker, Brian Harrison, who called it a case of "transgender indoctrination" and urged Texas Governor Greg Abbott to fire both the professor and Welsh.Harrison also released an audio recording in which the student confronts Welsh and asks him to dismiss the professor."That's not happening," Welsh responds, although he did later fire the professor.

Welsh, a former four-star US Air Force general, took the helm of Texas A&M in 2023

Estonia says three Russian fighter jets entered its airspace in 'brazen' incursion

World. (Agency)

Estonia summoned a Russian diplomat to protest after three Russian fighter aircraft entered its airspace without permission Friday and stayed there for 12 minutes, the Foreign Ministry said. It happened just over a week after NATO planes downed Russian drones over Poland and heightened fears that the war in Ukraine could spill over.Foreign Minister Margus Tsahkna said Russia violated Estonian airspace four times this year "but today's incursion, involving three fighter aircraft entering our airspace, is unprecedentedly brazen."Estonian Defense Minister Hanno Pevkur also said that the government had decided "to start consultations among the allies" according to NATO's article 4, he wrote on X, after Russian jets "violated our airspace yet again."Russian officials did not immediately comment.

European governments rattled

Russia's violation of Poland's airspace was the most serious cross-border incident into a NATO member country since the war in Ukraine began with Russia's all-out invasion in February 2022. Other alliance countries have reported similar incursions and drone crashes on their territory.

The developments have increasingly rattled European governments as U.S.-led efforts to stop the war in Ukraine have come to nothing.The European Union's foreign policy chief Kaja Kallas called Friday's incursion "an extremely dangerous provocation" that "further escalates tensions in the region.""On our side, we see that we must show no weakness because weakness is something that invites Russia to do more," she said. "They are increasingly more dangerous — not only to Ukraine, but also to all the countries around Russia."Estonia, along with fellow Baltic states Lithuania and Latvia and neighboring Poland, are staunch supporters of Ukraine.Italian F-35 fighter jets respond to Russian incursion

The Russian MIG-31 fighters entered

Estonian airspace in the area of Vaindloo Island, a small island located in the Gulf of Finland in the Baltic Sea, the Estonian military said in a separate statement.

The aircraft did not have flight plans and their transponders were turned off, the statement said, nor were the aircraft in two-way radio communication with Estonian air traffic services.Italian Air Force F-35 fighter jets, currently deployed as part of the NATO Baltic Air Policing Mission, responded to the incident, according to the statement.

In a post on social media, NATO spokesperson Allison Hart described the incident as "another example of reckless Russian behavior and NATO's ability to respond."NATO fighter jets scramble hundreds of times most years to intercept aircraft, many of them Russian warplanes in northwest Europe flying too close to the airspace of its member countries, but it's rarer for planes to cross the boundary.Dozens of NATO jets are on round-the-clock alert across Europe to respond to incidents such as unannounced military flights or civilian planes losing communication with air traffic controllers.

Separately, Maj. Taavi Karotamm, spokesperson for the Estonian Defense Forces, told The Associated Press the Russian planes flew parallel to the Estonian border from east to west and did not head toward the capital, Tallinn.Karotamm said the reason for the border violation is unknown, but added that it may have been to "shift the focus of NATO and its members on to defending itself.

NEWS BOX

Mentor Rohit Sharma, comedian Virat Kohli: Yashasvi Jaiswal on Indian legends

New Delhi. (Agency)

Yashasvi Jaiswal opened up on his experience playing alongside Rohit Sharma and Virat Kohli in the Indian cricket team. Jaiswal, who made his debut for the Indian Test team in 2023, opened with Rohit at the top and has shared some key partnerships with Kohli.

Rohit and Jaiswal scored 1269 runs in 28 innings that they batted together and opened up on the influence of the former India Test captain on his career. Speaking to Mashable India, the opener said that Rohit has been a mentor for him during his career and has helped develop mentally and in terms of his playing style. Jaiswal said that Rohit is an amazing human being and you learn a lot just by being around the 38-year-old.I really enjoy being with Rohit bhai. He has taught me so much and helped me a lot in developing myself, both mentally and overall. He is truly an amazing human being. When you are around him or talk to him, you learn a lot — in fact, just by watching him, you can learn so much," said Jaiswal.When it

came to Kohli, Jaiswal revealed the star batter's funny side and how he is able to keep everyone laughing. The young opener said that Kohli is sharp when it comes to observing someone to make a joke and claimed that he would make you laugh with his witty remarks."Paaji is amazing, really strong. I've batted with him many times. He's so much fun, and he's really funny too. If you spend time with him, you'll just keep laughing, it's a different level altogether. If he tells you something about someone, he'll explain it in full detail — it's incredible. He's so sharp. Like, if you ask me to explain something in a funny way, I might try but it won't come out funny. But if he says it, then 100 percent you'll end up laughing for sure," said Jaiswal.The southpaw had partnerships in 10 innings alongside Kohli and the duo put on 361 runs during that time. Jaiswal was a part of Rohit and Kohli's final Test assignment before they decided to retire from the format in May 2025

Surya namaskar: In a meaningless pursuit, SKY shines by not batting

New Delhi. (Agency)

In meaningless pursuits, Surya Kumar Yadav reveals his character. O Captain, My Captain.Slotting himself at No. 11 in Friday's match against Oman at the Asia Cup, not coming in to bat for easy rums-- that is Surya.We will come to that. But, we need to rewind.After the facile win against Pakistan, Surya was thrown to the press. He was accused of not shaking his hand with the rival captain, Salman Agha–a decision taken by others to justify Indian participation in the Asia Cup, a meaningless rubber.Bear in mind that Surya is a batter. His job is to score runs, and, because he is also the captain, lead Team India on the field, not in geopolitical sparring.At the press conference that follows the Pak encounter, he is expected to bear the burden of India–its expectations, its animus, its billion hopes, its unsaid frustration with the participation in a tournament the country

just doesn't want to watch. On his shoulders is a rare burden–he is the first captain to face Pak after Op Sindoor, and yet be a sport.

At the post-match presser, a Pakistani journalist pops a question about his decision not to shake hands with Agha. The question is interrupted midway by someone, perhaps trying to protect him from politics. That's when Surya shines.His face retains the pre-query balance. The chewing gum in his mouth feels the same violent molars. "Bindaas poocho," he says. Then he goes on to answer the question. Bindaas–fearless. "Some emotions are beyond the spirit of the game."O Captain, my Captain. He really is bindaas.

A final lap fumble: How a tactical error cost Gulveer Singh a spot in the final

New Delhi. (Agency)

"Street smarts are an athlete's asset. Some come with their A game. But it's not every day that you are in top form or situations will unfold the way you imagine them on the drawing board. Form books are ripped up; an unknown might aspire to be a star; someone lurking behind you or in front of you might go for broke and you, with all your training, would be left holding the broken remains of a World Championship dream. Inside any event is life's microcosm – be prepared for any eventuality.Gulveer Singh, on whom rode the hope of a 5000m final finish, couldn't give the finishing touches to a qualifier he held the keys to. For almost 4800m, he rode the wave, the perfect running, sticking to the group, ready to hit the pedal when the situation and time demanded. Except that it never came. When he should have floored the gas pedal, he took his foot off, looked back in the rear-view mirror and others passed him. One of those names was Norway's Jakob Ingebrigtsen, the reigning World and Olympic Champion.In terms of the weather, it was perfect. Temperatures had dropped to 23 degrees; the wind was across the track; Tokyo reflected his training base in Colorado's temperatures. The middle-distance and long-distance races are tightly focused dramas; different actors playing out their parts, the end scene always deciding who would win the lead or be in the lead group.Right from the start, till almost the last 200 metres, there was no head-spinning mixture of geometrical forms. It was easy-paced, going to the throb of a steady rhythm and momentum. For Gulveer, it was the perfect day, the perfect race for a perfect top eight finish – the ticket to Saturday's final. It also had some big names – Grant Fischer, Stanford graduate, the Paris Olympics 5K and 10K bronze medal winner, the 18-year-old Ethiopian Biniam Mehary, Bahrain's Birhanu Balew, the 2022 Asian Games gold medallist over 5K and 10K, Jimmy Gressier, who had won the 10k gold medal a few days back.In the lead group of 5-6 runners, Gulveer appeared comfortable in the first two laps. He did move up to 3rd as Eisa Mohammed, who would fade away in the latter part of the race, had the initial lead

running with Saymon Amanuel. With nine laps to go, the American Fischer moved up, disrupting the group followed by Kenya's Cornelius Kemboi and Gressier. With eight laps remaining, it seemed that Gulveer wanted to move on, take the lead a bit, do a bit of front running but had been boxed in by the group. Each and every runner in his isolated world, doing his bit of running. Winning wasn't important. Qualifying was.He did move to the outside a bit. But was back inside. Probably that gave him confidence. It was again a slow race, like the steady throb of a drum, a pulse beating in the middle of the stadium. If you increased pace and went ahead, the rest wouldn't follow. In such kind of races, without the allure of a podium finish, the mind plays it differently. The dynamics in play are created by each runner who tries and adheres to a common theme – hang in, last out and break in the end.

Gulveer was doing it to perfection. Once, he fell back to 9th but pulled back to the group. Did he lose energy then? For someone who has trained at the high altitude of Colorado, it was a no-brainer. Or as it seemed.

With three laps to go, the lead group widened, three in the front, the same number at the back. Gulveer was lying 7th. With two laps left, the lead was being flipped between Fischer, Kemboi, Mehary, Mills and Netherland's Niels Laros, who had started attacking the lead group. The Dutchman would fall back as the pace quickened with two laps and then as the bell went, Gressier, Mills, Fischer, Mehary and Balew went for it.

INDW vs AUSW: Team India to don pink jersey in support of breast cancer awareness

- Haaland's header put him on 50 goals in 49 Champions League appearances, with the Norway striker reaching that milestone quicker than any other player in the competition's history.

New Delhi . (Agency)

The Indian women's cricket team will step out in a special all-pink kit on Saturday, September 20, when they take on Australia in the third and final ODI at the Arun Jaitley Stadium in Delhi. The gesture is aimed at promoting breast cancer awareness, adding a layer of social significance to an already high-stakes contest.The Board of Control for Cricket in India (BCCI) confirmed the initiative through a video on its social media handles, where captain Harmanpreet Kaur, Pratika Rawal and Sneh Rana were

among those seen donning the pink strip."#TeamIndia will be wearing special pink-coloured jerseys in the Third ODI today to promote Breast Cancer Awareness," read the caption on the BCCI's post.This is not the first time cricket has rallied behind the cause. South Africa's men's team have long championed the Pink Day tradition in Johannesburg, while in the IPL, franchises such as Gujarat Titans and Delhi Capitals have also sported special kits to support cancer awareness initiatives.

INDIA EYE HISTORIC SERIES-WIN

For India, Saturday's game carries added weight. With the series locked at 1-1, the hosts have a chance to claim a maiden bilateral series win over Australia, a feat they have never achieved in ODIs. The match will also serve as their last piece of competitive action before the much-anticipated Women's ODI World Cup, beginning September 30 in Guwahati.While there have been encouraging signs across the series, particularly with India's pace attack and their top order batting, concerns linger over the middle order, which has yet to fire collectively. A composed performance against a strong Australian bowling line-up could provide the belief Harmanpreet's side needs heading into the global event.

Australia, on the other hand, will look to reassert their dominance, drawing on their depth and experience. As defending world champions, they will want to finish the series strongly and deny India a historic triumph on home soil.

With the series on the line, the contest in Delhi is expected to deliver both intensity and inspiration. For India, the pink jersey will symbolise not just solidarity with a greater cause, but also the determination to script a statement win at the dawn of a World Cup campaign.

Women's World Cup 2025: Suryakumar Yadav backs Jemimah Rodrigues to deliver for India

New Delhi. (Agency)

With the Women's World Cup set to begin on September 30, India's men's cricketing stars have thrown their weight behind the women's team, led by Harmanpreet Kaur as they chase a maiden title. The tournament opener will see India take on Sri Lanka at Barsapara Stadium in Guwahati.T20I skipper Suryakumar Yadav reserved special praise for batter Jemimah Rodrigues, who hails from his hometown Mumbai."It's always good to see someone from your home city who has played so many local games, represented the state, and then gone on to play for India. Jemimah has always been a great performer. Playing the World Cup is a huge opportunity, and I'm sure she will deliver because she's a great teammate and brings amazing energy to the ground,"

Suryakumar told JioHotstar.Rodrigues has 1,457 ODI runs at an average of 32.38 with a career-best 123 against South Africa. However, she was recently ruled out of the ongoing Australia ODI series due to viral fever, with Tejal Hasabnis named as her replacement.

Meanwhile, wicketkeeper-batter Richa Ghosh received glowing words from Sanju Samson, who praised her composure and fearless batting."We all love watching Richa Ghosh. The way she bats and keeps wickets, she always looks calm and confident. There's a lot to learn from her. Wearing the blue jersey in this country is never easy, and there's been a lot of hard work behind the scenes," Samson said.All-rounder Hardik Pandya also sent his wishes to the squad ahead of their campaign.

"I'm very excited and just want to wish the women's team the best of luck. The whole of India is supporting you. Go out there and enjoy the sport—don't worry too much, just be yourself. Remember, a billion people are backing you.

Asia Cup Super Four: Bangladesh eye revenge against Sri Lanka in Naagin rivalry

- Bangladesh will seek revenge against Sri Lanka in the Asia Cup 2025 Super Four opener on September 20, aiming to rectify their earlier Group B loss and strengthen a fragile batting and bowling lineup.

New Delhi. (Agency)

Bangladesh will be seeking revenge when they take on their 'Naagin' rivals Sri Lanka in the opening Super Four clash of the Asia Cup 2025 on Saturday, September 20, after losing to them earlier in the Group B stage. That defeat not only dented their net run rate but also exposed vulnerabilities in both

batting and bowling under pressure. For Bangladesh, the Super Four offers a chance to reset after a narrow escape from elimination.Sri Lanka, meanwhile, enter the Super Four unbeaten and brimming with confidence. Wins over Bangladesh, Hong Kong, and Afghanistan helped them to top Group B. However, their campaign has not been without flaws - batting collapses in the middle overs have been a recurring concern, nearly costing them against weaker sides. Bangladesh will look to capitalise on those lapses.Bangladesh's progression hinged not only on their own results but also on Sri Lanka's performance in the final Group B game. Sri Lanka's six-wicket win over Afghanistan eliminated the Afghans and secured Bangladesh's passage as the second team from the group. Kusal Mendis' unbeaten 74 off 52 balls was the standout effort, anchoring the chase.Bangladesh's path to qualification was far from smooth. They started with a win over Hong Kong, lost to Sri Lanka, and then scraped past Afghanistan by eight runs. But had Afghanistan defeated Sri Lanka on Thursday, Bangladesh would have been eliminated on net run rate.

Bangladesh look to build momentum

Bangladesh went in with four specialist bowlers against Afghanistan, and that decision nearly backfired after Saif Hassan and Shamim Hossain conceded 55 runs in just four overs.

No World Athletics medal for India after 6 years: The highs and lows in Tokyo

- India ended the 2025 World Athletics Championships without a medal, marking a first in six years in the competition. Sarvesh Kushare's high jump and Sachin Yadav's near-podium javelin throw were bright spots in an otherwise disappointing Tokyo campaign.

MANCHESTER. (Agency)

India's medal drought at the World Athletics Championships became the first time in six years when the nation returned from Tokyo without a podium finish. The closest the country came were javelin thrower Sachin Yadav, who finished fourth, and high jumper Sarvesh Kushare, who produced a lifetime-best to secure fifth place. Long-distance runner Gulveer Singh also missed out narrowly, finishing ninth in his 5,000m heat, just fractions behind the cutoff for the final.India had hoped for strong performances across the board, but the Tokyo campaign was largely defined by near misses and unexpected setbacks. Even the nation's marquee athletes struggled to convert talent into medals. With only Sarvesh, Neeraj Chopra, and Sachin Yadav making it to finals, the tally of Indian finalists has shrunk noticeably compared to previous editions.In Budapest 2023, India sent six to seven athletes into finals, including Jeswin in the long jump, Neeraj, Manu, and Kishore in javelin, Parul in the 3,000m steeplechase, and the men's 4x400m relay team.At Eugene 2022, the finalists included Avinash (3,000m steeplechase), Sreeshankar (long jump), Eldhose (triple jump), Neeraj, Rohit, and Annu (javelin).

Tokyo 2025, however, saw only three athletes — Sarvesh Kushare, Neeraj Chopra, and Sachin Yadav — reach the finals.The

contrast is stark, raising the question: is this a temporary dip in form, or does India still struggle to build consistent depth across disciplines?Sarvesh Kushare and Sachin Yadav: India's Brightest SpotsHigh jumper Sarvesh Kushare was India's brightest light. Clearing 2.28m, the 30-year-old became only the fourth Indian high jumper to finish in the top six at a World championship. The son of an onion farmer from Nashik delivered a performance that lit up the National Stadium and gave fans a rare moment of joy amid the disappointments.

In the javelin throw, defending champion Neeraj Chopra's hopes of retaining his World Championships title ended in disappointment. The two-time Olympic medallist could only manage eighth place. His compatriot Sachin Yadav, just 25 years old, threw a lifetime best of 86.27m but missed a medal by 40 centimetres. His consistent performance demonstrated his potential to be a future star, even if India came away empty-handed.Track and Field Letdowns by DisciplineIn sprints, Animesh Kujur struggled to replicate his best form, clocking 20.77 seconds in the 200m heat, far off his personal best of 20.27 seconds, and finishing last in his group. His performance reflected a larger issue: India's speed events continue to lack consistency on the world stage.Long-distance runner Gulveer Singh narrowly missed the men's 5,000m final, finishing ninth in his heat with 13:42.34. He holds the national record at 12:59.

Madhuri Dixit

And Karan Johar Burn Dance Floor With Their Thumkas On 'Dafliwale'

Bollywood came together to celebrate the legendary Shabana Azmi as she marked her 75th birthday on September 18. The veteran actor hosted an intimate yet grand bash at her residence, where the guest list included some of the biggest names in the industry. Photos and videos from the evening are now circulating online, giving fans a glimpse of the fun, nostalgia, and star power that defined the celebration.

Madhuri Dixit And Karan Johar Steal The Spotlight

One of the highlights of the evening was filmmaker Karan Johar and actress Madhuri Dixit taking over the dance floor. The duo grooved to the evergreen classic Dafliwale Dafli Baja, instantly drawing loud cheers and applause from the guests. Videos from the night showed Karan, dressed in an all-black outfit, matching steps with Madhuri as other attendees clapped along, capturing the infectious energy of the moment.

The impromptu performance quickly went viral on social media, with fans calling it "iconic" and praising the duo's chemistry. Comments flooded in, with one user writing, "What an OG party!" while another gushed, "Epic. Nobody like KJo and Madhuri." The celebration proved yet again why Madhuri remains Bollywood's eternal dancing diva, while Karan brought his signature flair to the occasion.

Farhan Akhtar's Sweet Dance With Shabana Azmi

Equally heartwarming was a video of Shabana Azmi herself joining the dance floor with her stepson, Farhan Akhtar. The two swayed to Señorita from Zindagi Na Milegi Dobara, a film that featured Farhan in a leading role. Their joyous performance had the entire room cheering the loudest, adding a deeply personal touch to the festivities.

The energy didn't stop there. Madhuri was later joined by Urmila Matondkar, and together they created yet another memorable dance moment. Sharing snippets from the celebration, filmmaker Faraz Arif Ansari described the evening as "legendary and incredibly special," thanking Shabana for letting him be part of the milestone event.

Star-Studded Birthday And Shabana's Upcoming Projects

The birthday bash was nothing short of a starry affair. Rekha, Vidya Balan, Farah Khan, Manish Malhotra, Sonu Nigam, and Maheep Kapoor were among the many Bollywood personalities spotted at the event. Fans online couldn't get enough of the reunion of legends under one roof.Even as she celebrated her milestone birthday, Shabana Azmi continues to remain deeply active on the professional front. She will next be seen in Rajkumar Santoshi's Lahore 1947, co-starring Sunny Deol, Preity Zinta, and Ali Fazal. Additionally, she has a key role in Bun Tikki, directed by Faraz Arif Ansari.

Deepika Padukone Speaks Up After Her Kalki 2 Exit, Confirms King With SRK: 'Every Decision...'

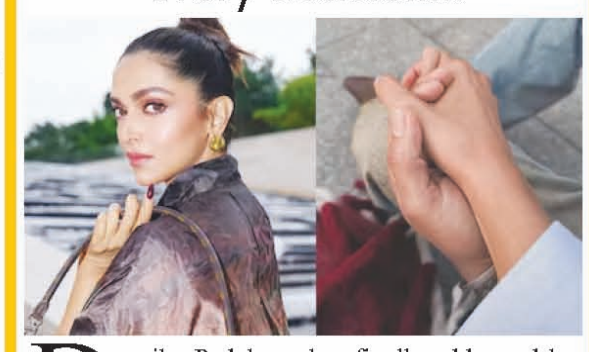

Deepika Padukone has finally addressed her exit from the Kalki 2898 AD sequel and shared exciting news about reuniting with Shah Rukh Khan for King. Posting a picture showing their hands clasped together, she wrote, "The very first lesson he taught me almost 18 years ago while filming Om Shanti Om was that the experience of making a movie, and the people you make it with, matter far more than its success. I couldn't agree more and have applied that learning to every decision I've made since. And that's probably why we're back making our 6th movie together?"Deepika tagged SRK and added the hashtags #King and #Day1, signaling a fresh chapter in one of Bollywood's most celebrated on-screen collaborations. King will mark her sixth project with the superstar since their debut pairing in Om Shanti Om in 2007.

About Deepika Padukone's Kalki 2898 AD Sequel Exit

Vyjayanthi Movies confirmed Deepika's exit from the Kalki 2898 AD sequel via an official note on X: "This is to officially announce that @deepikapadukone will not be a part of the upcoming sequel of #Kalki2898AD. After careful consideration, we have decided to part ways. Despite the long journey of making the first film, we were unable to find a partnership. And a film like @Kalki2898AD deserves that commitment and much more. We wish her the best with her future projects."

Director Nag Ashwin also shared a cryptic post on Instagram, which went viral. Writing alongside a fan edit of Krishna's entry, he noted, "You can't change what happened, but you can choose what happens next," leaving fans speculating if this was a subtle response to Deepika's departure.

Why Deepika Made The Decision

Industry insiders recall that this isn't Deepika's first high-profile exit. Earlier in May, she walked away from Sandeep Reddy Vanga's Spirit over an eight-hour work demand, profit-sharing clauses, and her preference to prioritise motherhood while avoiding Telugu dialogues.

'Religion Will Never Come Between Us': Sonakshi Sinha Opens Up On Life With Husband Zaheer Iqbal

Sonakshi Sinha, who tied the knot with longtime boyfriend Zaheer Iqbal in 2024 after nearly eight years together, is letting fans into her world like never before. In a candid chat on The Right Angle with Sonal Kalra, the actor shared her thoughts on love, interfaith marriage, family dynamics, and her new films.When asked whether religion has ever come in the way of her relationship, Sonakshi was quick to dismiss the notion. "In how we are as a couple, no. In how we are at home, in terms of the different ways that we've been brought up in, there are certain customs that he and his family follow, which I really respect, and there are certain customs that me and my family follow, which they respect.

Religion is something that will never come in between the two of us. There's never been any question, fight, or tension when it comes to that, and I think that's the most beautiful part of it. Our strength lies in respect."

The 38-year-old also revealed how her parents, actor Shatrughan Sinha and politician Poonam Sinha, have wholeheartedly embraced Zaheer as part of the family. "100% damad he is," she said with a laugh. "Everyone runs helter-skelter when he comes, saying 'Zaheer aa rahe hai, damad ji aa rahe hai.' My mom keeps asking kya khayega, kya khayega, and my dad loves spending time with him. I think they've become really good friends. When I enter the room, it's usually the two of them talking while I sit quietly!"

Speaking about her relationship with Zaheer, Sonakshi reflected on what makes their bond special after seven years of dating before marriage. "We say we want to find someone we want to grow old with. But after being with a person like Zaheer, you realise you need someone you can remain a child with. Ussi se hansi mazak barkarar rehta hai. You are constantly laughing. This was something I was missing in my life. Ab aa chuka hai, toh I couldn't be happier."

What's Next for Sonakshi Sinha

Away from her personal life, Sonakshi is keeping just as busy professionally. She confirmed that she has wrapped up two films, including her much-anticipated Telugu debut Jatadhara, which is expected to release by the end of the year.

Katrina Kaif

To Announce Pregnancy Soon? Baby Bump Photo Goes Viral

For a long time now, reports of Katrina Kaif expecting her first child with Vicky Kaushal have been making headlines. While the couple has not either confirmed or denied their pregnancy reports, a new photo has now surfaced on social media, in which Katrina's baby bump is clearly visible.Recently, a photo of Katrina Kaif surfaced on social media in which the actress was seen posing in a maroon gown, while also flaunting her baby bump. It remains unclear

if Katrina was shooting for her maternity photoshoot or if the viral picture is from some ad shoot.

Soon after the picture was shared on Reddit, several social media users expressed excitement and congratulated the actress. "So so happy for her…. Congratulations! .," one of the users wrote. "My inner 14-year-old fan is screaming. Congratulations. ," added another. "For a moment I thought it was some throwback to pregnant Kareena. But wohooo!! Congratulations," a third comment read.

How Did the Pregnancy Rumours Start?

Speculations regarding Katrina Kaif's pregnancy began on July 30, when a video of the actress and Vicky at a ferry port in Mumbai started doing the rounds. Dressed in an oversized white shirt and baggy pants, Katrina's casual outfit and careful walk led many fans to wonder if she was expecting. Comments such as "Is she pregnant?" and "Seems pregnant for sure" flooded the post, setting the internet buzzing.

Before this, Katrina's New Year's Eve post in a polka-dot dress had already triggered pregnancy chatter. Many social media users linked her look to a so-called Bollywood "polka-dot pregnancy myth," drawing parallels with Anushka Sharma and Deepika Padukone, who were both spotted in similar prints while expecting. However, a flowy dress and a viral video alone do not make a baby bump, and the speculation largely remained baseless.

he rumour mill hit its peak on August 7, when a viral post claimed that Vicky and Katrina were expecting their first child in October or November. However, the twist was soon uncovered, the post was entirely fan-made and did not originate from Katrina, Vicky, or their close circle. Social media users quickly debunked the claim, with one sarcastically commenting, "Does Katrina know she's pregnant?" while another said, "They didn't confirm, and you're already spreading rumours!"